फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 309 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 12 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Paintings of India

In 1883, he traveled to India, and spent every day painting and every night developing his photographs, for recording the architectural details and backgrounds

National Peanut Butter Cookie Day

National Peanut Butter Cookie Day, observed on June 12, celebrates one of the world's most loved comfort treats

राहुल तथा सोनिया से मिले ममता एवं अभिषेक

अभिषेक बनर्जी ने राहुल गांधी के सामने ममता बनर्जी को राज्यसभा में भेजने और सदन में विपक्ष का नेता बनाने का विकल्प पेश किया

- इसी बीच खबर है कि तृणमूल के बागी गुट से तकरीबन आधा दर्जन सांसद पुनः ममता बनर्जी के पक्ष में आ गए हैं।
- अगर ऐसा होता है तो बागी गुट के पास दो तिहाई से कम सांसद रह जाएंगे जो दलबदल कानून के तहत अलग गुट के रुप में मान्यता दिए जाने के लिए आवश्यक है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। क्या ममता बनर्जी राज्यसभा में प्रवेश करेंगी और इसके बाद कांग्रेस की मदद से सदन में विपक्षी नेता के पद तक पहुँच जाएँगी?

ऐसी संभावनाओं पर दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच चर्चा चल रही है।

विधानसभा चुनाव में जबरदस्त पराजय के बाद, अभूतपूर्व आंतरिक संकट का सामना कर रहा टीएमसी नेतृत्व दो मोर्चों पर काम कर रहा है: एक तरफ़ विधायकों और सांसदों के बीच विद्रोह को काबू में करना, और दूसरी तरफ़ पार्टी को पुनर्गठित और पुनर्जीवित करना। समझा जाता है कि यह विचार (ममता के राज्यसभा में प्रवेश और सदन में विपक्षी नेता के रूप में पदोन्नति) ममता के भतीजे और पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ हुई अपनी बैठक में प्रस्तुत किया था। ममता खुद एक दिन पहले सोनिया गांधी से मिली थीं। कहा जाता है कि कांग्रेस नेतृत्व इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

टीएमसी के विद्रोही समूह की नेता काकोली घोष दास्तिदार द्वारा पार्टी से अलग हुए 20 सांसदों का समर्थन प्राप्त होने की सनसनीखेज घोषणा के बाद, विद्रोही शिविर की गति थोड़ी धीमी होती लग रही है। टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और प्रतिमा मंडल, जिन्हें विद्रोही शिविर अपना समर्थक मान रहा था, ने अलग हुए समूह से दूरी बना ली है। इसके अलावा, लगभग आधा दर्जन और सांसदों की पार्टी में वापसी की भी रिपोर्टें हैं। यदि ऐसा होता है, तो विद्रोही समूह के पास आवश्यक दो-तिहाई बहुमत से काफी कम समर्थन रह जाएगा, जैसा कि दल-बदल विरोधी कानून में प्रावधान है।

कहने का अभिप्राय यह नहीं है कि टीएमसी का आंतरिक संकट गंभीर नहीं है। हाल ही में पार्टी से दिये गये उच्च स्तरीय इस्तीफों में राज्यसभा सांसद सुखेन्दु सरकार राय और सुष्मिता देब शामिल हैं, जिससे राज्यसभा में टीएमसी सदस्यों की संख्या घट कर 11 रह गई है। इधर पता चला है कि पार्टी के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी, जिन्हें ममता का नज़दीकी सहयोगी माना जाता है, ने भी टीएमसी सुप्रीमो को अल्टीमेटम दिया है: "मुझे चुनें या अभिषेक बनर्जी को।" कल्याण ने गुरुवार को अभिषेक की आलोचना करते हुए, सार्वजनिक रुप से कहा कि ममता के भतीजे और पार्टी के महासचिव "अहंकारी" हैं और "सोचते हैं कि सभी उनके नीचे हैं।"

म.प्र. से भाजपा ने राज्यसभा की तीनों सीटें जीती

- नाम वापसी का समय समाप्त होने के बाद भाजपा प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया व सर्टिफिकेट भी दे दिए गए।

भोपाल, 11 जून। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीनों सीटें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत ली हैं। पार्टी के तीनों उम्मीदवारों तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

राज्यसभा निर्वाचन के तय कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवारी से नाम वापसी का गुरुवार को अंतिम दिन था। दोपहर 3 बजे नाम वापसी का समय समाप्त होने के बाद भाजपा के तीन उम्मीदवारों को निर्विरोध विजयी घोषित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभिषेक बनर्जी प.बंगाल सीआईडी के सामने पेश हुए

इससे पहले अभिषेक को तीन बार सीआईडी ने बुलाया था पर वे नहीं गए थे

- सीआईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अभिषेक ने नेता प्रतिपक्ष पद के लिए स्पीकर को जो पत्र लिखा था उसमें कितने विधायकों के फर्जी हस्ताक्षर थे तीन विधायकों ने तो दावा किया है कि पत्र पर उनके साइन नहीं हैं।
- अगर यह आरोप साबित हो गया तो अभिषेक को सात साल की जेल हो सकती है।
- विधानसभा चुनाव हारने के बाद हालात बदल गए हैं। ममता बनर्जी को भाव नहीं मिल रहा है, कई नेता उनका फोन तक नहीं उठा रहे हैं।
- ममता जी भी बेहद शांत हो गई हैं पूर्व में दिल्ली से लौटने पर वे गंभीर टिप्पणियां करती थीं पर इस बार वे एयरपोर्ट से चुपचाप निकल गईं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11जून। विधानसभा सदस्यों के हस्ताक्षरों की कथित जालसाजी के मामले में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी आज पश्चिम बंगाल सीआईडी के सामने में पेश हुए। इससे पहले वे तीन बार सीआईडी के सामने पेश होने से बच चुके हैं।

दिल्ली में कुछ दिन बिताने के बाद, वे कोलकाता लौटे और वहां से उन्हें राज्य की सबसे चर्चित जांच एजेंसी के समक्ष पेशी के लिए ले जाया गया।

पुलिस की जांच शाखा यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या विपक्ष के नेता के नाम का प्रस्ताव भेजने से पहले उन्होंने वास्तव में 70 विधायकों की सहमति ली थी। तीन विधायक पहले ही कह चुके हैं कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कर्नाटक के मुख्यमंत्री का महा कचरा घोटाला'

भाजपा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर कचरा प्रबंधन में 39,000 करोड़ रूपए के घोटाले का आरोप लगाया

- भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखी एक पोस्ट में कहा कि कचरा प्रोसेस करने के लिए दी जाने वाली टिपिंग फीस 260 रूपए से बढ़ाकर 2400 रूपए कर दी गई है यानि 950 प्रतिशत वृद्धि। उन्होंने करदाताओं को भारी नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कर रहे हैं, पर एक कचरा प्रबंधन प्रोजेक्ट के माध्यम से करदाताओं को भारी नुकसान पहुँचाने का आरोप लगाया।

भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि इस परियोजना की लागत में भारी वृद्धि हुई है और दावा किया कि कुछ विशेष संस्थाओं को लाभ पहुँचाने के लिये निविदा (टेंडर) प्रक्रिया में हेरफेर किया गया। एक्स पर की गई अपनी पोस्ट में पूनावाला ने इस प्रोजेक्ट को "महा कचरा घोटाला" बताया और इसे उन विवादों की श्रृंखला से जोड़ा, जिनमें भाजपा पहले भी कांग्रेस सरकार पर शामिल होने का आरोप लगाती रही है। उन्होंने लिखा, "कर्नाटक में बड़ा कचरा घोटाला! एमयूडीए घोटाला, ठेकेदार घोटाला, आवास घोटाला, शराब घोटाला और भूमि घोटाला के बाद, अब कांग्रेस का 39,000 करोड़ रुपये का कचरा घोटाला सामने आया है।" पूनावाला के अनुसार, कचरा प्रसंस्करण (वेस्ट प्रोसेसिंग) के लिए दी जाने वाली टिपिंग फीस लगभग 260 रुपये प्रति टन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आज रात ईरान पर सबसे बड़ा हमला'

वॉशिंगटन, 11 जून। पश्चिम एशिया में बड़े युद्ध का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन जोरदार हमले हुए हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अमेरिका आज रात ही ईरान पर बहुत बड़ा हमला करने जा रहा है। इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि बहुत जल्द अमेरिका ईरान के तेल और गैस उद्योग पर अपना पूरा कब्जा जमा लेगा। इसमें ईरान का सबसे मुख्य तेल केन्द्र खर्ग द्वीप भी शामिल है। दोनों देशों के बीच यह भीषण लड़ाई गुरुवार सुबह तक चलती रही। अमेरिकी सेना का यह हमला पिछले दिन के मुकाबले बहुत ज्यादा बड़ा, तेज और आक्रामक था। इस हमले से ईरान को काफी नुकसान पहुंचने की बात कही जा रही है। दूसरी तरफ, ईरान ने अपने नुकसान की पूरी जानकारी तो नहीं दी है। लेकिन कहा कि उसने अमेरिका को करारा जवाब दिया है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुँची कांग्रेस

कांग्रेस का दावा नटराजन के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं है

- कांग्रेस ने चुनाव आयोग में भी मध्य प्रदेश के रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले के खिलाफ शिकायत की और तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की।
- मध्य प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी महेश केवट के वकील के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव प्रक्रिया या चुनाव नतीजे घोषित करने पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11जून। मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन खारिज होने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच गया है। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के नामांकन को रद्द किए जाने के खिलाफ शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर की है।

यह कानूनी कदम तब उठाया गया, जब रिटर्निंग ऑफिसर ने भाजपा द्वारा उठाई गई आपत्तियों के कारण, नटराजन के नामांकन पत्र खारिज कर दिए। सत्ताधारी पार्टी का दावा था कि कांग्रेस नेता ने अपने नामांकन पत्र के साथ दिए गए हलफनामे में तेलंगाना के एक कानूनी मामले की जानकारी नहीं दी।

लेकिन, नटराजन ने इन आरोपों को "राजनीतिक साजिश" करार देते हुए जोर देकर कहा कि उनके खिलाफ कोई केस नहीं है और यह मुद्दा केवल एक निजी शिकायत से संबंधित था।

बुधवार को नटराजन ने आरोप लगाया कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) कम्प्रोमाइज्ड थे। वे वर्तमान सरकार के प्रवक्ताओं और फ्रंटल संगठन प्रमुखों की तरह काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा, "मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहूंगी कि कल रिटर्निंग ऑफिसर "कम्प्रोमाइज्ड" थे। वे वर्तमान सरकार के प्रवक्ताओं और फ्रंटल संगठन प्रमुखों की तरह काम कर रहे थे।"

कांग्रेस ने बुधवार को चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप करने और इसे "पूरी तरह से गलत, साफ तौर पर मनमाना एवं गैर कानूनी" आदेश बताते हुए, रद्द करने का अनुरोध किया।

कांग्रेस के वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और विस्तृत पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें तर्क

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

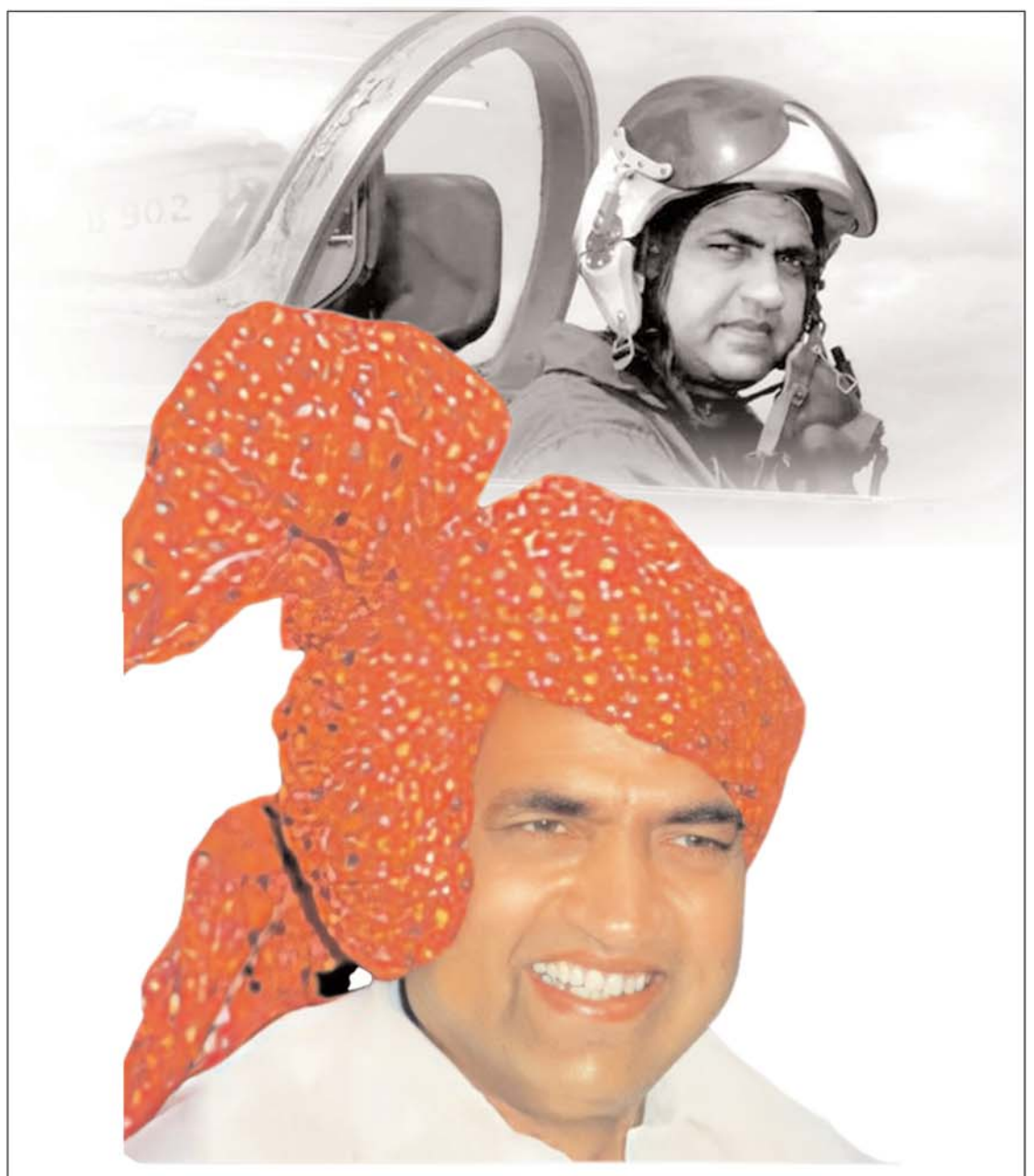

विचार बिन्दु

अज्ञानी के लिए खामोशी से बढ़कर कोई चीज़ नहीं और यदि उसमे यह समझाने की बुद्धि हो तो वह अज्ञानी नहीं रहेगा। –शेख सादी

राजस्थान की पंच गौरव योजना: स्थानीय संसाधनों से वैश्विक पहचान तक

राजस्थान की पंच गौरव योजना राज्य के विकास के फलक पर एक अभिनव और दूरदर्शी पहल है जो स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने, रोजगार सृजन करने और राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विकसित की गई है। यह योजना राज्य के प्रत्येक जिले की विशिष्टता को पहचान देकर उन्हें विकास के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने पर केंद्रित है। 17 दिसंबर 2024 को आयोजना विभाग द्वारा शुरू किया गया यह कार्यक्रम राजस्थान सरकार की दूरदर्शी सोच का परिणाम है और बजट 2025-26 में इस योजना को गति प्रदान करने के लिए 550 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान देगी और राज्य को स्वदेशी, स्थानीय और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पंच गौरव योजना का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के प्रत्येक जिले की पांच विशिष्ट पहचानों को चुनकर उन्हें विकास के मुख्य धारा में लाना है। प्रत्येक जिले से पांच तत्व या उत्पाद चुने गए हैं जिनमें एक उपज, एक प्रजाति, एक खेल, एक उत्पाद और एक पर्यटन स्थल शामिल है। कृषि विभाग एक उपज का चयन करता है, वन विभाग एक प्रजाति का, खेल विभाग एक खेल का, उद्योग विभाग एक उत्पाद का और पर्यटन विभाग एक पर्यटन स्थल का। यह पंचमुखी विकास मॉडल राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देता है और प्रत्येक जिले की विशिष्टता को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखता है।

स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने में पंच गौरव योजना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजस्थान के प्रत्येक जिले की अपनी विशिष्ट उपज, वनस्पति, खेल, हस्तशिल्प और पर्यटन स्थल हैं जो सदियों से उस जिले की पहचान बनकर रहे हैं। कोटा जिले का धनिया, खैर वृक्ष, कुश्ती, कोटा डोरिया और चंबल रिवर फ्रंट जैसे पंचगौरव इस जिले की विशिष्ट पहचान हैं। इन संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए योजना के तहत विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है जिसमें मार्केटिंग, ब्रांडिंग, ट्रेड शो और इंटरनेशनल एक्सपोजर शामिल हैं।

योजना के तहत प्रत्येक जिले के पंचगौरव को अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किए गए हैं। इनमें जिले की विशिष्ट उपजों को विदेशी देशों में मार्केट किया जाएगा, हस्तशिल्प उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो में प्रदर्शित किया जाएगा और पर्यटन स्थलों को विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाया जाएगा। इससे राजस्थान के स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान मिलेगी और राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी।

रोजगार सृजन में पंच गौरव योजना का महत्व अत्यंत विशिष्ट है। प्रत्येक जिले के पंचगौरव के विकास से कृषि, वन, खेल, उद्योग और पर्यटन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर प्रदान करना है। कृषि विभाग द्वारा चुने गए उपज के विकास से किसानों को नई तकनीक और मार्केटिंग के अवसर मिलेंगे जिससे उनके उत्पादन और बिक्री में वृद्धि होगी। वन विभाग द्वारा चुने गए प्रजाति के संरक्षण और विकास से वन क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। खेल विभाग द्वारा चुने गए खेल के विकास से युवाओं को खेल क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। उद्योग विभाग द्वारा चुने गए उत्पाद के विकास से स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और नए रोजगार के अवसर मिलेंगे। पर्यटन विभाग द्वारा चुने गए पर्यटन स्थल के विकास से पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के माध्यम मिलेंगे।

> **पंच गौरव योजना का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। इस योजना के तहत प्रत्येक जिले के पंचगौरव का विकास होगा और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखा जाएगा। इससे राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य आत्मनिर्भर बन जाएगा।**

योजना के तहत युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए स्वर्ण अवसर प्रदान किए गए हैं। युवाओं को खेल क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे और उन्हें खेल प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अवसर दिए जाएंगे। किसानों को नई कृषि तकनीक और मार्केटिंग के अवसर मिलेंगे जिससे उनके उत्पादन और बिक्री में वृद्धि होगी। महिलाओं को हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों के विकास में रोजगार के अवसर मिलेंगे और उन्हें स्वरोजार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

''स्वदेशी, स्थानीय और आत्मनिर्भर'' की भावना को ठोस आधार प्रदान करने में पंच गौरव योजना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह योजना स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके स्थानीय उत्पादों को विकसित करने और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखने पर केंद्रित है। इससे राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और राज्य आत्मनिर्भर बन जाएगा। योजना के तहत स्थानीय उत्पादों को ब्रांडिंग और मार्केटिंग के अवसर दिए जाएंगे जिससे उनकी बिक्री में वृद्धि होगी और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान देने में पंच गौरव योजना की भूमिका अत्यंत विशिष्ट है। यह योजना राज्य की विशिष्टता को राष्ट्रीय और वैश्लिक मंच पर रखती है और राज्य को विकास के नए केंद्र के रूप में स्थापित करती है। प्रत्येक जिले के पंचगौरव को अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किए गए हैं जिससे राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान मिलेगा।

योजना के तहत राज्य की विशिष्ट उपजों, हस्तशिल्प उत्पादों और पर्यटन स्थलों को विदेशी देशों में मार्केट किया जाएगा जिससे राजस्थान को वैश्विक मंच पर पहचान मिलेगी। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी और राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान मिलेगा।

पंच गौरव योजना का कार्यान्वयन जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय समितियों द्वारा किया जाएगा। जिला स्तरीय समितियां प्रत्येक जिले के पंचगौरव का चयन और विकास कार्ययोजना बनाएंगी। राज्य स्तरीय समिति जिला स्तरीय प्रस्तावों और कार्ययोजनाओं का परीक्षण कर उन्हें अंतिम मंजूरी देगी। 8 सितंबर 2025 को राज्य स्तरीय समिति की बैठक हुई थी जिसमें जिला स्तरीय प्रस्तावों और कार्ययोजनाओं का परीक्षण कर उन्हें अंतिम मंजूरी दी गई थी।

योजना के कार्यान्वयन में विभिन्न विभागों का सहयोग आवश्यक है। कृषि विभाग एक उपज के विकास में, वन विभाग एक प्रजाति के संरक्षण और विकास में, खेल विभाग एक खेल के विकास में, उद्योग विभाग एक उत्पाद के विकास में और पर्यटन विभाग एक पर्यटन स्थल के विकास में सहयोग देंगे। यह पंचमुखी विकास मॉडल राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देता है।

पंच गौरव योजना का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। इस योजना के तहत प्रत्येक जिले के पंचगौरव का विकास होगा और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखा जाएगा। इससे राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य आत्मनिर्भर बन जाएगा। योजना के तहत युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए स्वर्ण अवसर प्रदान किए गए हैं जिससे राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा।

योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार ने विस्तृत कार्ययोजना बनाई है जिसमें मार्केटिंग, ब्रांडिंग, ट्रेड शो और इंटरनेशनल एक्सपोजर शामिल हैं। इससे राजस्थान के स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान मिलेगी और राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी। पंच गौरव योजना राजस्थान के विकास के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है। यह योजना स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने, रोजगार सृजन करने और राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

योजना के सफल कार्यान्वयन से राजस्थान की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के अवसर खुलेंगे, और राज्य आत्मनिर्भर बन जाएगा। यह योजना राजस्थान के विकास के नए मॉडल को प्रस्तुत करती है जो स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके स्थानीय उत्पादों को विकसित करने और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर रखने पर केंद्रित है।

पंच गौरव योजना राजस्थान के लिए एक नया अवसर है जो राज्य को विकास के नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। यह योजना स्थानीय संसाधनों को वैश्विक पहचान दिलाने, रोजगार सृजन करने और राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह योजना राजस्थान को भारत के मानचित्र में अलग स्थान देगी और राज्य को स्वदेशी, स्थानीय और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं आर्थिक सलाहकार

नए और सशक्त भारत का उदय

नरेन्द्र मोदी सरकार के ऐतिहासिक 12 वर्ष

डॉ. सतीश पूनियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में भारत ने एक विकसित, आत्मविश्वास से लबरेज और दुनिया की आंखों में आंखें डालकर बात करने वाले मजबूत राष्ट्र के रूप में पहचान कायम की है। भारत के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान की गाथाएं दुनिया की जुबान पर है। अब वह दौर नहीं रहा, जब आतंक फैलाने वाले मुल्क को देश में आतंकी घटनाओं में उसकी स्पष्ट संलिप्तता के बावजूद भी उसे दंडित करने के स्थान पर उसको डोजियर पर डोजियर सौंपा जाए, अब सीधी और स्पष्ट कार्रवाई होती है। यह सब संभव हुआ है एक कुशल, विजनरी और राष्ट्र प्रथम की भावना वाले नेतृत्व के कारण।

मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार यह जानती थी कि दुनिया के सामने खड़ा होना है तो हमें पहले आर्थिक ताकत बनना होगा। भारतीय नागरिकों को आर्थिक और सामाजिक तौर पर सशक्त करना होगा। पिछले बारह वर्षों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था और देश के नागरिकों को सशक्त करने का काम किया है। इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में जब पूरी दुनिया मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध की आग से झुलस रही है, उस दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था 7.7 की उत्साहजनक वार्षिक वृद्धि दर से आगे बढ़ रही है। ये आंकड़े ही साफ संकेत देते हैं कि देश के नागरिकों और दुनिया के निवेशकों का भरोसा मोदी सरकार पर लगातार बना हुआ है। वर्ष 2014 में देश की बागडोर संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास मूलमंत्र के साथ काम आरंभ किया। इसका परिणाम आज देश के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं ने देश के सामाजिक और आर्थिक भूगोल को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। एक वक्त था जब लोग बैंक में खाता खुलवाने में हिचकते थे। लेकिन जनधन योजना ने देश के पूरे माइंड सैटअप को बदल दिया। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकों को खुद लोगों तक पहुंचा दिया। कभी देश की आधी से अधिक आबादी औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से कटी हुई थी। मोदी सरकार ने इस खाई को पाटने के लिए मिशन मोड में काम किया और आज 58 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में आज की तारीख तक तीन लाख करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं को एक विजन दिया। उन्होंने युवाओं से रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनने का आव्हान किया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से उनको सपनों को पंख दिये। उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा किया। आज गांवों शहरों में मुद्रा योजना के माध्यम से हजारों लाखों की संख्या में युवक और युवतियां स्वरोजगार के माध्यम हजारों हाथों को काम दे रहे हैं। आंकड़े खुद इस योजना की सफलता की गवाही देते हैं। योजना की शुरुआत से लेकर अब तक 57 करोड़ से अधिक मुद्रा ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे छोटे उद्यमियों के हाथों में सौंपी गई है। इसमें लगभग 68 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं और समाज के पिछड़े तबके से हैं। महंगी दवाओं और ईलाज को आसान बनाते हुए मोदी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा को बिलकुल किफायती बना दिया गया है। देशभर में खुले हज़ारों जन औषधि केंद्रों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं बाज़ार मूल्य से पचास से नब्बे प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में कनेक्टिविटी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मोदी सरकार ने पिछले बारह वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की गति और कवरेज में क्रांतिकारी बदलाव किया है। इन वर्षों में ग्रामीण कनेक्टिविटी को अभूतपूर्व गति देते हुए सात लाख किलोमीटर से अधिक लंबी ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है। इसका असर यह हुआ है कि इन बारहमासी सड़कों ने न केवल किसानों की फसलों को मंडियों तक आसानी से पहुँचाया है, बल्कि ग्रामीण अंचलों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को भी सुलभ किया है।

जल जीवन मिशन के माध्यम से महिलाओं सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से जल जीवन मिशन की घोषणा की और इसे एक जन-आंदोलन बना दिया। ग्रामीण इलाकों में पाइप से पानी का दायरा आज बढ़कर पंद्रह करोड़ से अधिक घरों तक पहुंच चुका है। इस योजना ने ग्रामीण भारत, विशेषकर महिलाओं को पानी से होने वाली गंभीर बीमारियों से मुक्ति दी है।

महिला सशक्तिकरण के साथ यह योजना ईज ऑफ लिविंग का एक बेहतरीन उदाहरण है। कोविड महामारी के दौरान जब पूरी दुनिया थम गई थी। लोग घरों में कैद हो गए थे। लोगों के सामने भूखो मरने की नौबत आ गई थी, उस दौर में मोदी सरकार ने सुनिश्चित किया कि देश का कोई भी गरीब परिवार भूखा न सोए। सौभाग्य से उस वक्त राजस्थान प्रदेश का भाजपा अध्यक्ष होने के नाते हमने प्रधानमंत्रीजी के निर्देशन में प्रदेश में यह सुनिश्चित किया कि पार्टी की तरफ से लोगों तक अधिक से अधिक सहायता पहुंचायी जाए। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त राशन की यह व्यवस्था आज भी अनवरत जारी है। देश के 81 करोड़ से अधिक नागरिकों को हर महीने मुफ्त खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है।

हर सर पर छत के मिशन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अब तक चार करोड़ से अधिक पक्के घरों का निर्माण किया गया और उन्हें गरीब और बेघर परिवारों को सौंपा जा चुका है। हाल ही में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए योजना के अगले चरण को भी मंजूरी दे दी गई है। इसी तरह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से विभिन्न केंद्रीय योजनाओं का 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का फंड सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया यह पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। मोदी सरकार की कल्याणकारी नीतियों ने भारत से गरीबी उन्मूलन के कार्य को एक अभूतपूर्व गति दी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, आवास और स्वच्छता के मोर्चे पर चौतरफा सुधार के कारण पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी के जाल से बाहर आए हैं।

पाठकों को याद होगा कि 2014 से पहले स्वच्छता भारत की प्राथमिकताओं में कहीं पीछे छूट गई थी। लेकिन जब लाल किले से जब प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन का आव्हान किया। देशभर में रिकॉर्ड समय के भीतर 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया, जिससे ग्रामीण स्वच्छता का दायरा 2014 के 39 प्रतिशत से बढ़कर अब शत-प्रतिशत हो चुका है। यह केवल एक स्वच्छता अभियान नहीं था, बल्कि यह देश की करोड़ों महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और स्वास्थ्य से जुड़ा एक ऐतिहासिक सामाजिक सुधार आंदोलन था। देश के श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए मोदी सरकार ने ई-श्रम पोर्टल और विभिन्न पेंशन तथा बीमा योजनाओं के माध्यम से उनको संरक्षण देने की पहल की। आज देश के 31 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल हो चुके हैं। मोदी सरकार ने इन 12 वर्षों में देश की राजनीति के व्याकरण को बदल दिया है। 2014 से पहले की राजनीति महज जातिगत समीकरणों, तुष्टिकरण और वोटबैंक के इर्द-गिर्द घूमती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की राजनीति की एक नई संस्कृति विकसित की है। आज का भारत एक आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है, जो अपनी कमियों को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक पटल पर एक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ा चुका है।

–डॉ. सतीश पूनियां,
(हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद)

कैसे मिलें ईमानदार, संवेदनशील और जनहित को समर्पित प्रशासक?

राजेन्द्र भाणावत

आप कोई भी समाचार पत्र उठा लें, प्रशासन की संवेदनहीनता के समाचार निरंतरता के साथ प्रकाशित हो रहे हैं। प्रशासक चाहे वे किसी भी विभाग के क्यों न हों, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पुलिस, खान, कर, परिवहन आदि। इन सब विभागों के मुखिया अधिकांशतया आईएएस, आईपीएस, आरएएस, आरपीएस या अन्य अखिल भारतीय और राज्य सेवा के अधिकारी होते हैं। यदि सरकार के कामकाज में संवेदनशीलता लानी है, तो ईमानदार प्रशासकों और लोक सेवकों की संख्या को बढ़ाना होगा। इस हेतु सरकार को महत्वपूर्ण आवश्यक कदम उठाने होंगे। इनके बिना संवेदनशील और ईमानदार प्रशासन की कल्पना, कोरी कल्पना ही बनी रहेगी।

पहले लोक सेवकों कि चयन प्रक्रिया को ही लें। इसमें आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता है।संघ लोक सेवा आयोग या राज्य लोक सेवा आयोग की वर्तमान व्यवस्था, अभ्यर्थियों के विभिन्न विषयों से संबंधित जानकारी का ही आकलन करती है। यह सोच ही सही नहीं है कि भौतिकी, इतिहास, समाजशास्त्र या कानून जैसे विषयों में अच्छे अंक लाने वाला अच्छा अधिकारी सिद्ध होगा प्रीलिम्स और मैंस परीक्षा पार करने के बाद साक्षात्कार के दौरान भी 20 से 30 मिनट में किसी भी व्यक्ति के बारे में यह आकलन करना संभव नहीं हो सकता कि वह आने वाले 30-35 वर्षों तक किस प्रकार की मानसिकता के साथ काम करेगा? गत कुछ वर्षों से ऐसे संवेदनशील और ईमानदार अधिकारियों की संख्या निरंतर घटती जा रही है। कुछ दशक पूर्व तक संभवतया संवेदनशील अधिकारी मिल पाए थे, किंतु अब तो यह दुर्लभ सा हो गया है। विषय विशेषज्ञ और तकनीकी रूप से पारंगत अधिकारी की नीयत यदि अच्छी नहीं है तो वह कहीं अधिक नुकसान समाज को पहुंचा सकता है। आज हम ऐसा ही कुछ देख रहे हैं। आप किसी भी ऐसे व्यक्ति से बात करें जिसका किसी सरकारी विभाग से वास्ता पड़ा हो, तो उसकी धारणा भी लगभग ऐसी ही होगी।

चयन की सर्वाधिक उपयुक्त प्रणाली संभवतया सेना में अधिकारियों की भर्ती के लिए है। लगभग चार या पांच दिन तक अभ्यर्थियों को मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों की सतत निगरानी में रखा जाता है और उन्हें विभिन्न प्रकार की स्थितियों से गुजरना पड़ता है। बनावटी तौर पर, कोई व्यक्ति 15-20 मिनट तक तो स्वयं को संवेदनशील सिद्ध कर भी दे, किंतु चार-पांच दिन तक लगातार ऐसा कर पाना उसके लिए संभव नहीं होता और उसके व्यक्तित्व के वास्तविक गुण स्पष्टतया प्रकट हो जाते हैं। संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोगों को भी इस प्रकार की प्रणाली के आधार पर अपनी चयन प्रक्रिया को बिल्कुल बदलना होगा। प्रारंभ में इसे साक्षात्कार के स्तर पर लागू किया जा सकता है। बाद में इसे प्रीलिम्स और लिखित मुख्य परीक्षा के स्तर पर भी लागू किया जा सकता है। प्रश्न पत्र भी किसी विषय विशेष की जानकारी का मूल्यांकन करने के बजाय विभिन्न परिस्थितियों में उसका दृष्टिकोण क्या रहता है, उसका आकलन करने वाला हो सकता है। परिणामस्वरूप, कहीं अधिक उपयुक्त लोक सेवकों के चयन की संभावना रहेगी। किसी भी व्यक्ति को गणित, भौतिक शास्त्र, इतिहास या नागरिक शास्त्र में कितने अंक प्राप्त हुए, उससे यह निर्धारित नहीं होता कि कोई व्यक्ति जनहित के प्रति समर्पित प्रशासक सिद्ध होगा या नहीं। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या ऐसे अधिकारियों को मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधि पसंद करेंगे? यदि देश को संविधान के प्रति प्रतिबद्ध, निष्ठावान, ईमानदार अधिकारियों की वास्तव में आवश्यकता है तो ऐसे ही अधिकारियों का चयन होना चाहिए। अधिकारियों के लिए निर्धारित गुण केवल जनप्रतिनिधियों की सुविधा के अनुसार ही तय नहीं किए जा सकते। देश के 150 करोड़ लोगों के हित को सर्वोपरि रखने वाले और उनके प्रति संवेदनशीलता रखने वाले अधिकारी का कोई विकल्प नहीं हो सकता।

सही चयन के पश्चात प्रशिक्षण व्यवस्था में भी बहुत बदलाव करना होगा। मसूरी, हैदराबाद और जयपुर स्थित प्रशिक्षण संस्थाओं में वर्तमान की तरह केवल विषयों का सैद्धांतिक ज्ञान या जानकारी देने की अधिक आवश्यकता नहीं है। आजकल तकनीक के युग में किसी भी विषय की पूरी जानकारी, अधिकारी, अपने स्तर पर इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। उसे विषय वस्तु की जानकारी देना अथवा कानून के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देना, समय को व्यर्थ करना ही होगा। इसके बजाय उसे विख्यात प्रतिष्ठित, अनुभवी, संवेदनशील अधिकारियों के साथ खुले संवाद का अधिकतम अवसर देना चाहिए, जिससे वह ऐसे प्रशासकों की जीवन शैली और कार्य प्रणाली पर चर्चा करके उसे आत्मसात करने का प्रयास कर सके।

ऐसी बात नहीं है कि आज अच्छे प्रशासकों का नितांत अभाव हो। ऐसे प्रशासक और पुलिस अधिकारी एवं अन्य सेवाओं के अधिकारी अभी भी सेवा में उपलब्ध हैं या सेवा निवृत्त हैं, जो नवनियुक्त अधिकारियों के लिए रोल मॉडल का काम कर सकते हैं। बस करना यह है कि ऐसे अधिकारियों का चयन किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह और भेदभाव के बिना सही लोगों के द्वारा किया जाए। प्रशिक्षण के लिए प्रभावी तरीका, केस स्टडीज पर चर्चा करना है। केस स्टडीज जो वास्तविक हों और अच्छी तरह लिखी गई हों तो वे प्रशासकों में वांछित दक्षता विकसित करने के लिए काम आ सकती हैं। ऐसी केस स्टडीज को एकत्रित किया जाना चाहिए और उन पर किसी निष्णात प्रशिक्षक के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ चर्चा की जानी चाहिए। जब तक इस प्रकार का प्रशिक्षण केवल व्याख्यान आधारित रहेगा, तब तक उसका अधिक प्रभाव नहीं होगा। दुर्भाग्य से अधिकांश प्रशिक्षण संस्थानों में आजकल यही हो रहा है।

प्रशिक्षण में उन्हें आधुनिकतम तकनीक में पारंगत किया जा सकता है, किंतु उन्हें यह भी समझाया जाय कि तकनीक केवल साधन है, साध्य नहीं। सेना के प्रशिक्षण संस्थानों में श्रेष्ठतम व्यक्तियों को नियुक्त किया जाता है। जबकि राज्यों के प्रशिक्षण संस्थानों में अधिकांशतया अधिकारियों को, अपवादों को छोड़कर, बतौर सजा लगाया जाता है। वास्तव में यह सजा इन अधिकारियों के बजाय उन्हें अधिक मिलती है जो इस अवधि में वहां प्रशिक्षण के लिए आते हैं। राज्य के प्रशिक्षण संस्थानों में भी श्रेष्ठतम अधिकारियों को चयन के आधार पर, नियुक्त किया जाना आवश्यक है, ताकि वे प्रशिक्षणार्थियों में ऊर्जा और उत्साह का संचार कर सकें।

यह बात अधिकारियों के दिलों दिमाग में अच्छी तरह बिठाई जा सकती हैं कि उनकी प्रतिबद्धता केवल और केवल देश के लोगों के प्रति, संविधान के माध्यम से है। जिस स्टील फ्रेम की बात सरदार वल्लभभाई पटेल ने कही थी, उसकी आवश्यकता जितनी आज है, उतनी शायद पहले कभी नहीं थी। आज के अधिकारियों की रीढ़ की हड्डी बहुत लचीली हो गई है। लगता है स्टील में जंग लग गया है। देश के चाहे आईएएस अधिकारी हों या आईपीएस अधिकारी, सब जिस प्रकार सत्ता के बदलते ही अपना रंग बदल लेते हैं, उसे देखकर गिरगिट भी शरमा जाए।यह चिंता का विषय है। सत्ताधारी दल, प्रजातंत्र में बदलते रहेंगे, किंतु स्थाई सेवा में नियुक्त अधिकारियों, विशेष कर उच्च सेवा के अधिकारियों को, अपने कार्य करने के तरीके को इस प्रकार संवेदनशील और निष्पक्ष रखना होगा जैसी उनसे सरदार पटेल ने अपेक्षा की थी। तब ही, वे अपनी सेवा के प्रति एवं जनता के प्रति न्याय कर पाएंगे। एक और बड़ा कारण जो अधिकारियों को ईमानदारी और संवेदनशीलता के मार्ग से दूर करता है, वह है जवाब देही का नितांत अभाव। भ्रष्ट अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई एक-दो दिन की हेडलाइंस बनती है लेकिन कुछ समय बाद वही अधिकारी अपनी सेवा में पदोन्नित की सीढ़ियां चढ़ते हुए सर्वोच्च पदों तक चढ़ते हुए देखे गए हैं। जब किसी अधिकारी को भ्रष्ट तरीके अपनाने पर किसी प्रकार की तत्काल कड़ी सजा का डर नहीं होगा, तो विरले अधिकारी ही ईमानदारी की राह पर चलना पसंद करेंगे। आज यही त्रासदी सिविल सेवा के साथ में है। वे देखते हैं कि बेईमान अधिकारी, केवल चाटुकारिता के बल पर आगे बढ़ जाते हैं, जबकि जनता के प्रति समर्पित ईमानदार अधिकारी कई बार सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधियों के कोप के भाजन बन जाते हैं। संवेदनहीन और बेईमान अधिकारियों को सजा देने के लिए यदि कानूनी प्रक्रिया में संशोधन की भी आवश्यकता हो तो, उसे करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं करना चाहिए। एक बार जब सही प्रकार के अधिकारी मिल गए, तो फिर बहुत अधिक प्रयास करने की आवश्यकता नहीं होगी और जनता को उनकी अपेक्षा के अनुसार शासन व्यवस्था उपलब्ध हो पाएगी।

डेढ़ सौ करोड़ की जनसंख्या वाले देश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यदि उनकी प्रगति में कोई बाधा उत्पन्न होती है तो वह स्वार्थ अथवा दबाव के कारण होती है। हमने हाल ही में अभी, सीबीएसई और नीट की परीक्षा में देखा है कि किस प्रकार अपने व्यक्तिगत लोभ के लिए लोग लाखों युवाओं का भविष्य दाँव पर लगा देते हैं।

अब देश और अधिक प्रतीक्षा नहीं कर सकता। अब तत्काल इस विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि आप अधिकारी सही रूप से चयन तक नहीं कर सकते, तो फिर जनता के साथ तो अन्याय ही होगा। उच्च अधिकारियों के स्थानांतरण हेतु एक अलग से स्वतंत्र बोर्ड बनाया जाना चाहिए जो अधिकारियों को किसी भी पद पर काम करने के लिए न्यूनतम तीन साल का कार्यकाल दे।यदि निश्चित अवधि से पहले किसी का स्थानांतरण करना हो तो उसके लिए विशेष कारण अंकित करना अनिवार्य होना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में अधिकारियों को फुटबॉल की तरह एक से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने की परिपाटी हो गई है।

उपरोक्त कुछ सुझाव लेखक ने अपने दीर्घ प्रशासनिक अनुभव और अब सेवानिवृत्ति के बाद समाज के विभिन्न वर्गों से चर्चाओं के आधार पर दिए हैं। आशा है, लोक सेवा आयोग और सरकारें इस ओर गंभीरता से ध्यान देंगे ताकि देशवासियों को संवेदनशील और ईमानदार, जनहितकारी शासन मिल सके जिसके वे हकदार हैं।

–राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 12 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, अश्विनी नक्षत्र प्रातः 6:29 तक, अतिगंड योग रात्रि 9:26 तक, कौलव करण प्रातः 9:07 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 6:29 तक है। राजयोग प्रातः 6:29 से योग रात्रि 7:37 तक है। आज प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:19 तक, लाभ अमृत 7:19 से 10:44 तक, शुभ 12:27 से 2:09 तक, चर 5:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:17

मेष
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कारणों से भागदौड़ और मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

वृश्चिक
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यक्तिगत परेशानियां यथावत बनी रहेगी।

मकर
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

नकली खाद-बीज पर शिकंजा : कृषि मंत्री ने कानोता के हीरावाला की फैक्ट्री पर मारा छापा

रीको क्षेत्र में कार्रवाई से हड़कंप मचा, जब्त नमूने जांच के लिए भेजे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नकली खाद और बीज के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गुरुवार को जयपुर के कानोता क्षेत्र स्थित हीरावाला रीको औद्योगिक क्षेत्र में संचालित 'जयपुर बायो फर्टिलाइजर्स' इकाई पर औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। मंत्री के अचानक पहुंचने से फैक्ट्री संचालकों और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान जैविक उर्वरक निर्माण और भंडारण से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद कृषि विभाग ने नमूने जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

- मंत्री किरोड़ीलाल ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

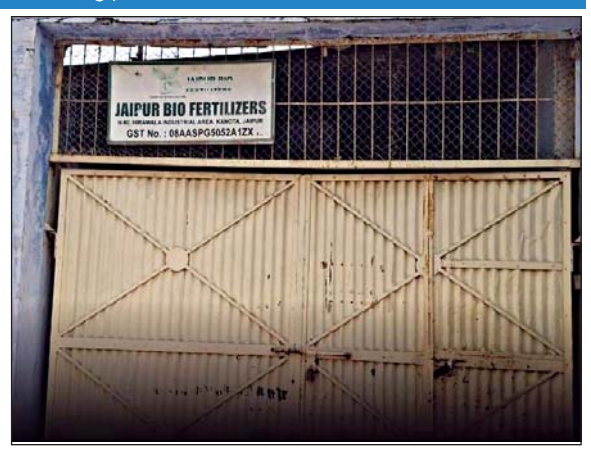

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गुरुवार को कानोता क्षेत्र स्थित हीरावाला रीको औद्योगिक क्षेत्र में संचालित 'जयपुर बायो फर्टिलाइजर्स' इकाई पर औचक निरीक्षण कर कार्रवाई की।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जैविक उर्वरक का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों के विपरीत किया जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार जैविक खाद में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों को सुरक्षित रखने के लिए निर्माण प्रक्रिया के दौरान तापमान लगभग 20 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए, लेकिन फैक्ट्री में खाद 45 डिग्री सेल्सियस तापमान पर तैयार की जा रही थी। अधिकारियों के अनुसार इतने अधिक तापमान पर लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं और उत्पाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

जांच में लेबलिंग से जुड़ा बड़ा फर्जीवाड़ा भी सामने आया। दानेदार जैविक उर्वरक की सामान्य शेल्फ लाइफ छह माह होती है, जबकि उत्पाद के पैकेटों पर 24 माह तक उपयोग योग्य होने का उल्लेख किया गया था। इसके अलावा कच्चे माल के भंडारण और रख-रखाव में भी गंभीर लापरवाही पाई गई। गोदाम में रखे कच्चे माल पर पहचान संबंधी आवश्यक लेबल नहीं लगे थे, जो उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की धारा 19 का उल्लंघन माना गया है।मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने स्वयं फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण किया और कई सीलबंद कट्टों को खुलवाकर खाद की गुणवत्ता की जांच की। विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न उत्पादों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए सरकारी प्रयोगशाला भेज दिए हैं। साथ ही फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में मौजूद खाद और बीज के स्टॉक की भी जांच की जा रही है।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नकली खाद और घटिया बीज बेचने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं की मेहनत की कमाई से धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ा जाएगा।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यदि नमूने अमानक या नकली पाए गए तो संबंधित फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ-साथ लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।उल्लेखनीय है कि डॉ. किरोड़ी लाल मीणा इससे पहले भी सीकर के रीको क्षेत्र स्थित श्री बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज, जोधपुर की विभिन्न खाद-बीज निर्माण इकाइयों तथा बोरानाडा स्थित बालाजी मूंगफली फैक्ट्री सहित कई प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण और छापामार कार्रवाई कर चुके हैं। कृषि विभाग का कहना है कि प्रदेशभर में गुणवत्तापूर्ण खाद और बीज उपलब्ध कराने तथा नकली कृषि उत्पादों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से औद्योगिक विकास फास्ट्रैक पर

सीकर, रींगस, फुलेरा, ब्यावर और सिरोही से गुजर रहे कॉरिडोर से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिल रही नई गति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के माध्यम से देश-प्रदेश में औद्योगिक विकास तेजी से फास्ट्रेक पर दौड़ हो रहा है। कॉरिडोर में विशेषकर रेल-पर-ट्रक की सेवा से माल का आवागमन अधिक तेज और सुगम बना है। जवाहर लाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी तक फैले इस वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की लम्बाई 1506 किमी. एवं लागत 1.24 लाख हजार करोड़ रुपये से अधिक है। कॉरिडोर का लगभग 39 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान से होकर गुजरता है। यह कॉरिडोर राजस्थान को भारत के उत्तरी एवं पश्चिमी बाजारों तक बेहतर संपर्क प्रदान करता है। कॉरिडोर के अंतर्गत जेएनपीटी से न्यू सफाले (वेतरणा) सेक्शन पर हाल ही में सफलतापूर्वक ट्रायल रन हो चुका है। इस कॉरिडोर का काम पूर्ण हो चुका है। कई सेक्शन में माल परिवहन पहले से ही प्रारंभ है।

- राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच से लोकल बनेगा ग्लोबल
- जेएनपीटी से दादरी तक 1506 किमी. तक फैला कॉरिडोर, 1.24 लाख करोड़ रुपये की लागत से तैयार
- कॉरिडोर का लगभग 39 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान में, उत्तरी-पश्चिमी बाजारों तक बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध

यह कॉरिडोर राजस्थान के सीकर, रींगस, फुलेरा, ब्यावर, सिरोही से होकर गुजर रहा है। जिससे इन जिलों के साथ-साथ अन्य स्थानों के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। हाल ही में अजमेर के सराधना में नए गतिशक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन हुआ है। इस टर्मिनल में आधुनिक कार्गो हैंडलिंग अवसंरचना, वेयरहाउसिंग सुविधाएं तथा निर्बाध मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई है, जिससे उद्योगों एवं व्यापारियों के लिए माल परिवहन अधिक तेज, सुरक्षित एवं किफायती होगा। यह टर्मिनल प्रति माह लगभग 40 रेक (लगभग 1.5 मिलियन टन प्रति वर्ष) कार्गो हैंडल करने में सक्षम होगा, जिसमें मार्बल, ग्रेनाइट, खनिज तथा अन्य वस्तुएं शामिल हैं। यानि किशनगढ़ के मार्बल को कॉरिडोर के उच्च गति माल परिवहन नेटवर्क के माध्यम से जेएनपीटी, पीपावाव एवं मुंद्रा बंदरगाहों तक पहुंचाया जाएगा। इससे लोकल फॉर ग्लोबल का संकल्प साकार होगा।

यह कॉरिडोर लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ ही माल परिवहन को तेजी से बढ़ाने की दीर्घकालिक पहल है। सामान्य कॉरिडोर की तुलना में 66 प्रतिशत वृद्धि के साथ इस कॉरिडोर की ऊंचाई 7.1 मीटर और 14 प्रतिशत वृद्धि के साथ चौड़ाई 3660 एमएम रखी गई है। ट्रेन की लम्बाई 1500 मीटर है, जबकि सामान्य कॉरिडोर में 700 मीटर ही होती है। वहीं, डबल कन्टेनर स्टेक और 2.4 प्रतिशत ट्रेन लोड की क्षमता भी इस कॉरिडोर में उपलब्ध है। इस कॉरिडोर में ट्रेन की रफ्तार भी औसतन 25 किमी. से बढ़ाकर 65 किमी. प्रति घण्टे की गई है। उल्लेखनीय है कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसमें पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के अंतर्गत दादरी से जीएनपीटी एवं पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तहत लुधियाना से डंकुनी तक जोड़ा गया है। यह परियोजना देश का लगभग 70 प्रतिशत माल परिवहन करने के उद्देश्य से बनाई गई है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के दोनों तरफ 150 किलोमीटर का प्रभाव क्षेत्र दिल्ली-मुम्बई इण्डस्ट्रीयल कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत खुशखेड़ा-भिवाड़ी-नीमराना निवेश क्षेत्र और जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं।

सतीश पूनियां, अलका सिंह और नीरज डांगी बने निर्विरोध राज्यसभा सांसद

18 जून को प्रस्तावित मतदान की नहीं पड़ी जरूरत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान से राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के तहत तीनों प्रत्याशी गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिए गए। भारतीय जनता पार्टी के डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका सिंह तथा कांग्रेस के नीरज डांगी को विधानसभा परिसर में निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

- विधानसभा में तीनों नेताओं को निर्वाचित प्रमाण पत्र सौंपे गए

राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीटों पर डॉ. सतीश पूनिया, डॉ. अल्का सिंह व नीरज डांगी चुने गये।

राज्यसभा चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर एवं विधानसभा सचिव भारत भूषण शर्मा ने नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद तीनों प्रत्याशियों के निर्वाचित होने की औपचारिक घोषणा की।

राजस्थान की तीन राज्यसभा सीटों के लिए केवल तीन उम्मीदवार मैदान में थे, जिसके चलते मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 18 जून को मतदान होना था, लेकिन सभी प्रत्याशियों के निर्विरोध चुने जाने से चुनाव प्रक्रिया पहले ही पूर्ण हो गई। इन सीटों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा था, उससे पहले ही नए सदस्यों का निर्वाचन संपन्न कर लिया गया। नव निर्वाचित सांसदों का कार्यकाल जून 2032 तक रहेगा।

राज्यसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों की संख्या अब भी भाजपा और कांग्रेस के बीच बराबरी पर बनी हुई है। राजस्थान से राज्यसभा में भाजपा के मदन राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी, चुन्नीलाल गरासिया, डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका सिंह सदस्य होंगे, जबकि कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी, मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रमोद तिवारी और नीरज डांगी राज्यसभा में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में राज्यसभा चुनावों के दौरान कड़े मुकाबले के चलते राजनीतिक दलों को अपने विधायकों की बाड़ेबंदी करनी पड़ती थी, लेकिन इस बार विधानसभा में संख्या बल के आधार पर दो सीटों पर भाजपा और एक सीट पर कांग्रेस की जीत पहले से तय मानी जा रही थी। अब राजस्थान में अगला राज्यसभा चुनाव जून 2028 में होगा, जब चार सीटों पर निर्वाचन कराया जाएगा। उस समय कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक, प्रमोद तिवारी तथा भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी का कार्यकाल समाप्त होगा।

आबकारी विभाग के पुनर्गठन आदेश पर अंतरिम रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने आबकारी विभाग के पुनर्गठन और आबकारी प्रवर्तन एवं निरोधक बल के गठन से जुड़े राज्य सरकार के गत एक जून के आदेशों की क्रियांविति पर आगामी आदेशों तक रोक लगा दी है। वहीं राज्य सरकार सहित अन्य पक्षकारों से जवाब देने के लिए कहा है। अवकाशकालीन जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली ने यह निर्देश राजस्थान आबाकारी सेवा संघ की याचिका पर दिया।

हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि यदि नए सेवा नियम बनाए बिना नई प्रशासनिक व्यवस्था लागू होती है तो इससे उन कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं, जो मौजूदा नियमों के तहत पदों पर कार्यरत हैं।

कोर्ट ने यह भी माना कि ऐसी स्थिति में वरिष्ठता, पदोन्नति और भर्ती से जुड़े कई जटिल विवाद पैदा हो सकते हैं। इससे न केवल कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित होंगे बल्कि विभाग में अनावश्यक कानूनी विवाद भी बढ़ सकते हैं।

रेल मंत्री के कार्यक्रम में तीन बार गुल हुई बिजली

13 मिनट अंधेरे में बोले अश्विनी वैष्णव

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के मीडिया संवाद कार्यक्रम के दौरान बिजली व्यवस्था चर्चा का विषय बन गई। कार्यक्रम के बीच तीन बार बिजली गुल हुई, जिससे मीडिया हॉल में अंधेरा छा गया। एक बार बिजली करीब 13 मिनट तक नहीं आई, जिसके चलते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अंधेरे में ही पत्रकारों को संबोधित किया। उस समय राज्य के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मंच पर मौजूद थे, लेकिन कुछ देर इंतजार के बाद वे हॉल से बाहर चले गए और बिजली बहाल होने पर वापस लौटे।

- भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मीडिया संवाद के दौरान बाधित हुई बिजली आपूर्ति
- ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर बीच में हॉल से बाहर निकले

बिजली कटौती के बीच आयोजित मीडिया संवाद में अश्विनी वैष्णव ने मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और राजस्थान में हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय राजस्थान को रेलवे के लिए केवल 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जबकि वर्तमान में यह बढ़कर 10,828 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 76 हजार करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न रेल परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

कार्यक्रम से पूर्व अश्विनी वैष्णव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। रेल मंत्री ने बताया कि राजस्थान के 85 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें जयपुर, गांधी नगर, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, कोटा, अजमेर और अलवर सहित कई प्रमुख स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद राजस्थान को 46 नई रेलगाड़ियां मिली हैं और अजमेर-जयपुर-दरभंगा रेल सेवा को नियमित रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही राज्य में कई रेल लाइन डबलिंग और नई रेल लाइन परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है।अश्विनी वैष्णव ने जयपुर के लिए पांच बड़ी सौगातों की घोषणा करते हुए कहा कि एमएनआईटी जयपुर में क्वांटम लैब, सेमीकंडक्टर लैब और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) लैब स्थापित की जाएंगी।

इसके अलावा जयपुर में अत्याधुनिक एआई डेटा सेंटर और मेडिकल हब भी विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं प्रदेश में निवेश, रोजगार और तकनीकी विकास के नए अवसर पैदा करेंगी तथा विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेंगी।

बलात्कार के झूठे मुकदमे से 3 करोड़ की रंगदारी मांगी

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के दक्षिण जिले की पुलिस ने हनीट्रैप और झूठे मुकदमों के जरिए लोगों को ब्लैकमेल करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर बलात्कार का झूठा मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी देकर परिवादी और उसके परिवार से 3 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का आरोप है। गिरोह ने पीड़ित का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे बंधक बनाया और ब्लैकमेलिंग का खेल चला रखा था।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रवि कुमार टांक (25) निवासी मदनबाड़ी, हरमाड़ा तथा एक महिला शामिल है। जांच में सामने आया कि रवि टांक ने महिला को नया मकान और रोजगार दिलाने का झांसा देकर अपने साथ मिला लिया। इसके बाद दोनों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर हनीट्रैप की साजिश रची।

पुलिस के अनुसार आरोपी महिला ने योजनाबद्ध तरीके से परिवादी को अपने जाल में फंसाया। इसके बाद गिरोह ने दोनों का आपत्तिजनक वीडियो तैयार कर लिया। वीडियो के आधार पर परिवादी को बदनाम करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया गया।आरोपियों ने पहले परिवादी के परिवार से 3 करोड़ रुपए की मांग की। बाद में पीड़ित को सुनसान स्थान पर ले जाकर बंधक बनाया गया और उससे परिजनों को फोन कर तत्काल 2 लाख रुपए मंगवाए गए। जब परिवादी ने रकम देने से इनकार किया तो दबाव बनाने के लिए उसके खिलाफ बलात्कार का झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी रवि टांक के खिलाफ पहले भी हरमाड़ा थाने में आपराधिक मामला दर्ज है। इस प्रकरण में शामिल गिरोह के अन्य सदस्य दिलखुश उर्फ विलेन और अर्जुन हरिजन फिलहाल फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि जयपुर दक्षिण जिले में 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच जांच में 654 मामले झूठे पाए गए हैं। इनमें से 86 मामलों में झूठी एफआईआर दर्ज कराने वाले परिवादियों के खिलाफ धारा 217/248 बीएनएस के तहत न्यायालय में इस्तगासे पेश किए जा चुके हैं, जबकि अन्य मामलों में कानूनी कार्रवाई प्रक्रिया में है।

प्रदेश की ग्राम पंचायतों में आज से लगेंगे 'ग्रामीण सेवा शिविर'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए आमजन की समस्याओं के मौके पर त्वरित समाधान के निर्देश

जयपुर । मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशा एवं निर्देशों की अनुपालना में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को राज्य सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी एवं फ्लैगशिप योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाने के लिए 12 जून से 15 जुलाई तक "ग्रामीण सेवा शिविर-2026" का आयोजन किया जाएगा। महा-अभियान के तहत राजस्व विभाग के अतिरिक्त 21 अन्य महत्वपूर्ण विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। शिविरों का समय सप्ताह के कार्य दिवसों में प्रातः 9:30 बजे से सायं 6 बजे तक (अथवा कार्य समाप्ति तक) रहेगा। मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशानुसार शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक का कार्य उसी दिन पूर्ण करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। यदि सायं 06:00 बजे तक कुछ कार्य अपूर्ण या लंबित रहते हैं, तो विभागवार उनकी सूची संधारित की जाकर समयबद्ध रूप से निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर की शुरुआत से समाप्ति तक सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

- 22 प्रमुख विभागों की सहभागिता से नागरिकों को मौके पर ही मिलेगा योजनाओं का लाभ
- प्रातः 9:30 से सायं 6 बजे तक रहेगा समय, लंबित कार्यों का समयबद्ध निस्तारण होगा सुनिश्चित

ग्रामीण सेवा शिविर में राजस्व विभाग को अभियान का नोडल विभाग बनाया गया है। विभाग द्वारा राजस्व अभिलेखों एवं खातों का शुद्धिकरण, खातों का विभाजन, रास्तों संबंधी प्रकरणों का निस्तारण, नामांतरण (म्यूटेशन), सरकारी एवं चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने, भूमिहीन किसानों को भूमि आवंटन, खातेदारी अधिकार प्रदान करने, सीमाज्ञान, आबादी विस्तार एवं विभिन्न प्रकार के प्रमाण-पत्र जारी करने की कार्यवाही की जाएगी। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वीबी-जी राम जी योजना का प्रचार-प्रसार एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा। तथा स्वयं सहायता समूहों के गठन,बैंक खाता खुलवाना और बैंक लिंकेज की प्रक्रिया को गति देगा। पंचायती राज विभाग स्वच्छता संबंधी कार्यों, आईएचएचएल की स्वीकृतियां,विमुक्त घुमन्तु एवं अद्धघुमन्तु श्रेणी के परिवारों को पट्टा वितरण, भूखण्ड आवंटन तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी करने की सेवाएं उपलब्ध कराएगा। वन विभाग द्वारा वन भूमि संबंधी प्रकरणों का निस्तारण एवं पौधों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग मातृ-शिशु स्वास्थ्य जांच, कैंसर एवं सिकल सेल स्क्रीनिंग, टीबी जांच, टीकाकरण तथा आयुष्मान भारत कार्ड वितरण करेगा। पशुपालन विभाग द्वारा पशु स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण एवं मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत बीमा पॉलिसियां वितरित की जाएगी। ग्रामीण सेवा शिविर में ऊर्जा विभाग द्वारा विद्युत सप्लाई,ट्रांसफार्मर एवं बिजली संबंधी शिकायतों का समाधान किया जाएगा। जबकि कृषि विभाग किसानों को विभिन्न योजनाओं एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी उपलब्ध कराएगा। आयोजना विभाग जनधन खाते, सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं, अटल पेंशन योजना एवं जनआधार से जुड़े कार्य करेगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग एनएफएसए से संबंधित लंबित प्रकरणों, ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग का निस्तारण करेगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग पेंशन सत्यापन, पालनहार योजना, यूडीआईडी कार्ड, कृत्रिम अंग वितरण एवं मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से संबंधित कार्य किए जाएंगे।शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग लाडो प्रोत्साहन योजना, काली बाई भील सम्बल उड़ान योजना, पन्नाधाय सुरक्षा एवं समान केन्द्र,मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह अनुदान योजना,वन स्टॉप सेन्टर,महिला हेल्पलाइन,शिक्षा सेतु,मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजनाओं का लाभ पात्र महिलाओं तक पहुंचाएगा।

जवाब मांगा

जयपुर । हाईकोर्ट ने ग्राम विकास अधिकारी के तौर पर कार्यरत रहे कर्मचारी को दिए गए वेतनमान और ग्रेड पे परिलाम की वसूली करने पर प्रमुख पंचायती राज सचिव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कोटा और पेंशन निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश प्रेम प्रकाश नागर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

फर्जी एम.टेक. डिग्री लगाकर सरकारी नौकरी पाने वाला जलदाय विभाग का जेईएन दुर्गाशंकर मेनारिया गिरफ्तार

आरोपित ने आरपीएससी भर्ती में स्वयं को अधिक योग्य दिखाने के लिए एम.टेक. की कूटरचित डिग्री प्रस्तुत की थी

-कार्यालय संवाददाता -

जयपुर। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी शैक्षिणक दस्तावेजों के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के एक मामले का पर्दाफाश करते हुए जलदाय विभाग के एक जूनियर इंजीनियर (जेईएन) को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने आरपीएससी भर्ती में स्वयं को अधिक योग्य दिखाने के लिए एम.टेक. की कूटरचित डिग्री प्रस्तुत की थी। एसओजी ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित दुर्गाशंकर मेनारिया उदयपुर जिले की भीण्डर तहसील के वाना गांव का निवासी है। वह वर्तमान में जलदाय विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर भीण्डर क्षेत्र में कार्यरत है।

जांच में सामने आया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर द्वारा वर्ष 2018-19 में समूह अनुदेशक, सर्वेयर एवं सहायक शिक्षिता सलाहकार ग्रेड-द्वितीय भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। इस भर्ती के लिए केवल स्नातक की योग्यता निर्धारित थी, लेकिन आरोपी ने स्वयं को अधिक योग्य साबित करने के उद्देश्य से अपने ऑनलाइन आवेदन के साथ मानव भारती विश्वविद्यालय, सोलन (हिमाचल प्रदेश) से वर्ष 2010 से 2012 के दौरान प्राप्त एम.टेक. (इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम) की डिग्री भी संलग्न कर दी।लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के बाद आरपीएससी ने उसका चयन कर लिया और दस्तावेज सत्यापन के लिए अभिलेख प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, जोधपुर को भेजे गए।

दुर्गाशंकर मेनारिया

दस्तावेजों की जांच के दौरान जब मानव भारती विश्वविद्यालय से एम.टेक. डिग्री का सत्यापन कराया गया तो विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया कि उक्त डिग्री आरोपी के नाम से कभी जारी ही नहीं की गई। जांच में डिग्री पूरी तरह फर्जी और कूटरचित पाई गई।

इसके बाद प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक ने एसओजी थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया, जिस पर कार्रवाई करते हुए एसओजी ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

एसओजी की पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी ने इसी कथित एम.टेक. डिग्री के आधार पर वर्ष 2015 से 2020 तक सिरोही जिले के पिंडवाड़ा स्थित माधव विश्वविद्यालय में सहायक तकनीकी अधिकारी के रूप में नौकरी की थी। वहां से प्राप्त अनुभव प्रमाण पत्र का उपयोग भी उसने अपनी योग्यता और अनुभव दर्शाने के लिए किया था।एसओजी अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी ने फर्जी एम.टेक. डिग्री किस माध्यम से प्राप्त की, इसमें किसी दलाल, विश्वविद्यालय कर्मचारी अथवा अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं रही। साथ ही आरोपी की बी.टेक. सहित अन्य शैक्षिणक योग्यता संबंधी प्रमाण पत्रों का भी सत्यापन कराया जा रहा है।एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और फर्जी डिग्री रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रीगंगानगर में पुलिस और पंजाब के गैंगस्टर के बीच मुठभेड़, बदमाश घायल

मुठभेड़ के दौरान सदर थाना के कांस्टेबल कैलाश जाखड़ बाल-बाल बच गए, एसपी मौके पर पहुंचे

- घायल गैंगस्टर शकील अंसारी को जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया, पुलिस जाब्ता तैनात किया
- शकील अंसारी पंजाब का कुख्यात गैंगस्टर है और श्रीगंगानगर में अपराधिक गतिविधियां करने का प्लान बना रहा था

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस और पंजाब के गैंगस्टर के बीच में मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में गैंगस्टर को पैर में गोली लगी है। गैंगस्टर ने पुलिस पर फायरिंग की थी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घटना 17 एमएल पठानवाला के पास सदर थाना क्षेत्र में हुई। हार्डकोर गैंगस्टर की पहचान शकील अंसारी के रूप में हुई है, जो पंजाब का रहने वाला है। गैंगस्टर को जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी अनुसार एजीटीएफ और सीआई रामविलास बिश्नोई के इनपुट पर पुलिस ने गैंगस्टर के श्रीगंगानगर पहुंचने की सूचना पर पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी थी। एसपी हरिशंकर के सीधे निर्देश पर सदर सीआई सुभाष ढील की टीम ने नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। क्रॉस फायरिंग में शकील अंसारी घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान सदर थाना के कांस्टेबल कैलाश जाखड़ बाल-बाल बच गए। टीम में शामिल अन्य जवान मनफूल, सलीम, राधेश्याम और रघुवीर भी मौके पर डटे रहे। बदमाश श्रीगंगानगर में फायरिंग की वारदात को अंजाम देने आया था, जिसे पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। घटना के बाद श्रीगंगानगर एसपी हरीशंकर सहित सभी थानाधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल और जिला अस्पताल दोनों जगह भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एसपी हरिशंकर के कार्यभार संभालने के बाद गैंगस्टरों के साथ यह तीसरी पुलिस मुठभेड़ है। पुलिस के अनुसार शकील अंसारी पंजाब का कुख्यात गैंगस्टर है और श्रीगंगानगर में अपराधिक गतिविधियां करने का प्लान बना रहा था। आगे की जांच चल रही है।

हनुमानगढ़ में तापमान 45 डिग्री पहुंचा, गर्मी से नहीं मिल रही राहत

मौसम विभाग ने 13 से 15 जून के बीच जिले में गर्जना के साथ बारिश की संभावना जताई

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में भीषण गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दोपहर साढ़े चार बजे तक जिले का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सुबह से तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित रहा, जिससे सड़कों पर आवाजाही और बाजारों में चहल-पहल कम दिखाई दी। रात के समय भी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि न्यूनतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान और उमस के कारण गर्मी का असर अधिक महसूस हो रहा है। दिनभर चलने वाली गर्म हवाओं के साथ उमस भी लोगों को परेशान कर रही है। डॉक्टरों ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की साप्ताहिक मौसम पूर्वानुमान रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाने के साथ कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की बारिश और धूलभरी आंधी चलने के आसार हैं। 12 जून को भी इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है।

मौसम विभाग ने बताया कि 13 जून से 15 जून के बीच जिले में गर्जना के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान कई स्थानों पर आंधी, बिजली चमकने और वर्षा होने की संभावना जताई गई है। लगातार मौसम परिवर्तन के कारण अधिकतम तापमान में भी गिरावट आने की उम्मीद है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर नजर रखने की सलाह दी है। वहीं, प्रशासन ने लोगों से पर्याप्त पानी पीने, धूप से बचाव करने और लू से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

नाबालिग से होटल में दुष्कर्म

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक किशोरी का अगवा कर होटल में दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने इस दौरान उसके फोटो लेने के साथ वीडियो भी बना लिया। अब फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल तथा परेशान किया जा रहा है। पीड़िता के परिजन की तरफ से पुलिस में रिपोर्ट दी गई है। आईटी एक्ट एवं पॉक्सो में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता की मां की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि आरोपी 2 जून की रात्रि के समय उसकी नाबालिग पुत्री को जान पहचान का फायदा उठाकर संपर्क किया और उसे एक होटल पर लेकर गया। जहां पर नशीला पदार्थ पिलाकर उससे दुष्कर्म किया। वहां पर उसने फोटो खींचने के साथ वीडियो भी बना लिये। फोटोज और वीडियो से वह उसकी पुत्री को ब्लैकमेल कर रहा है। उसे वायरल करने की धमकी दी जा रही है।

भैंसों के तबेले में छिपाकर रखी डेढ़ करोड़ की हेरोइन जब्त, एक गिरफ्तार

- दो फीट गहरा गड्ढा खोदकर ढाई लाख नगदी और आईफोन-16 सहित दो मोबाइल फोन भी बरामद किए
- पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी की टीम ने अनूपगढ़ के रावला थाना क्षेत्र के 365 हेड गांव में कार्रवाई की

अनूपगढ़, (निसं)। एक युवक ने भैंस के तबेले में गड्ढा खोदकर हेरोइन छिपा रखी थी। तबेले में करीब दो फीट गहरा गड्ढा खोदकर ढाई लाख नगदी और आईफोन-16 सहित दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। तबेले के ही दूसरे कोने में गड्ढे में हेरोइन भी छिपाई गई थी। गड्ढा खोदकर थैली निकाली गई, जिसमें दो पैकेट में करीब डेढ़ करोड़ कीमत की 300 ग्राम हेरोइन मिली।

मामला रावला थाना क्षेत्र के 365 हेड गांव में गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे का है। पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी की टीम गांव में पहुंची और अलग-अलग घरों की तलाशी ली। इस दौरान एक घर से हेरोइन और कैश बरामद किया गया है। फिलहाल, युवक को हिरासत में ले लिया गया है।

रायसिंहनगर एएसपी रामेश्वर लाल ने बताया कि भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी द्वारा संयुक्त गश्त के दौरान गांव 365 हेड में एक व्यक्ति के घर पर हेरोइन और भारी मात्रा में नकदी मिलने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी की टीम दोपहर करीब तीन बजे गांव में पहुंची और कई घरों की तलाशी ली। सुरक्षा एजेंसियों की टीम को देख एक युवक कुलदीप सिंह, एक महिला और एक-दो अन्य लोग घबरा गए। जब कुलदीप सिंह से हेरोइन के बारे में पूछा गया तो वो टालमटोल करने लग गया। कैश और मोबाइल फोन को पतीले में भरकर कट्टे में डाला गया था और कट्टे को दो फीट गहरे गड्ढा खोदकर छिपाया गया था।

उन्होंने बताया कि जब कुलदीप से थोड़ी सख्ताई से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि भैंसों के तबेले में जमीन के नीचे सामान दबाया हुआ है। मौके पर मौजूद बीएसएफ, पुलिस और सीआईडी के अधिकारियों ने भैंसों के तबले में जमीन को खुदवाना शुरू किया। युवक ने दो फीट गड्ढा खोदकर एक कट्टा निकाला, जिसमें एक पतीला निकाला। इसमें दो थैलियां रखी थी, एक पॉलीथीन में ढाई लाख रुपए कैश और दूसरी थैली में दो मोबाइल फोन छिपाए हुए थे। पहले पूछताछ में युवक ने ये नकदी और मोबाइल फोन सट्टे की कमाई से लाना बताया। हालांकि, सख्ताई से पूछताछ करने पर उसने मादक पदार्थों से कमाना कबूल कर लिया। युवक ने तबेले के ही दूसरे कोने में एक और थैली छिपाने की बात कबूल की, जिसमें हेरोइन भरी हुई थी। गड्ढा खोदकर थैली निकाली गई, जिसमें दो पैकेट में करीब डेढ़ करोड़ कीमत की 300 ग्राम हेरोइन मिली।

एडिशनल एसपी ने बताया कि मौके पर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अभी भी सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के बाद ही पूरे मामले का विस्तृत खुलासा हो पाएगा। पुलिस, बीएसएफ और सीआईडी के करीब 40 जवान गांव 365 हेड के अन्य स्थानों पर भी तलाशी ले रहे हैं। फिलहाल, बरामद सामान को जब्त कर लिया गया है और युवक कुलदीप को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अभी भी मौके पर सर्च अभियान चला रही है।

छह साल से फरार तस्कर जोधपुर में गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की लूणी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी में वांटेड चल रहे पांच हजार की इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2019 से फरार था। उसके खिलाफ चार प्रकरण जिनमें लूट, मारपीट और आगजनी के दर्ज हो रखे हैं। पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने उसके खिलाफ पांच हजार का इनाम घोषित कर रखा था।

लूणी थानाधिकारी हमीर सिंह ने बताया कि पुलिस आयुक्त शरत कविराज, डीसीपी वेस्ट कमल शेखावत के निर्देशानुसार प्रशिक्षु आरपीएस देवेंद्र सिंह के सुपरविजन में टीम का गठन किया गया। 14 नवंबर 2019 में मादक पदार्थ तस्करी का वांटेड बीबासर सदर झुंझुंनू निवासी सौरभ मीणा पुत्र सत्यवीर सिंह फरार चल रहा था। पुलिस उसकी छह साल से तलाश में लगी थी। पुलिस की गठित टीम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

खेतड़ी में डंपर की टक्कर से युवक की मौत

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा थाना क्षेत्र के गुरजवास स्थित देर शाम को डंपर ने राहगीर को टक्कर मार दी। इस दौरान हादसे में राहगीर की मौत हो गई। घटना के दौरान ग्रामीणों ने डंपर ड्राइवर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया और आक्रोश जताया।

एएसआई भोमाराम ने बताया कि गुजरवास निवासी मालाराम (71) रिछपालसिंह देर शाम को सड़क किनारे स्टैंड से अपने घर जा रहे थे। इस दौरान जब वह गांव के नजदीक पहुंचे तो पिछे से आए एक डंपर ने उनको टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मालाराम घायल हो गए। हादसे के दौरान आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायल मालाराम को उपचार के लिए नारनौल ले जाया गया। इस दौरान हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रैफर कर दिया कि रास्ते में उसकी मौत हो गई।

परिजन सुरेंद्र दायमा ने बताया कि मृतक मालाराम खेती का कार्य करता था। इनके तीन बेटे रामसिंह, हिरालाल व विक्रम है जो मजदूरी करते हैं। मृतक शाम को सड़क किनारे टहल कर अपने घर आ रहा था कि हादसे का शिकार हो गया। एएसआई भोमाराम ने बताया कि राजकीय उप जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है, परिजनों की ओर से दी जाने वाली रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्टेट जीएसटी ने जोधपुर के रिसॉर्ट के रिकार्ड खंगाले

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में स्टेट जीएसटी ने बड़ी कार्रवाई की। बुधवार को टीम ने शहर के 9 मिल क्षेत्र स्थित ओटीसी रिसॉर्ट पहुंची। 24 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारियों की टीम ने रेड डाली। इस दौरान टीम ने रिसॉर्ट का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन बिलिंग रिकॉर्ड और बाकी डाक्यूमेंट्स देखे। जानकारी के अनुसार टीम को टैक्स चोरी और इन्वेस्टमेंट संबंधी कई जानकारी मिली थी। इसी को लेकर बुधवार को स्टेट जीएसटी की टीम ओटीसी रिजॉर्ट पहुंची और यहां सारे बिल और बाकी डाक्यूमेंट्स खंगाले।

बताया जा रहा है कि 4 घंटे चली इस कार्रवाई में टीम ने कई रिकॉर्ड्स भी जब्त किए हैं। हालांकि इसे लेकर कोई अधिकारी बयान सामने नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि इस मामले को लेकर कई बड़े खुलसे हो सकते हैं।

जंगली जानवर ने पांच बकरियों का शिकार किया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र में जंगली जानवर का आतंक बरकरार है। जंगली जानवर ने लगातार दूसरे दिन अशोकनगर में शिकार की घटना को अंजाम देते हुए पांच बकरियों का शिकार कर लिया। अशोकनगर निवासी पशुपालक रामसिंह ने बताया कि रात्रि में बकरियों के बाड़े में घुसकर अज्ञात जंगली जानवर ने पांच बकरियों का शिकार कर लिया, जिससे पांचों बकरियों की मौत हो गई। जंगली जानवर द्वारा बकरियों की शिकारी सूचना मिलने पर ग्रामीण मनीराम कटारिया, रणवीर सिंह, कल्याण सिंह, प्रभु सिंह, धर्मपाल सिंह सहित दर्जनों ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की कि खेतड़ी बांशियाल वन्य जीव अभ्यारण में जंगली जानवर तो छोड़ दिए हैं, लेकिन उनकी चारदीवारी चार-चार फिट बनाई गई है तथा जंगल में पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में आ जाते हैं एवं मवेशियों का शिकार कर लेते हैं। वन विभाग ऐसी व्यवस्था करें कि जंगली जानवर आबादी क्षेत्र में नहीं आए तथा बकरी पालक को उचित मुआवजा दिया जाए।

डिग्गी में डूबने से किसान की मौत

बीदासर, (निसं)। कस्बे के निकट हरिनगर क्षेत्र में गुरुवार अलसुबह एक दर्दनाक हादसे में खेत की डिग्गी में गिरने से किसान की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हरिनगर निवासी परमेश्वर पुत्र घासीराम मेघवाल सुबह करीब चार बजे खेत में स्थित डिग्गी पर बूस्टर चालू करने गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में जा गिरे। डिग्गी में 20 फीट से अधिक पानी भरा हुआ था। काफी प्रयास के बावजूद वे बाहर नहीं निकल सके।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर तहसीलदार अमर सिंह, पुलिस जाब्ते सहित मौके पर पहुंचे। वहीं सुजानगढ़ से हारे का सहारा टीम के संयोजक श्याम सुंदर सोनी, गोताखोर नेमीचंद गुलेरिया, चांदरत्न गुलेरिया, हर्षरत्न गुलेरिया तथा एंबुलेंस चालक नवरत्न बिजारणिया मौके पर पहुंचे। गोताखोर चांदरत्न गुलेरिया ने रेस्क्यू अभियान चलाकर मात्र 10 मिनट से भी कम समय में गहराई में फंसे शव को बाहर निकाल लिया। इसके बाद शव को बीदासर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी।

कोटपूतली में अवैध हथियार सहित पांच जने गिरफ्त में

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देशी पिस्टल, देशी कट्टा व जिन्दा कारतूस बरामद किये।

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने अवैध फायर आर्म्स के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुये 1 देशी पिस्टल, 1 देशी कट्टा व 8 जिन्दा कारतूस सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं उनके कब्जे से फायर आर्म्स हथियारों के अतिरिक्त लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करने के उद्देश्य से तैयार करवाये हुये हथियार एवं अवैध हथियारों से लैस होकर घूमने में प्रयुक्त वाहन स्विफ्ट कार को जब्त किया गया हैं। इस सम्बंध में जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने प्रैस वार्ता कर जानकारी दी।

एसपी सिंह द्वारा अवैध फायर आर्म्स हथियार रखने वालों तथा खरीद फरोख्त करने वालों के खिलाफ अधिक से अधिक एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश पर थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों की चैकिंग करते हुये आरोपी संदीप पुत्र छीतरमल गुर्जर निवासी मुगलपुर थाना हरसौरा, हिमांशु पुत्र जगदीश गुर्जर निवासी बूटेरी थाना बानसूर, राहुल पुत्र सुरेश रावत निवासी मोहनपुर थाना नांगल चौधरी जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा), बिजेन्द्र पुत्र गिर्राज गुर्जर निवासी वार्ड नं. 5 भूड़ावाली, खैरथल व हर्ष पुत्र गिरधारीलाल दर्जी निवासी दुधवा थाना मेहाड़ा जिला झुंझुनू को अवैध हथियार सहित पकड़ कर उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपियों से जप्तशुदा अवैध हथियारों के सम्बंध में गहनता से अनुसंधान जारी है।

भारत-पाक सीमा से सटे रणजीतपुरा गांव में मोहर लगा सफेद कबूतर मिला

- कबूतर को सुरक्षित रूप से थाना परिसर में रखा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुई
- कबूतर के पंखों पर नीले रंग की मोहर लगी है, उस पर अंकित शब्द स्पष्ट नहीं पढ़े जा सके

बज्जू, (निसं)। भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे बज्जू उपखंड के रणजीतपुरा थाना क्षेत्र में एक सफेद कबूतर मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। कबूतर के पंखों पर नीले रंग की मोहर लगी है, हालांकि उस पर अंकित शब्द स्पष्ट नहीं पढ़े जा सके हैं।

जानकारी के अनुसार यह कबूतर रणजीतपुरा थाना क्षेत्र के चक 13 आरडीवाई-ए स्थित किसान रूपाराम लेघा के खेत में मिला। कबूतर सामान्य रूप से खेत और घर के आसपास घूमता दिखाई दिया। बाद में उसके पंखों पर नीले रंग की मोहर लगी होने का पता चलने पर किसान परिवार ने इसकी सूचना पुलिस को दी। किसान रामचन्द्र ने बताया कि कबूतर के पंखों पर नीली स्याही की मोहर दिखाई दी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल रणजीतपुरा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और कबूतर को अपने साथ थाना परिसर ले गए।

रणजीतपुरा थानाधिकारी सीआई लक्ष्मणसिंह राठौड़ ने बताया कि कबूतर को सुरक्षित रूप से थाना परिसर में रखा गया है। मामले की जानकारी जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय बीकानेर, बीएसएफ की जी ब्रांच तथा वन विभाग को दे दी गई है। फिलहाल क्षेत्र में किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं है और शांति बनी हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर निगरानी रखी जा रही है। गौरतलब है कि भारत-पाक सीमा से लगे क्षेत्रों में पूर्व में भी कई बार संदिग्ध परिस्थितियों में कबूतर, गुब्बारे और अन्य वस्तुएं मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू की जांच करती हैं। फिलहाल संबंधित विभाग कबूतर पर लगी मोहर और उसके स्रोत की जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं।

एटीएम कार्ड फंसने के बहाने महिला से 25 हजार की ठगी

- शातिर ठगों ने एटीएम कार्ड मशीन में फंसने के बहाने युवती के बैंक अकाउंट से तीन ट्रांजेक्शन के जरिए रकम निकाल ली

अलवर, (निसं)। अलवर में एटीएम से रुपये निकालने गई एक युवती के साथ शातिर ठगों ने 25 हजार रुपए की ठगी कर ली। शातिर ठगों ने एटीएम कार्ड मशीन में फंसने के बहाने युवती के बैंक अकाउंट से तीन ट्रांजेक्शन के जरिए रकम उड़ा ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आरोपी ने खुद को मददगार बताते हुए पीड़िता को मशीन पर लिखे कस्टमर केयर के नंबर पर बात करने के लिए कहा और उसके बाद युवती को गलत नंबर डलवाए। इस दौरान शातिर बदमाशों ने गलत पिन नंबर दर्ज करवाकर नए पिन नंबर चेंज करवा दिए। मामला मंगलवार रात आठ बजे का है। गुलाब नगर बख्तल की चौकी निवासी दीपक विधूड़ी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि नौ जून की शाम करीब आठ बजे वह नंगली सर्किल स्थित पीएनबी एटीएम से पैसे निकालने गई थी। इसी दौरान उसका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया। वहां मौजूद एक युवक ने एटीएम मशीन पर लिखे कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करने की सलाह दी। कॉल करते समय युवती को दूसरी तरफ खड़े शातिर युवक ने कस्टमर केयर के गलत नंबर दर्ज करवा दिए, जो उसके दोस्त के नंबर थे। इस दौरान कस्टमर केयर बनकर बात कर रहे दोस्त ने पिन नंबर डालने के लिए कहा। इस दौरान उसने पिन नंबर गलत बताकर चेंज करवा दिए। जिसके बाद बताए गए तरीके से प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद कार्ड बाहर नहीं निकला तो फोन करने वाले ने कहा कि कार्ड अब नहीं निकलेगा और अगले दिन आकर ले जाना। फिर पीड़िता वहां से चली गई। करीब आधे घंटे बाद पीड़िता के मोबाइल पर 9 हजार, 9 हजार और 7 हजार रुपए के तीन ट्रांजेक्शन के मैसेज आए। इस तरह उसके खाते से कुल 25 हजार रुपए अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर निकाल लिए। फिर पीड़िता ने पीएनबी बैंक में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, जहां से उसे पुलिस में एफआईआर कराने की सलाह दी गई। फिर पीड़िता ने बुधवार शाम को कोतवाली पुलिस ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

तस्कर ने नोखा थाने में सरेण्डर किया

नोखा, (निसं)। पुलिस ने एमडीएमए की खरीद-फरोख्त में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। नशा तस्करी में आरोपी की संलिप्तता देखते हुए छापेमारी की जा रही थी। इसे देखकर बुधवार शाम को आरोपी ने थाने में सरेंडर कर दिया।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान आनंद तेजी उर्फ पुली (20) पुत्र अशोक कुमार वाल्मीकि के रूप में हुई है। वह वार्ड संख्या 33, शिव मंदिर के पीछे, नवल हरिजन बस्ती, बीकानेर का निवासी है। वर्तमान में वो सुभाषपुरा माताजी मंदिर के पास, थाना सदर बीकानेर स्थित आरिफ अली के मकान में किराए पर रह रहा था। थानाधिकारी अरविंद कुमार भारद्वाज के निर्देशन में उप निरीक्षक कुशलाराम की टीम ने इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया।

पुलिस के प्रारंभिक जांच में आरोपी की एमडीएमए मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त और आपूर्ति श्रृंखला में संलिप्तता प्रथम दृष्टया प्रमाणित हुई। इसके बाद उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्रावधानों के तहत विधिवत गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब आरोपी से मादक पदार्थ के स्रोत, उसके सप्लाई नेटवर्क और इस कारोबार से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि जांच के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

जांच अधिकारी एसआई कुशलाराम ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार एक अन्य आरोपी से इसने खरीद फरोख्त की थी, नशा तस्करी में शामिल होने की आशंका देखते हुए गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी, बुधवार शाम को आरोपी ने थाने आकर सरेंडर कर दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सानिवि नगर खण्ड बीकानेर
क्रमांक-607 दिनांक-3/6/26
Notice Inviting Bid-: 03/2026-27
Bid for the "Various Civil Works" are invited from interested bidders from 03.06.2026 [09:30 AM] to 15.06.2026 [06:00 PM] & Open date 16.06.2026 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 194.63 Lakhs.
UBN No.- 1. PWD2627WSOB03892, 2. PWD2627WSOB03893, 3. PWD2627WSOB03894 4. PWD2627WSOB03895, 5. PWD2627WSOB03896, 6. PWD2627WSOB03897 7. PWD2627WSOB03898, 8. PWD2627WSOB03899, 9. PWD2627WSOB03902
Executive Engineer
DIPR/C/10001/2026 PWD City Division, Bikaner

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग, परियोजना खण्ड करौली मुख्यालय टोडाभीम
email: eeproj.kar.hed@rajasthan.gov.in, email: eecsnpkaroli@gmail.com
क्रमांक- अ.अ./जन स्वा./परि.ख.क/मु.टो./2026-27/840-48 दिनांक-05.06.2026
शुद्धि पत्र
इस कार्यालय के पत्रांक 736-44 दिनांक 01.06.2026 के द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 06/2026-27 को निविदा संख्या 09/2026-27 पढा जावें।
(रवि कुमार मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
परियोजना खण्ड करौली
मुख्यालय टोडाभीम
DIPR/C/10082/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर
क्रमांक- 971-83 **संशोधन पत्र** दिनांक-08.06.2026
NIB CODE WD2627A0594 and UBN is: PWD2627WSOB02683
NIB CODE WD2627A0594 and UBN is: PWD2627WSOB02688
इस कार्यालय के पत्रांक 731-746 दिनांक 18.05.2026 के द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 01/2026-27 जो दिनांक 26.05.2026 से 01.06.2026 सायं 6.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 02.06.2026 को खोली जानी थी को संशोधन पत्र क्रमांक 863-908 दिनांक 01.06.2026 के द्वारा निविदा 08.06.2026 को बेची जाकर दिनांक 09.06.2026 सायं 4.00 बजे खोले जाने की अवधि बढाई गयी थी। उक्त निविदा अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 18.06.2026 तक बेची जाकर दिनांक 19.06.2026 को सायं 04.00 बजे खोली जावेगी। निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।
(नरेश चन्द मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर
DIPR/C/10205/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत्त करौली
क्रमांक-1084 दिनांक-04.06.2026
निविदा सूचना संख्याः 04/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर जिला करौली में बजट घोषणा 2026-27 की सड़कों के निर्माण कार्य के लिए मय नियमानुसार मरम्मत एवं संधारण की अवधि लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 2 निर्माण कार्य हेतु जिनकी कुल राशि रूपये 245.91 लाख हैं, प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dir.rajasthan.gov.in व http://eroc.rajasthan.gov.in व http://spp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार UBN संख्या निम्नानुसार है।
NIB NO.: PWD2627A0927, PWD2627A0921
UBN NO.: PWD2627WSOB03995, PWD2627WSOB03962
(देवेन्द्र कुमार गुप्ता)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त-करौली
DIPR/C/10085/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
फोन नं. 0151-2201142 email-eemhbikaner@ymail.com
क्रमांक EE/M&H/BKN/2026-27/1190 दिनांक- 02.06.2026
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या-07/2026-27
निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 317.88 लाख के 06 उप स्वास्थ्य केन्द्र के कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dironline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO. 1. NRH2627WSOB00322, 2. NRH2627WSOB00323, 3. NRH2627WSOB00324, 4. NRH2627WSOB00325, 5. NRH2627WSOB00326, 6. NRH2627WSOB00327
(शिम्भू राम जाटव)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
DIPR/C/10043/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624, E-mail.: eephedscr@gmail.com
क्रमांकः अ.अ. / जन स्वा./ सॉ / निविदा/2026-27/571 दिनांकः- 05106/2026
निविदा सुचना संख्या - 05/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate Contract of repair Rewinding of Submersible Motor pump set and repair of Starter with lowering un-lowering Complete under division Sanchore
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 03 रु. 45.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	05.06.2026 से 18.06.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	19.06.2026 को 12.00 बजे से

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।
(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
खण्ड सॉचौर
DIPR/C/10210/2026

प्रताप नगर में निजी स्कूल संचालक ने सरकारी नाला तोड़कर सड़क पर किया 10 फीट का अवैध कब्जा

सेक्टर-17 स्थित बंसल स्कूल की बिल्डिंग के चारों तरफ पहले तो सड़क पर 10 फीट की दूरी में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाकर फुटपाथ बनाया और अब यहां तारबंदी करके कब्जा कर लिया गया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांगानेर क्षेत्र के प्रताप नगर सेक्टर-17 में "बंसल स्कूल" (पूर्व में जे.वी.पी. स्कूल) के संचालकों ने सरकारी नाले को तोड़कर उसमें मिट्टी का भराव करके यहां 10 फीट का अवैध फुटपाथ बनाकर सड़क पर कब्जा कर लिया। यह कारगुजारी करीब 4-5 वर्ष पहले हुई थी, उस समय नगर निगम की जगतपुरा जोन उपायुक्त ममता नागर ने स्कूल पर कार्रवाई करने के लिए सतर्कता उपायुक्त को भी पत्र लिखा था, परंतु इस प्रकरण में पिछले 4 वर्ष में कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब मानसून से पहले स्थानीय लोगों को पुन: नाला बंद होने के कारण जलभराव की चिंता सता रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि, बंसल पब्लिक स्कूल की बिल्डिंग की बाउंड्रीवाल से सटाकर सरकारी नाला है, जिसे वर्ष 2022 में खुर्द-बुर्द करके रातोंरात इसमें मिट्टी का भराव करके इंटरलॉकिंग टाइल्स का चबूतरा बना दिया। आम रास्ते की सड़क पर करीब 10 फीट तक पहले तो अवैध निर्माण किया और अब यहां तारबंदी करके पूरी तरह कब्जा भी कर लिया। अब यहां तक स्कूल की अवैध वाहन पार्किंग करवाई जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि 1 दिसंबर 2021 को स्थानीय कॉलोनीवायिों ने इस प्रकरण की शिकायत नगर निगम मुख्यालय में दर्ज करवायी थी और जगतपुरा जोन उपायुक्त ममता नागर को भी अवगत कराया। जोन स्तर पर शिकायत का सत्यापन करवाया गया तो अधिकारी भी हैरान रह गए कि, आखिर कोई निजी स्कूल कैसे सरकारी नाले को तोड़कर सड़क पर अवैध कब्जा कर सकता है। सरकारी जमीन पर इस अवैध कब्जे पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए जगतपुरा जोन उपायुक्त ममता नागर ने 22 मार्च 2022 को तत्कालीन सतर्कता उपायुक्त को पत्र लिखा। जिसमें उन्होंने साफ जिक्र किया कि, "वार्ड 115 में सेक्टर-17 स्थित जे.वी.पी. स्कूल के स्वामी द्वारा सरकारी नाली को तोड़कर और भराव करके पूर्ण रूप से मिट्टी डालकर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगा ली गई है, यह सरकारी सड़क पर अवैध अतिक्रमण है। इस अतिक्रमण को हटवाने के लिए पूर्व में भी आपकों पत्र लिखा गया था, इस संबंध में बार-बार जोन कार्यालय में शिकायतें आ रही है। इसलिए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।"

इस अतिक्रमण और अवैध कब्जे करीब सवा 4 साल बीत चुके हैं, परंतु नगर निगम प्रशासन अभी तक नहीं चेता। अब मानसून से पहले पुन: स्थानीय कॉलोनीवासियों को चिंता सता रही है कि अगर नाली बंद पड़ी रही तो इस बार भी सड़क पर बारिश का पानी भरेगा।

हैरानी की बात यह है कि सड़क पर छोटे-छोटे थड़ी-ठेले लगाकर पेट पालने वाले रेहड़ी संचालकों पर तो नगर निगम की सतर्कता विंग आये दिन कार्रवाई करती रहती है, लेकिन निजी स्कूल संचालक पर कार्रवाई करने का मामला पिछले सवा 4 साल से क्यों दबा हुआ है। ऐसे में अब इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

बंसल पब्लिक स्कूल के पास बना हुआ सरकारी नाला, जिसे मिट्टी से भरकर अब यहां इंटरलॉकिंग टाइल्स का फुटपाथ व तारबंदी करके अवैध कब्जा किया गया।

- **ज्ञात रहे कि नगर निगम के जगतपुरा जोन उपायुक्त ममता नागर ने 4 वर्ष पूर्व 22 मार्च 2022 को सतर्कता उपायुक्त को कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा था, परंतु निगम प्रशासन ने आज तक कोई एक्शन नहीं लिया**
- **जबकि स्थानीय लोग पिछले 5 वर्ष से लगातार नगर निगम को शिकायतें दे रहे हैं, परंतु स्कूल प्रबंधन की मनमानी और रसूख के आगे अधिकारियों ने चुप्पी साधी**

बेसमेंट खुदाई में मिट्टी ढहने 3 महिला श्रमिकों की मौत

- **बिहार की रहने वाली थीं तीनों महिलाएं, पुलिस जांच में जुटी**

जयपुर। करणी विहार क्षेत्र में गांधी पथ स्थित एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत में गुरुवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। जहां बेसमेंट की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा भरभराकर ढह गया, जिससे वहां काम कर रही तीन महिला श्रमिक मलबे के नीचे दब गईं। गंभीर रूप से घायल महिलाओं को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि यह हादसा गुरुवार शाम करीब 4 बजे हुआ। निर्माणाधीन भवन के बेसमेंट की गहरी खुदाई का कार्य चल रहा था। इसी दौरान नीचे मिट्टी समतल करने और खुदाई कार्य में लगी तीन महिला मजदूरों के ऊपर ऊपरी हिस्से की कटी हुई मिट्टी का बड़ा ढेर अचानक गिर पड़ा। महिलाओं को संभलने या बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला और वे मलबे में दब गईं। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। फावड़ों और हाथों की मदद से मलबा हटाकर तीनों महिलाओं को बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही करणी विहार और वैशाली नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया गया।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि अस्पताल में चिकित्सकों ने तीनों महिलाओं को बचाने के लिए सीपीआर सहित सभी आवश्यक चिकित्सा प्रयास किए, लेकिन उनकी हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उन्हें नहीं बचाया जा सका। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान बिहार निवासी सुनीता देवी, आनुती कुमारी और प्रतिमा कुमारी के रूप में हुई है। तीनों महिलाएं मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं और निर्माण स्थल पर कार्यरत थीं। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस यह जांच कर रही है कि बेसमेंट की गहरी खुदाई के दौरान आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए थे या नहीं। मिट्टी को रोकने के लिए शटरिंग अथवा अन्य सुरक्षात्मक व्यवस्था थी या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार, साइट इंचार्ज और अन्य जिम्मेदार लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि मजदूरों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे या नहीं। मामले में निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की संभावित अनदेखी को लेकर कानूनी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया है तथा मृतक महिलाओं के परिजनों को सूचना दे दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शहरी सेवा शिविर में आज से 15 जुलाई तक सरकार देगी "राहत की सौगात"

- **अभियान अवधि में 69-ए, 54-ई, 50-बी, 60-सी, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी करने, साफ-सफाई, सड़क मरम्मत व पेच वर्क, स्ट्रीट लाईटों व नालियों की मरम्मत, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन, कई तरह की एनओसी व प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में 12 जून से 15 जुलाई तक आयोजित होने वाले "शहरी सेवा शिविर-2026" की तैयारियों को लेकर गुरूवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव यूडीएच आलोक गुप्ता एवं स्वायत्त शासन सचिव रवि जैन ने राज्य स्तरीय बैठक ली। इस अभियान के दौरान 69-ए, 54-ई, 50-बी, 60-सी, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी करना, शहरों के वृहद् स्तर पर साफ-सफाई, सड़क मरम्मत, पेच वर्क कार्य, स्ट्रीट लाईटों को दुरस्त करना, नालियों की मरम्मत, फेरोकवर व मैन हॉल्स की मरम्मत, सीवर लाईन के लिकेज की मरम्मत, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन, फायर एनओसी, ट्रेड-लाईसेंस, साईनेज लाईसेंस, सीवर कनेक्शन, ओएफसी-मोबाईल टावर एनओसी, ईडब्लयूएस प्रमाण पत्र जारी करने, राजकीय विभागों की फ्लैगशिप जनहित योजनाओं के तहत आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति जारी करने, मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना तथा कुसुम योजना में राहत कार्य होंगे।

गुप्ता ने कहा कि अभियान के दौरान प्राप्त होने वाले सभी प्रकरण उसी अवधि में ही गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित करें, कोई मामला लंबित नहीं रहे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षो की बकाया लीज राशि वर्ष 2025-2026 तक एक मुश्त शहरी सेवा शिविर में जमा करने पर ब्याज 100 प्रतिशत छूट दी जायेगी। पिछले वर्षो की बकाया लीज राशि अभियान अवधि में जमा कराने पर एवं फ्री होल्ड के लिए10 वर्ष तथा लीज मुक्ति के लिए 8 वर्ष की लीज राशि शहरी सेवा शिविर में अग्रिम एकमुश्त जमा कराने पर बकाया लीज राशि में 60 प्रतिशत छूट दी जायेगी। इसके अतिरिक्त अभियान के दौरान नामान्तरण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार ईडब्ल्यूएस एवं एलआईजी श्रेणी के आवंटियों द्वारा बकाया किस्तों की एकमुश्त जमा राशि पर ब्याज एवं शास्ति में 100 प्रतिशत छूट देते हुए नियमन किया जाएगा। लॉटरी से आवंटित आवासीय भूखण्डों के 10 वर्ष की अवधि पूर्ण होने से पूर्व विक्रय किए जाने के प्रकरणों में शास्ति में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

साथ ही लॉटरी अथवा नीलामी के माध्यम से आवंटित ऐसे आवासीय भूखण्ड, जिनकी नीलामी/आवंटन राशि पूर्ण रूप से जमा हो चुकी है, उन्हें बिना ब्याज एवं शास्ति के पट्टा जारी करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त नई टाउनशिप पॉलिसी-2024 लागू होने से पूर्व जिन प्रकरणों में धारा 90-ए की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी थी, उन सभी प्रकरणों में अभियान अवधि के दौरान स्थानीय स्तर पर पुरानी टाउनशिप पॉलिसी-2010 के अनुसार ले-आउट प्लान अनुमोदित किए जाएंगे।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में दिल्ली-तमिलनाडु से बारूद मंगवाते थे आरोपी, फिलहाल दोनों फरार

खोह-नागोरियान क्षेत्र में पांच और अवैध पटाखा फैक्ट्रियां मिलने के बाद पुलिस-प्रशासन डोर-टू-डोर सर्वे शुरू किया, फरार बदमाशों की भी तलाश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। खोह नागोरियान क्षेत्र में हुई भीषण पटाखा फैक्ट्री अग्निकांड की जांच में लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि जिस फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। उसका संचालन कयूम और याकूब नामक दो भाई अवैध रूप से कर रहे थे। हादसे के बाद से दोनों आरोपी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मुख्य आरोपी कयूम के खिलाफ पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 1996 में मालवीय नगर थाने में मारपीट का पहला मामला दर्ज हुआ था। इसके बाद 1997 में मालवीय नगर थाने में ही धारा 147, 341 और 308 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। वर्ष 2002 में दौसा के महुआ क्षेत्र में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ। वर्ष 2008 में धोखाधड़ी, 2013 में ज्योति नगर थाने में दुष्कर्म तथा 2024 में खोह नागोरियान थाने में मारपीट का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस कयूम को आदतन अपराधी मान रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी दिल्ली और तमिलनाडु से अवैध रूप से बारूद मंगवाकर जयपुर में पटाखों का निर्माण करवा रहे थे। पुलिस को जानकारी मिली है कि जयपुर में पांच अलग-अलग स्थानों पर अवैध पटाखा निर्माण इकाइयां संचालित की जा रही थीं। यहां तैयार पटाखों की सप्लाई जयपुर के अलावा दिल्ली और अन्य राज्यों में भी की जाती थी।

एफआईआर में फिरोज नामक एक अन्य आरोपी को भी नामजद किया गया है। पुलिस के अनुसार फिरोज दिल्ली से इस पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दिल्ली में भी सक्रिय है।

हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस ने अवैध पटाखा फैक्ट्रियों एवं गोदामों पर कार्रवाई करते हुए कई इकाइयों को सीज किया और बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की। गुरुवार को पूरे क्षेत्र में सघन डोर-टू-डोर सर्वे अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत उन मकानों और गोदामों की पहचान की जा रही है, जहां अवैध रूप से पटाखा निर्माण, प्लास्टिक गोदाम या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। साथ ही बाहरी राज्यों से आकर किराये पर रह रहे लोगों का सत्यापन भी किया जा रहा है। पुलिस ने पूर्व में तीन गोदामों और फैक्ट्रियों से पटाखा निर्माण में उपयोग होने वाले गत्ते के खाली खोल भी बरामद किए थे।

अग्निकांड में जान गंवाने वाले दो और मृतकों की पहचान हो गई है। इनमें गाजियाबाद निवासी नासिर और दिल्ली निवासी रेहान शामिल हैं। दोनों हादसे के समय फैक्ट्री के भीतर मौजूद थे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

इस भीषण हादसे में अब तक समीर, आजिम, अब्दुल वहीद, रबिल, बिलाल, अशरफ, नासिर और रेहान सहित कुल आठ लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के साथ-साथ पूरे अवैध पटाखा निर्माण नेटवर्क और सप्लाई चेन की गहन जांच कर रही है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालक आरोपी कयूम और याकूब

मानवाधिकार आयोग का संज्ञान, 30 तक मांगी रिपोर्ट

जयपुर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में अवैध तरीके से चल रही पटाखा एवं विस्फोटक सामग्री बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग में आठ मजदूरों की मौत मामले स्वत: संज्ञान लिया है। जयपुर कलक्टर, पुलिस आयुक्त, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, नगर निगम आयुक्त, प्रमुख गृह सचिव तथा स्थानीय निकाय निदेशक से घटना की तथ्यात्मक रिपोर्ट 30 जून तक मांगी है। आयोग ने इन्हें कहा है कि वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार में होटलों, गोदामों, जोखिमपूर्ण औद्योगिक इकाइयों और ऐसे अन्य प्रतिष्ठानों की व्यापक जांच कर आवश्यक कार्रवाई करें। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश मीडिया में आई खबरों पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिया। आयोग ने कहा कि क्षेत्र के 100 से अधिक घरों में अवैध पटाखा फैक्ट्रियां संचालित होने की बात सामने आई है।

एमएनआईटी जयपुर में बनेंगी क्वांटम-एआई लैब

जयपुर। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी, रेल तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर में उन्नत क्वांटम कंप्यूटिंग एवं क्वांटम संचार प्रयोगशालाओं की स्थापना की घोषणा की। ये प्रयोगशालाएं इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमिक परियोजना के तहत स्थापित की जाएंगी।

वैष्णव ने कहा कि वर्तमान तकनीकी क्रांति आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) द्वारा संचालित है, जबकि आने वाले समय में क्वांटम प्रौद्योगिकी अगली बड़ी तकनीकी लहर साबित होगी। नई प्रयोगशालाएं क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन, क्वांटम कंप्यूटिंग सिमुलेशन और क्वांटम सेंसिंग हार्डवेयर के क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने एमएनआईटी को पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी के क्षेत्र में देश का अग्रणी संस्थान बनने का आ ान भी किया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि छात्रों को के सेमीवर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से सेमीकंडक्टर निर्माण और डिजाइन का प्रशिक्षण मिलेगा। इस डिजिटल ट्विन आधारित प्लेटफॉर्म पर विद्यार्थी 3डी मॉडल के जरिए चिप निर्माण प्रक्रियाओं को समझ सकेंगे और वर्चुअल वातावरण में उनका अभ्यास कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि देश में आने वाले वर्षों में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 10 लाख से अधिक कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होगी।

जेडीए में बाढ़ नियंत्रण कक्ष खोलने के लिए हर जोन में टैंडर कर रहे इंजीनियर?

जबकि जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने मीटिंग में सख्त आदेश दिए थे कि इस बार बाढ़ नियंत्रण कक्ष खोलने का काम केन्द्रीय स्तर पर होगा, जो मुख्यालय के स्तर पर खुलेगा

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) में अब एक्सईएन से लेकर एईएन और जेईएन जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के आदेशों की पालना नहीं कर रहे हैं। जेडीए के मुख्यालय स्तर पर फ्लड कंट्रोल रुम खोलने के आदेशों को दरकिनार करते हुए अपने अपने जोनों में इस कार्य के लिए अलग से टैंडर कर रहे है।

सूत्रों ने बताया कि जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने मीटिंग में सख्त आदेश दिए थे कि इस बार बाढ़ नियंत्रण कक्ष खोलने का काम केन्द्रीय स्तर पर होगा, जो मुख्यालय के स्तर पर खुलेगा। हर बार की तरह एक नियंत्रण कक्ष बनीपार्क में फायर स्टेशन में होगा, जबकि दूसरे आठ अलग-अलग जोन में खुलेंगे। इनमें काम आने वाले सामान मड पंप, मिट्टी के कट्टे, जेसीबी, ट्रेक्टर ट्रॉली, पानी निकालने वाले पंप आदि होंगे। किसी भी जोन में कोई पानी भरने या अन्य समस्या आती है जो मुख्यालय के एसई, और एक्सईएन डिमांड पूरा करेंगे। कोई भी जोन अपने स्तर पर अलग से टैंडर कर खरीद नहीं करेगा।

- **जोन-11 ने बाढ़ नियंत्रण के काम के लिए 24 लाख रुपए का टैंडर निकाला, तो अन्य जोनों ने भी निकाली गली**
- **पीआरएन, जोन-12, जोन-7 के इंजीनियर्स ने पेचवर्क के काम में मड पंप, डीजल पंप, ट्रेक्टर ट्रॉली, जेसीबी, वेक्यूम डी वाटरिंग पंप के कार्य मंजूर करवाए**

सूत्रों ने बताया कि जेडीसी के इन आदेशों की अब जोन स्तर पर अवहलेना हो रही है। अलग अलग जोन में एक्सईएन बाढ़ नियंत्रण के इंतजाम के लिए अलग से टैंडर निकाल रहे हैं। ताजा मामला जोन 11 का है, जिसमें बाढ़ नियंत्रण के काम के लिए 24 लाख रुपए का टैंडर निकाला गया है। इसके लिए जोन के एक्सईएन तरूण सिंघल ने जो टैंडर निकाला है, उसमें भी वहीं आईटम लिए गए है, जो बाढ़ नियंत्रण कक्ष उन्हें मुहैया कराएगा। जोन 11 का एरिया अजमेर रोड के दक्षिण भाग से लेकर महिन्द्रा सेज बगरु तक है। इसमें ऐसी कोई जगह नहीं है, जो कच्ची बस्ती हो अथवा जहां जेडीए को अलग से बाढ़ नियंत्रण कक्ष खोलना पड़े। इसके बाद भी एक्सईएन ने बाढ़ नियंत्रण के लिए अलग से 24 लाख रुपए का टैंडर जारी कर दिया। इसकी अंतिम तारीख 15 जून है।

सूत्रों का कहना है कि, जेडीए के दूसरे जोनों में भी इंजीनियर्स ने जेडीसी के आदेशों को दरकिनार करते हुए गली निकाल ली है। उन्होंने अब बाढ़ नियंत्रण में काम आने वाले आईटम पेचवर्क में मंजूर करा लिए हैं। मसलन पीआरएन, जोन 12, जोन 7 में गली निकाल ली है। इन जोनों में पेचवर्क के काम में मड पंप, डीजल पंप, ट्रेक्टर ट्राली, जेसीबी, वेक्यूम डी वाटरिंग पंप को शामिल कर लिया है। इस कारगुजारी से एक ही काम के लिए अलग-अलग टैंडर खोलने से जेडीए को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान होगा। जेडीए के मुख्यालय स्तर पर भी इसी काम के लिए टैंडर किए जाएंगे।

सार-समाचार

कॉलेज गेस्ट फैकल्टी को राहत मिली

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने प्रदेश के कॉलेजों में गेस्ट फैकल्टी के तौर पर कार्यरत प्रार्थी शिक्षकों को राहत देते हुए उन्हें आगामी सत्र तक सेवा में बनाए रखने का निर्देश दिया है। वहीं मामले में संबंधित पक्षकारों से जवाब मांगते हुए सुनवाई 13 जुलाई को तय की है। अवकाशकालीन जस्टिस उमाशंकर व्यास व अवकाशकालीन जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह अंतरिम निर्देश डॉ. नरेन्द्र सिंह की याचिका पर दिए। खंडपीठ ने माना कि किसी संविदाकर्मी को हटाकर उसके स्थान पर दूसरे संविदाकर्मी की नियुक्ति नहीं की जा सकती तथा रिक्त पदों पर नियुक्ति केवल नियमित चयन प्रक्रिया के माध्यम से ही होनी चाहिए। वहीं खंडपीठ ने अपने आदेश में जोधपुर जोधपुर मुख्यपीठ के 15 अप्रैल 2026 को डॉ. सुनील बिश्नोई एवं अन्य बनाम राज्य सरकार मामले में की गई टिप्पणियों का भी उल्लेख किया, जिसमें राजस्थान कॉलेज एजुकेशन सोसायटी के गठन को संविधान की मूल भावना के विपरीत बताया था। प्रार्थी की ओर से सीनियर एडवोकेट वीरेन्द्र लोढ़ा ने पैरवी कर 8 अक्टूबर 2023 की अधिसूचना को संविधान के अनुच्छेद 309 की भावना के विपरीत बताते हुए चुनौती दी। वहीं याचिका में राजस्थान कॉलेज एजुकेशन सोसायटी की "हायरिंग ऑफ मैनपावर रूल्स, 2023" को निरस्त करने तथा राजस्थान शिक्षा सेवा महाविद्यालय शाखा नियम, 1986 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की मांग की है। इसके अलावा 30 अप्रैल 2026 के विज्ञापन को भी रद्द करने का आग्रह कर कहा कि प्रार्थियों को सहायक प्राध्यापक के पद पर तब तक रखा जाए, जब तक कि 1986 के नियमों के तहत नियमित चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति नहीं होती।

'स्थानांतरण सरकारी सेवा का अभिन्न हिस्सा'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रक्षा मंत्रालय के अधीन कैंटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट के एक कर्मचारी के स्थानांतरण को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि स्थानांतरण सरकारी सेवा का अभिन्न हिस्सा है और कोई भी कर्मचारी किसी विशेष स्थान पर बने रहने का कानूनी अधिकार नहीं रखता। अदालत ने कहा कि जब तक स्थानांतरण आदेश दुर्भावनापूर्ण या किसी वैधानिक नियम के उल्लंघन में जारी नहीं किया गया हो, तब तक अदालत उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। जस्टिस उमा शंकर व्यास और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश छत्रपाल सिंह की याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि ट्रांसफर नीति केवल प्रशासनिक दिशा-निर्देश है। यह ऐसा वैधानिक नियम नहीं है, जिसे अदालत के माध्यम से लागू कराया जा सके। याचिका में कहा गया कि वह रक्षा मंत्रालय के कैंटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट के जयपुर कार्यालय के स्टोर एलडीसी के पद पर कार्यरत हैं। विभाग ने 3 फरवरी 2025 को उसका तबादला जयपुर से मुंबई स्थित मुख्यालय कर दिया। विभाग की साल 2011 की ट्रांसफर नीति के अनुसार लॉन्गेस्ट स्टेई और चॉइस स्टेशन के सिद्धांत का पालन किया जाना चाहिए था। जयपुर में उससे अधिक समय से कार्यरत कई कर्मचारी मौजूद थे, फिर भी केवल उसे ही स्थानांतरित कर किया गया। याचिका में कहा कि उसने बोनस भुगतान से संबंधित शिकायत रक्षा मंत्री को ई-मेल के माध्यम से भेजी थी तथा सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगी थी। इस कारण विभाग ने कार्रवाई करते हुए उनका तबादला कर दिया। यह स्थानांतरण प्रशासनिक आवश्यकता के नाम पर मनमाने ढंग से किया है और वास्तव में ऐसी कौनसी आवश्यकता थी, जिसके चलते उन्हें लगभग 1200 किलोमीटर दूर मुंबई भेजा गया। विभाग की ओर से कहा कि मुंबई मुख्यालय के सचिवालय शाखा में कर्मचारियों की कमी थी और संगठनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ कर्मचारियों को वहां भेजना जरूरी था।

बैंक प्रतिनिधियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

जयपुर। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन के प्रांतीय उप महासचिव बैंककर्मी नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि देश की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी 80 वर्षीय बैंक ट्रेड यूनियन ऑल इंडिया बैंक एम्पलाईज एसोसिएशन का 30 वां राष्ट्रीय सम्मेलन का प्रतिनिधि सत्र राजन नागर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। आमेरा ने बताया कि कारगिल से कन्याकुमारी तक देश के सभी प्रांतों से कमर्शियल बैंक, सहकारी बैंक, ग्रामीण बैंक, निजी बैंक और विदेशी बैंकों के 2000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राजस्थान से सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा, आर.जी.शर्मा, रामावतार शर्मा, महेश शर्मा, एम.एस.भटेजा, नरपत गहलोत, राहुल पांडे, रविकांत शर्मा, रविदीप चतुर्वेदी, टी.सी.झालानी, मेघा मलिक, शिखा बंसल, रामबाबू गुप्ता समेत 55 प्रतिनिधि पहुंचे। सत्र में बैंक कर्मियों के लिए पाँच दिन का कार्य सप्ताह, पार्ट टाइम संविदा कर्मियों को नियमित करने, समुचित भर्ती, सीसीबी को अपैक्स बैंक में विलय कर सहकारी बैंको में टू टियर बैंकिंग लागू करने, सहकारी बैंकों का आर्थिक पुनरुत्थान करने, सहकारी बैंकों में रिजर्व बैंक के फिट एंड प्रॉपर मानदंड अनुरूप प्रबंध निदेशक लगाने, ग्रामीण बैंक को स्पॉन्सर बैंक में विलय करने, महिला बैंक कर्मियों को चाइल्ड केयर लिव देने, पुरानी पेंशन बहाल करने, ग्रेच्युटी की सीमा 25 लाख रुपए तक बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

Celebrating National Peanut Butter Cookie Day

National Peanut Butter Cookie Day, observed on June 12, celebrates one of the world's most loved comfort treats. Known for their soft texture and signature crisscross fork marks, peanut butter cookies have been a household favourite for generations. The day encourages baking at home, sharing sweet moments with family, and revisiting classic recipes passed down over time. Peanut butter, packed with protein and rich flavour, adds both taste and nostalgia to every bite. Whether homemade or store-bought, these cookies bring simple joy and remind us how timeless, comforting desserts continue to connect people across kitchens and cultures.

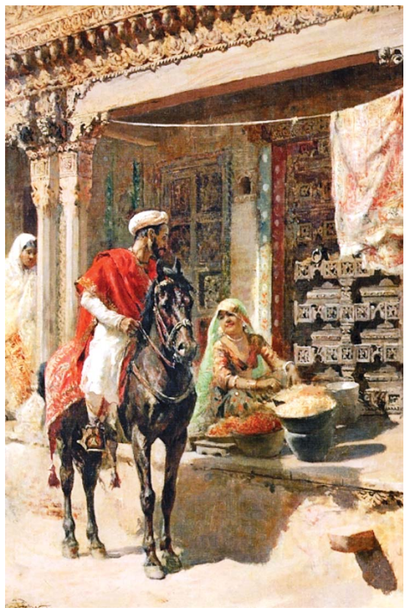

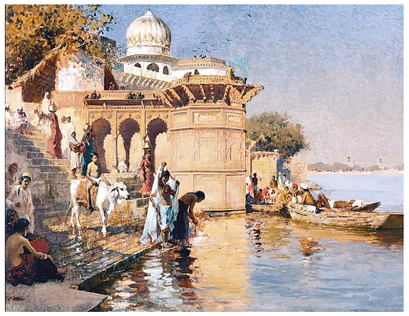

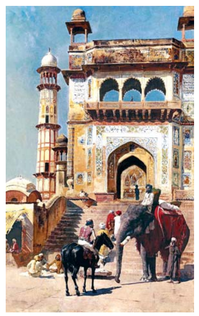

Wanting to avoid the northern ports frequented by tourists, he planned to visit Rabat on the Atlantic coast, and so, crossed the Straits of Gibraltar accompanied by his wife, landing at Tangiers, where his friend Robert Gavin was living. He joined them on their journey. It was five days over land and across the flooded rivers (a coaster could have made the journey in a day!) and, not expecting to find a hotel in Rabat, they took with them sufficient supplies for a three month stay. However, reaching Rabat, they found the region to be stricken with famine. Not deterred and, through the ingenuity of their servants from Tangiers and their foreign currency, they embarked upon the tactic of distributing bread to the needy, in return for which they would pose to be sketched and painted, something they might otherwise have been unwilling to do.

Paintings of India

#EDWIN LORD WEEKS

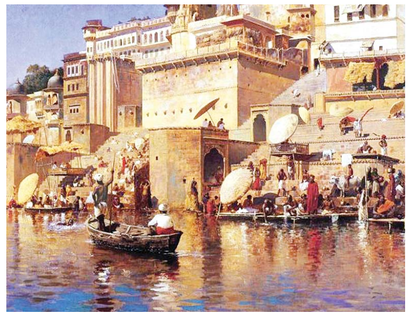

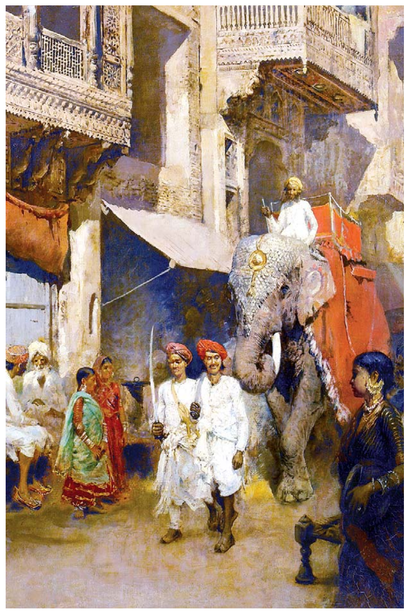

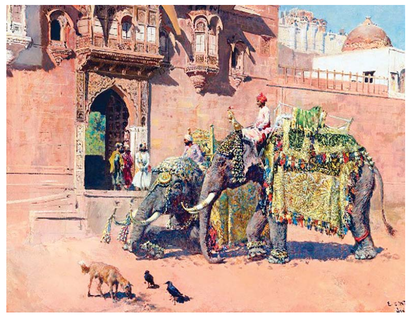

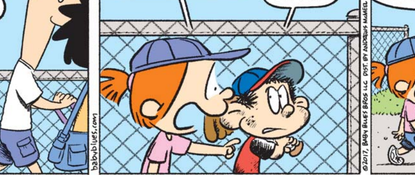

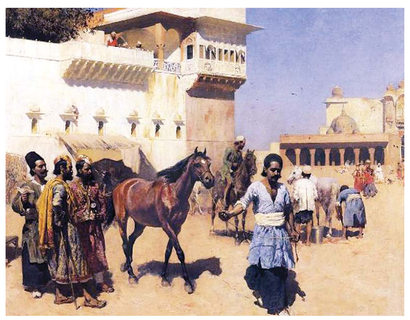

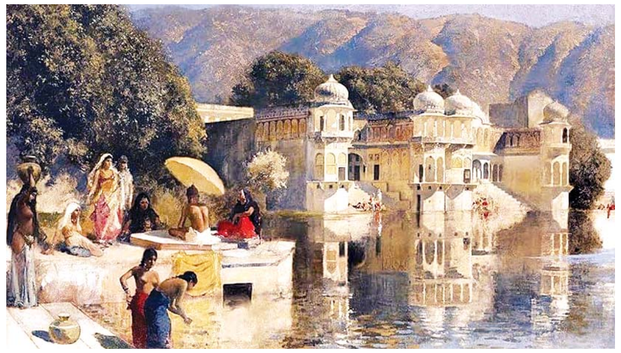

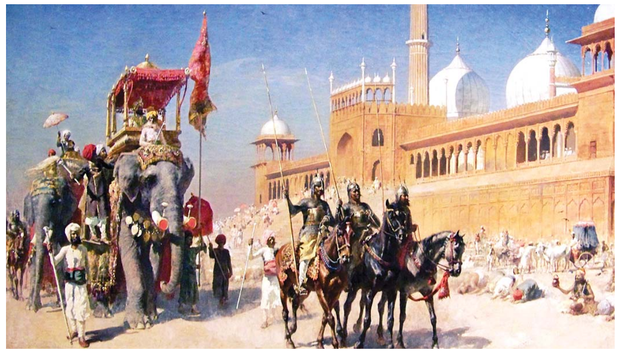

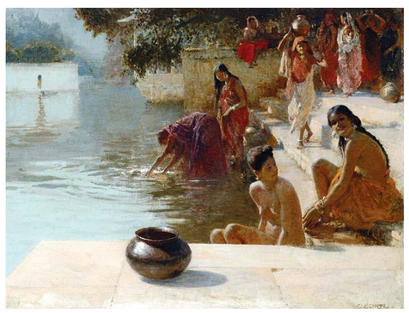

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Edwin Lord Weeks was a famous American artist and traveler of the 19th century who became well known for his beautiful paintings of India and the East. Through his art, he introduced the landscapes, architecture, and everyday life of India to people in Europe and America. His paintings captured the richness of Indian culture, traditions, and historical monuments.

Early Life and Interest in Travel

Edwin Lord Weeks was born in 1849 in Boston, United States. His parents were spice and tea merchants from Newton, and as such, they were able to finance their son's youthful interest in painting and travelling.

Along with Frederic Arthur Bridgman, Edwin Lord Weeks is one of the most celebrated of the American Orientalists, this certainly being so during his lifetime, and although, quite a lot is recorded concerning his professional career and travels, much of this from his own extensive travel writings, relatively little, is known about his private life.

Aged 21, he is known to have opened a studio in Newton, in the same year marrying Frances Rollins Hale from New Hampshire. The following year, accompanied by a friend, the illustrator A. P. Close, he traveled to Egypt, the Holy Land and Syria as far as Damascus. His sketchbooks from that visit overflow with North African scenes. However, at Beirut, Close died following a fever and was buried there. A painting depicting the port of Tangiers, dated 1872, survive from this period and appear to be one of the first of his works in the Orientalist style.

During a brief stay in Morocco around this time, it is likely that he encountered the Scottish Royal Academician Robert Gavin (1827-1883), who lived and worked in Tangiers during the 1870s.

After Weeks' return to Newton, Boston journals published their description of his new subject matter and also enthusiastically critiqued an exhibition of his works held at the Boston Art Club, early evidence of his increasing stature as an artist, at least in his hometown. The Boston Daily Evening Transcript of 23rd June 1874 announced that he would soon be embarking for Europe and a season in Paris before returning to the Orient to study the magnificent colors found there.

Having arrived in Paris together with his wife, Weeks attempted to enroll at the atelier of Gérôme in the École des Beaux-Arts. However, while waiting for his application to be accepted, he started to work in a private atelier, that of Léon Bonnat, a close friend of Gérôme who had also traveled with him in North Africa. Indeed, when he was finally granted admission to Gérôme's atelier in September 1874, he was so satisfied with his studies with Bonnat that he decided to stay there and not accept the place offered. Although the Boston journals from then on started to call him "a student of Gérome," infact, he never was and he always referred to himself as a "student of Bonnat." However, it is likely that he knew Gérôme socially.

The precise details of Weeks' travels over the next few years are not well documented, however, he returned to Cairo in the spring of 1875, the following autumn going to Morocco in all likelihood, having spent the summer in Paris. Upon his return to America, in February 1877, he held an exhibition at the Noyes and Blakeslee Gallery in Boston. It was very well received and, according to the Boston journals, the resultant sales were sufficient to finance a voyage of several years to India. But this was not yet to be and he returned to Paris where he commenced a work, A Moroccan Camel Driver, destined for the 1878 Salon, his first Salon exhibit. He then got ready to spend a long winter in Morocco, the details of which were published in Scribner's Magazine in 1901.

Wanting to avoid the northern ports frequented by tourists, he planned to visit Rabat on the Atlantic coast, and so, crossed the Straits of Gibraltar accompanied by his wife, landing at Tangiers, where his friend Robert Gavin was living. He joined them on their journey. It was five days over land and across the flooded rivers (a coaster could have made the journey in a day!) and, not expecting to find a hotel in Rabat, they took with them sufficient supplies for a three month stay. However, reaching Rabat, they found the region to be stricken with famine. Not deterred and, through the ingenuity of their servants from Tangiers and their foreign currency, they embarked upon the tactic of distributing bread to the needy, in return for which they would pose to be sketched and painted, something they might otherwise have been unwilling to do.

They decided to return to Paris in February, intending to arrive in time for the Salon. However, a sand barrier prevented them boarding the coastal steamer, so, they planned to travel overland by camel. But the day of their intended departure, both Weeks and his wife succumbed to typhoid fever and Gavin, who was apparently immunized, nursed them until the danger was over. It was not before spring that they boarded a ship carrying the British flag, and even then, they were subjected to a violent storm on their return journey.

Weeks didn't exhibit again either in America or at the Paris Salon until 1880, and then, all his compositions were of Moroccan subjects and the prices asked were those of the best French painters of the time.

In 1883, he traveled to India and, according to his own letters, spent every day painting and every night developing his photographs, which he probably used for recording the architectural details and backgrounds for his compositions. He was to return again in 1892, commissioned by Harper's Magazine, this time accompanied by the journalist Theodore Child, who was to write a series of articles on their travels with illustrations by Weeks.

Foreseeing a daunting overland journey, they planned to set off from St. Petersburg and take the Trans-Caspian railway to Samarqand, then descending via Herat to Afghanistan, a comfortable journey for the greater part, becoming more adventurous after Samarqand. However, an outbreak of cholera in the Russian provinces to the north prevented this and, instead, they decided to follow the ancient caravan route from Trebizond on the Black Sea as far as Tabriz, and from there across Kurdistan.

They arrived in Trebizond in July 1892 and organized a caravan. They were advised by their guide to buy an araba (a large covered wagon, probably like those used by the pioneers of the American west). So, drawn by four horses, they set off in a south-westerly direction accompanied by two other arabas heading for Persia. However, barely had they set off when their horses became bogged down in a marsh, one almost going under completely. Fortunately, the animal was rescued by the team from one of the other wagons.

Rather than camp in the open air, they preferred to spend the nights either in khans (modest boarding houses) or in caravanserai, although there was little comfort and, along the roads, one accident followed another as the wagon was repeatedly damaged and the horses injured. They were also hindered by the assiduous attention of the Turkish functionaries checking their papers and passports in every town they arrived at. A week later, they arrived at the border with Georgia and crossed the perilous pass of Taya, made even more dangerous since storms had transformed the dirt road into mud. Then, ever onwards past Mount Ararat in Turkey, along Lake Urmia and over the border into Kurdistan, they traveled.

Weeks found traveling through the Persian villages just as exciting as crossing the mountain passes. However, approaching Tabriz, they began to encounter one funeral procession after another, and then, on arrival in the town, deserted streets, they had walked right into a cholera epidemic! However, they stayed there almost a month, his companion Theodore Child and their guide had been taken ill and needed to recover. But with winter approaching, they needed to move on, choosing their route carefully so as not to be cut off by the snow. They decided to set out for Tehran, then to head south towards Isfahan and Shiraz, cutting across to Bushehr, a port in the Persian Gulf, where they could catch a steam ship to India.

Having sold their araba, they traveled in Persian style, on horseback, a total of ten horses in their company, two for themselves and the other eight for their team and baggage. Weeks found the whole concept of traveling in this fashion highly satisfying and even romantic, pitching tent each night and recording their progress and the day's events then, after dinner, sitting under the awning of their tent to smoke as the sun set over the distant horizon.

They finally arrived at Tehran, a large cosmopolitan city endowed with a tramway and a sizeable foreign population. In contrast, Isfahan seemed to them very spread out and it took them an hour to pass through the surrounding villages and bazaars before reaching the central area. But the architecture was stunning and the air fragrant with the scent of ripe fruit.

When Weeks resumed his journey to Shiraz, he was equipped with a list of "contaminated villages," with cholera which the local consul had given him. At the gates of the city, notified by letter sent in advance, he was welcomed by two men and immediately transported into another universe, that of a foreign colony where one dined at a table and where "men dressed in white flannel played on tennis courts."

To get back to the Persian Gulf, Weeks had to cross the Kotal mountains and a peak 2250 metres (7382 ft) high on horseback. However, on 29th November 1892 on the marshy coast of Bushehr, he boarded the steam ship Occidental and took leave of his Persian companions. He was headed for India.

He spent two years in India before returning home to Paris. His paintings of Indian life gave him celebrity both in France and America and they became his specialty. He was able to spend the next thirteen years in a splendid residence with a huge atelier on the Avenue de Wagram before moving nearer to the Bois de Boulogne.

In 1896, he was made a Knight of the Legion of Honour and he continued to paint right up to his death in 1903, which is thought to have been due to an illness contracted in India. An obituary notice described him as "a reserved man with a quiet voice and of rather small stature, but virile, kindly and affable."

rajeshsharma1049@gmail.com

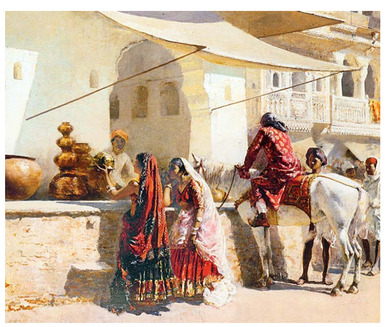

THE WALL

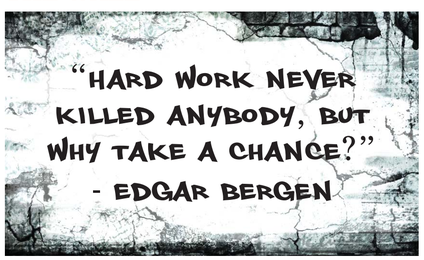

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

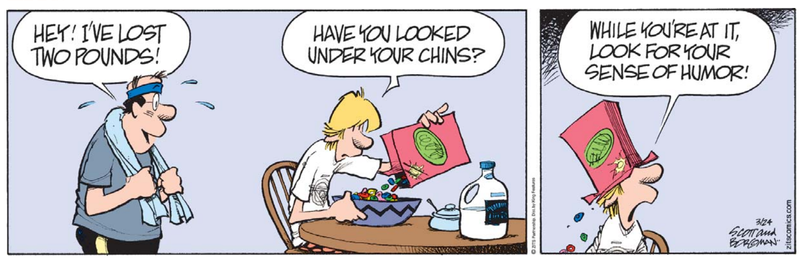

हिण्डौन सिटी के सरकारी अस्पताल की 108 एंबुलेंस पर दो राज्यों के नम्बर लिखे मिले

जिस 108 एंबुलेंस से मरीज को ले जाया जा रहा था, उसके अगले हिस्से पर उत्तर प्रदेश का नंबर, जबकि पीछे की ओर केरल का नंबर लिखा हुआ था और हालत भी खस्ता थी

हिण्डौन सिटी, (निसं)। जिले के सबसे बड़े राजकीय जिला अस्पताल में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल तस्वीर उस समय सामने आई, जब एक गंभीर हार्ट मरीज को जयपुर रेफर करने के दौरान 108 एंबुलेंस सेवा की लापरवाही उजागर हो गई। मरीज को समय पर और सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराने के दावों के बीच खटारा एंबुलेंस में टूटा स्ट्रेचर, बंद एयर कंडीशनर, खराब ऑक्सीजन व्यवस्था और अन्य गंभीर खामियां सामने आने से मरीज की जान जोखिम में पड़ गई। वहीं 108 एंबुलेंस के आगे और पीछे अलग-अलग राज्यों के पंजीयन नंबर अंकित मिले। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया।

हिण्डौन सिटी के राजकीय जिला अस्पताल की 108 एंबुलेंस में कई खामियां मिलीं।

- गंभीर हार्ट मरीज को जयपुर रेफर करने के दौरान एंबुलेंस में टूटा स्ट्रेचर, बंद एयर कंडीशनर, खराब ऑक्सीजन व्यवस्था और अन्य खामियां सामने आईं
- आखिरकार मरीज की जान बचाने के लिए परिजनों ने निजी एंबुलेंस की व्यवस्था की और उसे जयपुर के लिए रवाना किया
- सीएमएचओ ने डॉ. सतीश मीणा ने 108 एंबुलेंस सेवा संचालित करने वाली नोडल एजेंसी 'जीवीके ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज' को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हार्ट मरीज को चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए जयपुर रेफर किया था। मरीज के परिजनों का आरोप है कि एंबुलेंस को बुलाने के बाद वह करीब 20 मिनट की देरी से अस्पताल पहुंची। मरीज को एंबुलेंस में शिफ्ट करने के बाद सामने आया कि वाहन में मरीजों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं थीं। एंबुलेंस का पंखा बंद था, एयर कंडीशनर काम नहीं कर रहा था, ऑक्सीजन की नली खराब थी और मरीज को ले जाने वाला स्ट्रेचर भी टूटा हुआ था।

परिजनों ने आरोप लगाया कि एंबुलेंस में मौजूद खामियों के कारण मरीज की हालत लगातार बिगड़ती रही। स्थिति गंभीर होने पर एंबुलेंस कर्मियों ने दूसरी एंबुलेंस बुलाने की बात कही, जिससे मरीज को करीब आधे घंटे और इंतजार करना पड़ा। लगभग एक घंटे तक मरीज उपचार और परिवहन के बीच असहाय स्थिति में एंबुलेंस में ही तड़पता रहा। आखिरकार मरीज की जान बचाने के लिए परिजनों ने निजी एंबुलेंस की व्यवस्था की और उसे जयपुर के लिए रवाना किया।

मामले में एक और गंभीर तथ्य सामने आया है। जिस 108 एंबुलेंस से मरीज को ले जाया जा रहा था, उस पर आगे और पीछे अलग-अलग राज्यों के पंजीयन नंबर अंकित मिले। एंबुलेंस के अगले हिस्से पर उत्तर प्रदेश का नंबर जबकि पीछे की ओर केरल का नंबर लिखा हुआ था। इससे वाहन की वैधता और संचालन व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद चिकित्सा विभाग की कार्यप्रणाली पर लोगों ने सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि एंबुलेंसों के रखरखाव और मेंटिनेंस पर लाखों रुपये खर्च होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में मरीजों को बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। ऐसे में गंभीर मरीजों की जान भगवान भरोसे चल रही है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सतीश मीणा ने कार्रवाई की है। सीएमएचओ ने 108 एंबुलेंस सेवा संचालित करने वाली नोडल एजेंसी 'जीवीके ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज' को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। साथ ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के निदेशक सहित अन्य उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर एजेंसी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने की अनुशंसा की है।

भीलवाड़ा में 600 किलोग्राम दूषित खाद्य पदार्थ नष्ट करवाया

भीलवाड़ा, (निसं)। 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान' के तहत बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने भीलवाड़ा जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मैसर्स हितकर न्यूट्री फूड्स, चमनपुरा बनेड़ा रोड स्थित प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में लगभग 1250 किलोग्राम चटगोला एवं आंवला कैंडी का निर्माण कार्य जारी पाया गया। खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके पर जांच करते हुए उक्त खाद्य सामग्री को सीज कर दिया। साथ ही परिसर में रखे 6 ड्रमों में लगभग 600 किलोग्राम दूषित खाद्य पदार्थ पाए जाने पर उन्हें जनहित में तत्काल नष्ट करवाया गया। कार्रवाई के दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लिए गए तथा उन्हें सीलबंद कर जांच हेतु अजमेर स्थित जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भेजा गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था असंतोषजनक पाई गई। इस संबंध में संबंधित खाद्य व्यवसायी को नोटिस जारी किया जाएगा। टीम ने खाद्य पदार्थों के भंडारण, निर्माण एवं विक्रय संबंधी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा संचालकों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने, स्वच्छता बनाए रखने एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री के निर्माण एवं विक्रय के निर्देश दिए।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने भीलवाड़ा में कार्रवाई की।

- खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 1250 किलो चटगोला व आंवला कैंडी सीज की

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव ने बताया कि विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं मिलावटखोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई की जा रही है। निरीक्षण दल में प्रशिक्षु खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. गोवर्धन लाल कुम्हार, राजवीर सिंह, पवन कुमार एवं फेहद खान शामिल रहे। सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने बताया कि जिले में मिलावटखोरी एवं अस्वच्छ खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए ऐसे निरीक्षण आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। उन्होंने आमजन से खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, पैकेजिंग तथा निर्माण एवं समाप्ति तिथि की जांच करने की अपील की।

थाने में शिकायत के बाद भी महिला के साथ बदमाशों ने मारपीट की

अलवर, (निसं)। अलवर के अकबरपुर थाने में शिकायत के बाद महिला के साथ फिर से बदमाशों ने मारपीट की, जिसके बाद गांव के लोगों ने गुरुवार दोपहर थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। महिला ने आरोप लगाया कि पहली बार मारपीट करने पर पुलिस को शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बदमाशों ने दोबारा मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दी।

ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन किया

- पहले भी महिला ने मारपीट की शिकायत की थी, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की

पीड़ित परिवार ने ग्रामीणों के साथ अकबरपुर थाना प्रभारी को लिखित में शिकायत देकर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को उचित कानूनी कार्रवाई और नामजद आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। पुलिस के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने करीब एक बजे विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सरपंच प्रतिनिधि भविंद्र पटेल ने बताया कि पीड़िता इंदिरा देवी (50) पति रामपाल निवासी उमैरण गांव 9 जून को अपने खेत पर चारा लेने गई थी। वहां उसने देखा कि कुछ लोग मोटर का बिजली का तार काट रहे थे। इस दौरान उसने चोरी का विरोध किया और चिल्लाने लगी तो बदमाशों ने गुस्से में आकर उसके साथ गाली-गलौज की। बदमाशों ने महिला के साथ जमकर मारपीट की, जिसके बाद महिला अपने घर पहुंची, जहां परिजनों को पूरा घटनाक्रम बताया, इसके बाद महिला ने उसी दिन नौ जून को परिजनों के साथ थाने पहुंचकर पुलिस में शिकायत दी। पटेल ने बताया कि फिर दूसरे दिन 10 जून को जब महिला अपने खेत पर गई तो बदमाशों ने दोबारा महिला के साथ जमकर मारपीट कर दी। हमले में महिला को गंभीर चोटें आईं। आरोपी मारपीट के बाद महिला को मरणासन्न हालात में खेत में छोड़कर मौके से भाग गए। परिजनों को पता चला तो आनन-फानन में उन्होंने महिला को अकबरपुर अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़िता के परिजनों ने बताया कि हमलावरों में से कुछ लोगों की पहचान कर ली गई है, जो पास के ही माचड़ी गांव के रहने वाले हैं। परिजनों ने दोबारा 10 जून को थाने में इब्बा, इंसाफ, कालू, सुभान सहित अन्य लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है।

अलवर के पेंशनर भवन में कथित अनैतिक गतिविधियों के संचालन का आरोप

अलवर, (निसं)। अलवर के पेंशनर भवन में कथित अनैतिक गतिविधियों के संचालन को लेकर बुधवार देर रात विवाद हो गया। मामले की भनक लगते ही बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद सहित कई सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता रात करीब दस बजे मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने आरोपी गार्ड के खिलाफ हंगामा कर दिया। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस ने तुरंत पेंशनर भवन के गार्ड को गिरफ्तार कर लिया, जो पेंशनर भवन में अनैतिक काम कराता था। पेशंनर भवन कोतवाली थाना क्षेत्र के स्कीम नंबर-10 स्थित है।

जानकारी के अनुसार, स्कीम नंबर-10 स्थित पेंशनर भवन में लंबे समय से अवैध और अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें मिल रही थीं। आरोप है कि यहां तैनात गार्ड रामचंद्र मोटी रकम लेकर लोगों को भवन के कमरे उपलब्ध करवाता था। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में मौके पर एक महिला भी खड़ी दिखाई दे रही है। वहीं, घिरे जाने पर चपरासी रामचंद्र खुद कथित रूप से कमरे उपलब्ध कराने और अवैध गतिविधियां संचालित कराने की बात स्वीकार करता नजर आ रहा है।

- आरोप है कि पैसे लेकर पेंशनर भवन में कमरे उपलब्ध कराता था गार्ड
- विहिप, बजरंग दल सहित अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा, आरोपी गिरफ्तार

मामले को लेकर पेंशनर भवन संस्था के अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा ने बताया कि उन्हें इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी बुधवार देर रात मिली। संस्था को भनक तक नहीं थी कि उनका गार्ड पीठ पीछे इस तरह के काले कारनामों में लिप्त है। शर्मा ने कहा कि पेंशनर भवन वरिष्ठ नागरिकों की एक प्रतिष्ठित संस्था है और यहां ऐसी हरकत होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आश्वासन दिया कि संस्था जल्द ही एक आपात बैठक बुलाकर आरोपी कर्मचारी के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई करेगी।

कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि मौके पर हंगामे की सूचना के बाद पुलिस टीम तुरंत स्कीम नंबर-10 पहुंची थीं, जहां पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए आरोपी गार्ड रामचंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीकानेर की नहर में डूबे दूसरे युवक का शव मिला

बीकानेर, (निसं)। महाजन क्षेत्र में कंवरसेन वितरिका नहर में डूबे दोनों युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। एक युवक का शव मिलने के बाद एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन की टीम दूसरे युवक की तलाश में जुटी रही। देर शाम दूसरे युवक का शव महाजन से निकल रही इंदिरा गांधी नहर में मिलने से सर्च ऑपरेशन समाप्त हो गया।

जानकारी के अनुसार, महाजन निवासी दिनेश मेघवाल पुत्र सुरजाराम मेघवाल और जगदीश मेघवाल मंगलवार दोपहर कंवरसेन वितरिका नहर में नहाने के लिए उतरे थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया गया। मंगलवार देर शाम तक चले तलाशी अभियान में सफलता नहीं मिलने पर फिर से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

अभियान के दौरान सबसे पहले दिनेश मेघवाल का शव नहर से बरामद किया गया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने नहर के विभिन्न हिस्सों में लगातार तलाश जारी रखी। देर शाम दूसरे युवक जगदीश मेघवाल का शव महाजन से निकल रही इंदिरा गांधी नहर में बरामद कर लिया गया। दोनों शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना के दौरान उपतहसीलदार सुंदरपाल गोदारा, महाजन पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद रही। प्रशासन की निगरानी में पूरे दिन राहत एवं बचाव कार्य चलता रहा। दोनों शवों के बरामद होने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। एक साथ दो युवकों की नहर में डूबने से महाजन क्षेत्र में शोक का माहौल है। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे रहे।

अस्पताल की सर्विस लाइन में आग लगी

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला अस्पताल परिसर में गुरुवार दोपहर मुख्य सर्विस लाइन में आग लग गई। यह आग पालना गृह के पास स्थित सर्विस लाइन में लगी थी। प्रारंभिक जांच में इसका कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग लगने की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन और कर्मचारियों ने तुरंत अस्पताल में मौजूद फायर सेफ्टी टेंक से आग पर काबू पाने के प्रयास किये।

पीएमओ ने एहतियात के तौर पर अस्पताल की विद्युत आपूर्ति तत्काल बंद करवा दी। इससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। कर्मचारियों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से आग को फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही किसी मरीज को नुकसान पहुंचा। आग लगने के बाद कुछ समय के लिए अस्पताल में भय का माहौल बन गया। बिजली आपूर्ति बंद होने से अस्पताल की नियमित व्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं।

डूंगरपुर के साबली गांव में जमीन विवाद को लेकर पिता ने बेटे पर हमला किया

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के साबली गांव में जमीन विवाद को लेकर एक पिता ने अपने बेटे और उसके दोस्तों पर हमला कर दिया। इस हमले में बेटा और उसका एक दोस्त घायल हो गए। जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बिछीवाड़ा थाना पुलिस के अनुसार साबली निवासी विपिन वरहात ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विपिन अपने दोस्त लोकेश और रौनक के साथ घर का सामान लेने गए थे। रास्ते में पेट्रोल खत्म होने के कारण वे गाड़ी खड़ी कर पैदल तेल लेने जा रहे थे। इसी दौरान आरोपी सुरेश मनात अपनी अर्टिका कार से वहां पहुंचा। कार में विपिन के पिता और साबली पंचायत के प्रशासक लीलाराम वरहात, पूनम मनात और प्रियंका मनात भी सवार थे। आरोपियों ने अपनी गाड़ी विपिन की गाड़ी के आगे अडा दी और विपिन को पकड़ लिया। सुरेश मनात ने विपिन पर तलवार से हमला किया। जब विपिन के दोस्त लोकेश ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उसके सिर पर लोहे की रॉड से वार किया गया। इस हमले में विपिन और लोकेश घायल हो गए। घायल विपिन और लोकेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। विपिन वरहात ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि आरोपी लीलाराम वरहात उनके सगे पिता हैं और वह उनकी पहली पत्नी का बेटा है। विपिन के अनुसार जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है, जिसके कारण यह हमला सुनियोजित तरीके से किया गया। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- हमले में बेटा और एक दोस्त घायल, जिला अस्पताल में इलाज जारी

कार की टक्कर से मजदूर की मौत

टोंक, (निसं)। दूनी स्थित नेशनल हाईवे 52 पर जूनिया मोड़ के पास बुधवार को एक सड़क हादसे में मजदूर की मौत हो गई। हादसे के के बाद परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक लक्ष्मीनारायण जूनिया मोड़ के पास काम कर रहा था, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर घाड़ थाना प्रभारी हरिराम वर्मा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद हाईवे निर्माण कंपनी के अधिकारियों और मृतक के परिजनों के बीच वार्ता हुई तथा परिजनों के प्रदर्शन के बाद आर्थिक सहायता देने पर सहमति बनने के बाद परिजनों ने शव उठाया। शव को दूनी सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौमूं : जमवाय माता मंदिर में हुई चोरी का खुलासा, बावरिया गैंग के तीन आरोपी गिरफ्तार

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के गांव सिंगोद कलां स्थित जमवाय माता मन्दिर में पांच जून की रात हुई चोरी की वारदात का गोविन्दगढ़ थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए बावरिया गैंग के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मन्दिर के दानपात्र से चोरी की गई नकदी और एक मजदूर का मोबाइल फोन बरामद किया है।

मामले के खुलासे के बाद ग्रामीणों और मन्दिर ट्रस्ट की ओर से चलाया जा रहा धरना-प्रदर्शन भी समाप्त कर दिया गया। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया, जिसके आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में सुभाष बावरिया उर्फ राजेन्द्र उर्फ कच्च्या निवासी गणेश्वर सीकर, बीरबल बावरिया निवासी खेजरोली, जयपुर तथा धूड़ाराम उर्फ हाडा बावरिया निवासी टोडा दरिबा, सीकर शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने मन्दिर में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। साथ ही उन्होंने रींगस, श्रीमाधोपुर और चौमूं क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं में भी संलिप्तता कबूल की है।

पुलिस ने मौके पर आरोपियों से सीन रिक्रिएशन कराकर साक्ष्य जुटाए और वारदात की तस्दीक की।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दिन के समय संभावित स्थानों की रेकी करते थे और रात में सुनसान माहौल का फायदा उठाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। घटना वाली रात आरोपियों ने मन्दिर के दानपात्र का ताला तोड़कर नकदी चुरा ली थी। इसी दौरान एक मजदूर का मोबाइल फोन भी चोरी कर लिया गया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। थानाधिकारी विनोद सांखला और खेजरोली चौकी प्रभारी धर्मपाल यादव पुलिस टीम के साथ आरोपियों को जमवाय माता मन्दिर लेकर पहुंचे। यहां आरोपियों ने मन्दिर में प्रवेश करने, दानपात्र का ताला तोड़ने और नकदी चोरी करने की पूरी घटना दोहराई।

- मामले के खुलासे के बाद ग्रामीणों और मन्दिर ट्रस्ट की ओर से चलाया जा रहा धरना-प्रदर्शन भी समाप्त हुआ

पुलिस ने मौके पर सीन रिक्रिएशन कराकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और वारदात की तस्दीक की। थानाधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी है और क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की वारदातों में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। पुलिस को पूछताछ में कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर आगामी दिनों में अन्य मामलों का भी खुलासा होने की संभावना है।

हाईकोर्ट में अब हर केस के स्थगन की गिनती होगी

जोधपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यायिक कार्यवाही में पारदर्शिता और लंबित मामलों की प्रभावी निगरानी के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी स्थायी आदेश के अनुसार अब प्रत्येक मामले में दिए गए स्थगनों की संख्या अलग से दर्ज की जाएगी और इसे कॉज लिस्ट में भी प्रदर्शित किया जाएगा।

आदेश में बताया गया है कि यह व्यवस्था 14 मई 2026 को ओमप्रकाश बनाम राज्य सरकार में पारित न्यायालय के निर्देशों की पालना में लागू की जा रही है।

- कॉज लिस्ट में रिकॉर्ड दिखेगा, रजिस्ट्रार जनरल ने स्थायी आदेश जारी किया

इसके तहत अपीलकर्ता, याचिकाकर्ता, आवेदक, प्रतिवादी अथवा अन्य कारणों से हुए स्थगनों का रिकॉर्ड विशेष सॉफ्टवेयर में संधारित किया जाएगा। हालांकि नॉट रीच श्रेणी वाले मामलों को स्थगन की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा। सभी न्यायिक शाखाओं के प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एकमुश्त अभ्यास के रूप में प्रत्येक प्रकरण में अब तक हुए स्थगनों की संख्या सॉफ्टवेयर में दर्ज करवाएं। साथ ही सूचीबद्ध किए जाने वाले हर मामले में स्थगन संबंधी विवरण अपडेट रखना अनिवार्य होगा।

हिस्ट्रीशीटर के अवैध कब्जों को तोड़ा

लूणकरणसर, (निसं)। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर कालूनाथ के अवैध कब्जों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने बुलडोजर चलाकर सरकारी जमीन को मुक्त कराया। आरोपी कालूनाथ के खिलाफ मारपीट, लूट और आर्म्स एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस लंबे समय से उस पर नजर रख रही थी।

एडिशनल एसपी ग्रामीण बनवारीलाल मीणा और सीओ लूणकरणसर रणवीर सिंह के सुपरविजन में सूचना मिली थी कि हिस्ट्रीशीटर कालूनाथ पुत्र मोमनाथ निवासी जोगिया बस्ती, लूणकरणसर ने नगरपालिका की जमीन पर कई जगह अवैध कब्जे कर रखे हैं। तहसीलदार विनोद पूनिया, नगरपालिका ईओ भवानीसिंह और थानाधिकारी गणेश कुमार के साथ पुलिस बल मौके पर पहुंचा। टीम ने हिस्ट्रीशीटर के एक भूखंड की चारदीवारी, दो कमरों का अवैध निर्माण और अन्य कब्जों को बुलडोजर से ध्वस्त कर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया।

- हिस्ट्रीशीटर ने पालिका की जमीन पर कई जगह अवैध कब्जे कर रखे हैं

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारियों की पेन डाउन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

पावटा। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारियों का राज्यव्यापी आंदोलन लगातार जारी है। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कर्मचारियों ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी आधा कार्य दिवस पेन डाउन हड़ताल रखी, जिससे पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर के कार्य प्रभावित रहे। राजस्थान पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संघ, उप शाखा पंचायत समिति पावटा के ब्लॉक अध्यक्ष फूलाराम यादव ने बताया कि मंत्रालयिक कर्मचारियों का आंदोलन 1 जून 2026 से प्रदेशभर में चल रहा है। आंदोलन के तीसरे चरण के तहत ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला परिषद कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से पेन डाउन कर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि कर्मचारी स्वतंत्र कार्य विभाजन, कैडर रिव्यू, नोशनल बेनिफिट, अंतरजिला स्थानांतरण, हार्ड ड्यूटी भत्ता एवं अतिरिक्त पंचायत भत्ता सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। जब तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। पंचायत समिति पावटा में आयोजित पेन डाउन हड़ताल में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ सहायक एवं कनिष्ठ सहायकों सहित विभाग के अनेक कर्मचारी शामिल रहे। कर्मचारियों ने एकजुटता दिखाते हुए सरकार से जल्द वार्ता कर मांगों का समाधान करने की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष फूलाराम यादव ने कहा कि मंत्रालयिक कर्मचारी लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक समाधान नहीं होने के कारण आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने सरकार से कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारियों का राज्यव्यापी आंदोलन

पूर्व केंद्रीय मंत्री भँवर जितेंद्र सिंह का जन्मदिन मनाया

खुदनपुरी, अलवर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री भँवर जितेंद्र सिंह जी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर आज 11 जून को आदर्श-विमंदित-विद्यालय, खुदनपुरी अलवर में सायं 4 बजे केक काटकर बच्चों को कपड़े एवं भोजन वितरण कर सेवा और स्नेह के साथ सेवाभाव से शहर महिला कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक (ब) की अध्यक्ष सुनीता राजकुमार शर्मा के नेतृत्व में जन्मदिन मनाया गया।

कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश गंगावत, नगर परिषद की पूर्व सभापति एवं महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमलेश सैनी , राजकुमार शर्मा, हंसिका शर्मा, उमेश शर्मा, राहुल पटेल , संस्था प्रिंसिपल पायल प्रधान, अर्चना, सुनील कौशिक, मनमोहन, सतीश सहित सभी सम्मानित साथियों ने इस पुनीत कार्यक्रम में पधारकर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने में अपनी सहभागिता निभाई।

नारी चौपाल आयोजित

लालसोट। पंचायत समिति परिसर लालसोट में "महिला विकास से महिला नेतृत्व आधारित विकास की ओर" विषय पर नारी चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकास अधिकारी बाबूलाल मीणा, सीबीईओ सत्यनारायण मीणा, बीसीपीएमओ डॉ. राजपाल मीणा,

- **महिलाओं को राजीविका, स्वास्थ्य की जानकारी**

कृषि अधिकारी चरतलाल मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने महिलाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा समाधान की जानकारी दी। चौपाल में महिलाओं को राजीविका, स्वरोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं सामाजिक न्याय विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ सम्पन्न

मनोहरपुर । हजरत बावड़ी वाले सैय्यद बाबा का वार्षिक उर्स कूल कि रस्म के साथ मे विधिवत सम्पन्न हो गया। बुजुर्गानेदीन के खिदमतगार सलीम शाह बाबा व मुमताज़ बाबा ने बताया कि सांयकाल बाबा के चद्दर का जुलुस निकला जिसमे हिन्दू मुस्लिम जायरीनो ने शिरकत कि व धूप वर्षा की दरगाह के ख़ादिमो ने बाबा के चद्दर पेश कि इस दौरान उपस्थित जायरीनो के मुख से यही स्वर फुट रहे थे कि निगाहें वली मे वो तासीर देखी बदलती हुई रंग हजारों कि तक़दीर देखी इसके साथ मे भारत देश की खुशहाली की दुआएं मांगी गई।

इसके बाद मे लज्जतदार लंगर वितरण किया गया जिसमे अकीदतमंदो ने बड़े ही चाव से खाया। इसके बाद मे रात्रि 10 बजे से सम्पूर्ण रात्रि तक महफिल ए शमा का आयोजन किया गया जिसमे राजस्थान कि प्रसिद्ध कव्वाल पार्टी द्वारा बाबा कि मान मनुहार की गई। कव्वालो ने ऐसा ही इतना दिया मेरे बावड़ी वाले सय्यद बाबा ने जितनी मेरी ओकात नहीं है गाया तो इस कव्वाली पर जायरीन झूम उठे व नोटों की बरसात की।

अग्नि सुरक्षा को लेकर नगरपालिका सख्त, 18 संस्थानों को नोटिस

पावटा। स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशों की पालना में नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा ने अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सख्ती शुरू कर दी है। नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी फतह सिंह मीना के आदेशानुसार कार्यवाहक अग्निशमन अधिकारी धर्मेंद्र कुमार यादव द्वारा क्षेत्र के कानोडिया प्राइवेट लिमिटेड, लाडाकाबास, नायरा पेट्रोल पम्प, लाडाकाबास, एचपी पेट्रोल पम्प एनएच 48 (जयपुर रोड), तिरुपति फ्यूल सेंटर, श्री कृष्णा पेट्रोल पम्प पावटा पुलिया के पास, एसएचएम कॉलेज सहित 18 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कॉलेजों, पेट्रोल पंपों, अस्पतालों एवं अन्य संस्थानों को अग्नि सुरक्षा उपकरण स्थापित करने तथा फायर सेफ्टी एनओसी प्राप्त करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। नगर पालिका प्रशासन द्वारा जारी नोटिसों में संबंधित संस्थानों को निर्धारित समयावधि में अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने और फायर सेफ्टी मानकों की पालना करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि नियमों की अवहेलना पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्यवाहक अग्निशमन अधिकारी धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि सार्वजनिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आगजनी जैसी आपात स्थितियों से बचाव के लिए अग्नि सुरक्षा उपकरणों का होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से विभागीय निर्देशों के तहत यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फायर सेफ्टी एनओसी केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जन सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। सभी संस्थानों को अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास, सुरक्षा संकेतक एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी, ताकि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में जनहानि और संपत्ति के नुकसान को रोका जा सके। नगरपालिका की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा मानकों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विश्व रिकॉर्ड अभियान से जुड़ने का आव्हान

पावटा। अंतराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के उद्देश्य से 14 जून को विशेष ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट पावटा डॉ. साधना शर्मा ने सभी विभागों, संस्थाओं और आमजन से अधिकाधिक भागीदारी की अपील की है। जारी अपील के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं हैबिल्ड हेल्थ टेक प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में 14 जून 2026 को प्रातः 6:15 बजे से 7:35 बजे तक यूट्यूब प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन योग सत्र आयोजित होगा।

इस दौरान एक साथ सर्वाधिक लोगों द्वारा योगाभ्यास कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों को अपने मोबाइल फोन से टोल-फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीयन कराना होगा।

भांकरी में जनसुनवाई के दौरान सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड भांकरी स्थित आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न गांवों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं और मांगें विधायक कुलदीप धनकड के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान आमजन से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा अन्य जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों और मांगों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

टीम दिगराज सिंह ने चलाया 'पक्षी बचाओ-परिंडे लगाओ' अभियान

शाहपुरा । भीषण गर्मी के मौसम में पक्षियों को राहत पहुंचाने और जल संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से टीम दिगराज सिंह शाहपुरा द्वारा 'पक्षी बचाओ-परिंडे लगाओ' अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और सार्वजनिक स्थलों पर पानी के परिंडे लगाए जा रहे हैं, ताकि गर्मी के दिनों में पक्षियों को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके । अभियान के अंतर्गत मनोहरपुर नगरपालिका क्षेत्र, शाहपुरा, घासीपुरा, सुराणा, कुंभावास, बिशनगढ़, खोरी, अमरसर सहित कई स्थानों पर परिंडे लगाए गए।

इस दौरान टीम के सदस्यों ने लोगों से भी अपने घरों, मंदिरों, सार्वजनिक स्थलों और खेतों में परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित हंसराज कसाणा ने कहा कि बेजुबान पक्षियों की सेवा करना मानवता का सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने आमजन से इस नेक पहल में भागीदारी निभाने का आव्हान किया।

टीम संयोजक दिगराज सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में टीम द्वारा परिंडे लगाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों को पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान पूरे ग्रीष्मकाल में निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं जीवों के प्रति संवेदनशीलता का भाव जागृत करना है। टीम के इस प्रयास की क्षेत्रवासियों ने सराहना करते हुए इसे समाजहित में एक प्रेरणादायक पहल बताया।

शिविर में योग प्रशिक्षण शुरू

लालसोट। पीएम श्री श्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट में संचालित अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर के अंतर्गत प्रतिभागियों को कौशल विकास गतिविधियों के साथ-साथ योग प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। योग गुरु गोपाल सिंह राजपूत द्वारा प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे से 8:30 बजे तक योग कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। शिविर प्रभारी गोविन्द सहाय शर्मा ने बताया कि आगामी 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को ध्यान में रखते हुए विशेष योग कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। इन कक्षाओं में योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योग कक्षाओं में शिविरार्थियों के साथ-साथ आमजन भी भाग ले सकते हैं। योग प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा का विकास हो रहा है।

बिलाहेड़ी में केंद्रीय मंत्री की मौजूदगी में 3.83 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण

किशनगढ़ बास। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने बुधवार को पंचायत समिति कोटकासिम के ग्राम बिलाहेडी में श्री श्री 1008 सुखदाई नाथ जी महाराज के भंडारे एवं धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में करीब 3.83 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा

- **सुखदाई नाथ जी महाराज के भंडारे में पहुंचे केंद्रीय मंत्री**

संत की तपस्या का असर है कि पीढ़ियों बाद भी लोग उन्हें श्रद्धा से याद करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिलाहेडी के खेल मैदान की चारदीवारी, सीसी सड़क व नाली निर्माण, विभिन्न ग्रामों में सीमेंट पाइप लाइन से गंदे पानी की निकासी, पशु चिकित्सालय भवन, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, पेयजल बोरिंग समेत अन्य आधारभूत कार्यों का लोकार्पण किया। इसके साथ

अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने बिलाहेड़ी में सुखदाई नाथ जी महाराज के धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत की।

उन्होंने बिलाहेडी में पेयजल टंकी निर्माण, बिलाहेडी बगीची की चारदीवारी तथा जाटूवास जाट में राजकीय पशु चिकित्सालय भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। केंद्रीय मंत्री ने यूपीएससी में सफल पंकज यादव, एन डी ए में चयनित सुनील कुमार, विश्व योग प्रतियोगिता में रजत पदक विजेता सुनीता यादव और माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने वाले भूपेंद्र सिंह अनाका निवासी को बधाई दी। बोले जिले के युवाओं ने शिक्षा, खेल, योग और साहसिक गतिविधियों में नाम रोशन किया है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व विकास देखा है। अनुच्छेद 370 हटना, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, गरीब कल्याण योजनाओं, किसानों-महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे निर्णयों ने भारत को नई दिशा दी है। 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए खेल सुविधाओं के साथ 138 सरकारी विद्यालयों में ई-लाइब्रेरी स्थापित की गई है।

खोया पाया

मेरे मकान नंबर डी-506 मालवीय नगर जयपुर का दिनांक 08.12.2003 के विक्रय पत्र (Sale Deed) का नक्शा (Map) गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें। विनोद गेरा डी-506 मालवीय नगर जयपुर-992801725

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-1311 दिनांक-05.06.2026

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की सामान्य पंजीकरण योजना वर्ष 1982 के अन्तर्गत जरिये आवेदन फार्म संख्या आर/82/88642 के द्वारा पंजीकरण राशि रूपये 4,600/- जमा कराकर पंजीकरण करवाया था। जिसका वरीयता क्रमांक P-941/MIG-B/G-1/HPS/1982 (P-00/JOG/HPS/G1/2010) प्रताप नगर, सांगानेर का पंजीकरण श्री रमेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री प्रभुदत्त शर्मा को किया जाकर पूर्व ग्रहण राशि मांग पत्र 527 दिनाक 14.09.1999 के द्वारा जारी किया गया था। श्री रमेश चन्द्र शर्मा की मृत्यु दिनांक 22.04.2025 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती विमला देवी शर्मा पत्नी स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा द्वारा उक्त पंजीकरण को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त पंजीकरण के हस्तान्तरण बावत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती विमला देवी शर्मा पत्नी स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री अर्जुन कुमार तेजवानी पुत्र स्व0 चुहडमल निवासी 547 ग्राउण्ड फ्लोर सुभाष कॉलोनी शिव शक्ति कॉलोनी शास्त्री नगर जयपुर के द्वारा अपने पुत्र हरीश तेजवानी तथा उसकी धर्म पत्नी नेहा तेजवानी निवासीयान प्लाट नंबर 102 फोर्थ फ्लोर सिंधी कॉलोनी नाहरी का नाका जयपुर जो कि दोनो अपने विवाह के उपरान्त से ही मेरे अभिभाष्य के अनुसरण मे नही रहे है तथा ये दोनो पति पत्नी अपनी मनमानी कर अपना स्वतन्त्र जीवन यापन कर रहे है तथा इनके द्वारा अपने ही पिता अर्थात मेरे अभिभाष्य के प्रति अपनी किसी भी जिम्मेदारी का निर्वहन नही किया जा रहा है ऐसी स्थिति में मेरे अभिभाष्य ने अपने उक्त पुत्र व पत्रवधु (इन दोनो पति पत्नी) को अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से पूर्णतया बेदखल कर दिया है यदि कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था या जन साधारण के द्वारा संव्यवहार किया जाता है तो इसके लिये ये दोनो ही स्वयं जिम्मेदार होगे सूचित रहे।

जयपुर दिनांक :- अभिषेक शर्मा, एडवोकेट मो. नंबर : 9314224259

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 289, क्षेत्रफल 565 वर्गगज, योजना फ्रन्टियर कॉलोनी, आदर्श नगर जयपुर का विक्रय पत्र / पट्टा संख्या 1986 दिनांक 03.04.1970 को श्री अजीत सिंह पुत्र तेजा सिंह के हक में जारी किया गया था। पट्टाधारी श्री अजीत सिंह (मृत्यु 14.02.1988) उनकी पत्नी श्रीमती लाजवन्त कौर (मृत्यु 09.10.1999) व पुत्र नरेन्द्र सिंह बग्गा (मृत्यु 06.02.1990) व पुत्र हरभजन सिंह (मृत्यु 31.12.1994) के देहांत के पश्चात इनके संपूर्ण विधिक वारिसानों के मध्य स्वतंत्र सहमति और मौका-ए-कब्जानुसार पैतृक संपत्ति पारिवारिक बंटवारानामा पंजीकृत (उप-पंजीयक जयपुर सप्तम, क्रम संख्या 201903021109416) दिनांक 09.10.2019 को निष्पादित किया गया। उक्त बंटवारानामा के अनुसार विक्रेत्री मनजीत कौर धर्मपत्नी स्व. श्री नरेन्द्र सिंह बग्गा पुत्रवधू स्वर्गीय श्री अजीत सिंह के हिस्से की संपत्ति को बंटावारानामा में हरे रंग से प्रदर्शित कर 'बी' नाम से अंकित कर रखा है। बंटवारानामा अनुसार विक्रेत्री की हकशुदा संपूर्ण संपत्ति, जो कि उत्तर-पूर्व में स्थित खुली भूमि 60.125 वर्गगज एवं 60 फीट रोड पर पश्चिम मुखी निर्मित दुकान 14.58 वर्ग गज अर्थात कुल 74.70 वर्गगज संपूर्ण संपत्ति को मेरे अभिभाष्यगण क्रेत्री/क्रेता श्रीमती कुसुमलता अग्रवाल पत्नी श्री राजकुमार गुप्ता/श्री राजकुमार गुप्ता पुत्र स्व. श्री मित्रसेन गुप्ता को विक्रय किया जाना तय किया गया है। जिसके प्रतिफल स्वरूप अग्रिम राशि कुल रुपए पचास हजार जरिये ईएफटी ट्रांसफर, श्रीमती मनजीत कौर ने अलग-अलग दिनांक को प्राप्त कर ली है। उक्त विक्रय के कम में बंटवारानामा के पक्षकारगण, विधिक वारिसान, अंतिरिति, समुनुदेशिती और कब्जाधारी व अन्य व्यक्ति, संस्था, निकाय, आमजन को किसी भी प्रकार की आपत्ति हक, अधिकार, दावा हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में अपना हक या आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे, अन्यथा मेरे अभिभाष्यगण के द्वारा उक्त सम्पत्ति का क्रय कर लिया जायेगा एवं उसके पश्चात् क्रय की हुई सम्पत्ति पर किसी प्रकार को कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा।

राकेश कुमार दाधीच एडवोकेट Ph. 9414554025

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

संख्या डबलू/118/निविदा/व.म.ई.(सम0) जयपुर/इन्जीनियरिंग दिनांक 09.06.2026

मण्डल रेल प्रबन्धक इंजीनियरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई दृनिविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए कमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क्र.सं. 1. निविदा संख्या/कार्य का नामः** इंजी./जय/2026-27/53 ADEN/HQ/II सब-डिविजन - DO-GGC सेक्शन में बैंक प्रोटेक्शन का काम, जैसे कि टो वॉल, पिचिंग और सेस (cess) की मरम्मत का काम। **अनुमानित लागतः** रु. 2,43,77,777.83 **बिड प्रति भूति राशिः** रु. 4,87,600/-; 1. उपरोक्त निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड-मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2. निविदा इंजी./जय/2026-27/53 की बन्द होने की तिथि 30.06.2026 समय 15.00 बजे एवं खुलने की तिथि 30.06.2026 समय 16.00 बजे।

854-PH/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नाम परिवर्तन

I, Pelani Rabha W/o Late Hareshwar Rabha, my name is incorrectly recorded as Phelani Rabha in Service record (2706731H) correct name as in all civil documents is PELANI RABHA

I, Biju Rabha S/o late Hareshwar Rabha my father's name is incorrectly recorded as Hareswar Rabha in my service record (2706731H) his correct name as in all civil document is HARESHWAR RABHA

I, SHANTA is legally mother of No. 8038314H LNK (GD) Sechin Patil, Presently Residing at Village, Nerli, Post Nerli, Teh: Hukkeri, Police Station Sankeshwar, Dist: Belagavi, State: Karanataka, PIN-591340 have changed my name from SHANTA to SHANTA KALAGOUDA PATIL Vide affidavit No. IN RJ82295007918621Y date 02.06.2026.

I, KALAGOUDA is legally father of No. 8038314H LNK (GD) Sechin Patil, Presently Residing at Village, Nerli, Post Nerli, Teh: Hukkeri, Police Station Sankeshwar, Dist: Belagavi, State: Karanataka, PIN-591340 have changed my name from KALAGOUDA to KALAGOUDA SHIVAGOUDA PATIL Vide affidavit No. IN RJ8229506541586Y date 02.06.2026.

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 660/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री सुनील कुमार पाटनी निवासी सी-1 किसान मार्केट लिंक रोड बगरू, सांगानेर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्रीमती लादी देवी चौथमल पाटनी चैरिटेबल ट्रस्ट सुनील कुमार पाटनी का मकान जैन नसियां के पास महावीर नगर, दहमी कला तहसील सांगानेर जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 02.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 10.08.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि. क्रम-4, जयपुर द्वितीय, जयपुर

दीवानी वाद संख्या 106/2026
डिस्पेच नं. 237 27521

श्री महेन्द्र यादव व अन्य
बनाम-श्रीमान् सचिव महोदय व अन्य
आमजन एवं आंमखास

उपरोक्त प्रकरण में वादीगणः (1) श्री महेन्द्र यादव (2) श्री विजेन्द्र यादव पुत्रान श्री धर्मपाल यादव (3) श्रीमती कान्ता यादव पुत्री धर्मपाल यादव पत्नि श्री ईश्वर सिंह (4) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नि श्री धर्मपाल यादव, निवासीयान-ग्राम खटवाडा, अहीर ढाणी, ग्राम पंचायत व पोस्ट महापुरा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान। ने विरूद्ध प्रतिवादीगण (1) श्रीमान सचिव महोदय / ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत महापुरा, पोस्ट महापुरा, अजमेर रोड के पास, पंचायत समिति व तहसील सांगानेर, जिला जयपुर (2) श्रीमान कलेक्टर महोदय, जयपुर, कलेक्ट्रेट परिसर, बनीपार्क, जयपुर (राज.) (3) श्रीमान मुख्य सचिव महोदय, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय (सेक्रिटेट), तिलक मार्ग, सी-स्कीम, अशोक नगर, जयपुर (4) एस.एच.ओ. पुलिस थाना, सेज, जयपुर, पश्चिम, अजमेर रोड के पास, जयपुर (5) आमजन एवं आम खास, उक्त वादीगण ने उक्त न्यायालय में श्री धर्मपाल यादव पुत्र श्री रामचंद्र यादव, निवासी ग्राम खटवाडा, अहीर ढाणी, ग्राम पंचायत व पोस्ट महापुरा, तहसील सांगानेर, जिला-जयपुर, राजस्थान के लापता होने से उनकी सिविल मृत्यु घोषित किये जाने हेतु वाद पेश किया है। यदि कोई भी व्यक्ति इस वाद में अपना हित रखता हो तों या पक्षकार बनना चाहता है तो नियत दिनांक 02.07.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष पेश करे।

अतः दिनांक 27.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मोहर अदालत

अपर सिविल न्यायाधीश एवं
न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-4
जयपुर द्वितीय जयपुर

कार्यालय नगर निगम भरतपुर

प्रारूप - (6 (7) देखिए)

सं. 22770329 **लोक सूचना** दिनांक 10.06.2026

श्री छत्तरभान सिंह पुत्र श्री कर्नल गिरधर सिंह जाति गुर्जर निवासी अटलबंध मण्डी धाऊ की हवेली, भरतपुर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
भरतपुर	चक नं. 01	1193	भरतपुर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तोवज के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपरोक्त नियम समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 2026 (वर्ष) 06 (मास) के 10 दिन की जारी की जाती है।

दिनांक : 10.06.2026, स्थान : भरतपुर श्रवण कुमार, प्राधिकृत अधिकारी, नगर निगम, भरतपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रय पत्र दिनांक 11.06.2021 को पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 1210 में पृष्ठ संख्या 84 क्रम संख्या 202103015104825 पर चस्पा किया गया। विक्रेतागण-श्रीमती निशी गोयल, नीता गोयल, निधी अग्रवाल क्रेता-सचिन जैन की मूलप्रति खो गई है जो मिल नहीं रही है। यदि किसी भी व्यक्ति को मिलने पर 7 दिवस में सूचित करें।

रवि प्रताप खंडोलिया (एडवोकेट), मो. 6376409447

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति सूरजगढ (झुंझुनूं)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

क्रमांक- 142-51 दिनांक-11.06.2026

निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति चिडावा द्वारा वर्ष 2026-27 (01.07.2026 से 30.06.2027) के लिए निम्न कार्य/सेवाऐं/व्यवस्थाओं की दरों का अनुबन्ध किये जाने हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निम्नानुसार निर्धारित प्रपत्र में मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	विवरण	निविदा फार्म शुल्क	धरोहर राशि	निविदा फार्म प्राप्त करने की दिनांक व समय	निविदा फार्म जमा करने की दिनांक व समय	निविदा फार्म खोलने की दिनांक व समय
1	सफाई व्यवस्था ठेका	100/-	7000	19.06.2026 को प्रात 11.30 बजे तक	22.06.2026 को प्रात 11 बजे तक	23.06.2024 को 12.00 बजे तक
2	कम्प्यूटर ऑपरेटर	100/-	9500			
3	जीप किराया ठेका	100/-	3500			

निविदा फार्म दिनांक 19.06.2026 को 11.30 बजे तक मण्डी समिति कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। निविदा सम्बन्धित समस्त अधिकार मण्डी समिति के पास सुरक्षित रहेंगे।

प्रशासक
कृषि उपज मण्डी समिति
सूरजगढ

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति
सूरजगढ

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक-न.नि.भ./स्कीम/2026-27/5800 दिनांक-11.06.2026

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न भूखण्डधारियों द्वारा अपने भूखण्ड का नियमन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्डों का नियमन आवेदकों के पक्ष में करने पर किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के सात दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर देवे अन्यथा आवेदकों के पक्ष में नियमन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र.सं.	फाईल नं.	नाम	पिता/पति का नाम	भू.सं.	योजना
1	362310	नरेश कुमार कपूर, तिलक राज कपूर	ईश्वर दत्त कपूर	109, 110	75 बीघा
2	362298	नरेश कुमार कपूर, तिलक राज कपूर	ईश्वर दत्त कपूर	107, 108	75 बीघा
3	361872	गुडिया	समय सिंह	235	जसवंत नगर विजय नगर फेंज-2
4	361436	आदित्य गोयल, अशीष गोयल	बैजनाथ गोयल	ए 102	रनजीत नगर
5	361399	मानकचंद	रघुनाथ प्रसाद शर्मा	478	संजय नगर
6	360266	गोविन्द	पवन	483	आनन्द नगर फेज-3
7	359649	पुष्पा	टीकाराम	155	पैराडाइज कॉलोनी
8	359637	रेखा	देवेन्द्र सिंह	103	महाराजा सवाई बृजेन्द्र सिंह नगर
9	358944	प्रयाग देवी गर्ग	मदन मोहन गर्ग	524	सूरजमल नगर
10	357500	रजील खान	लट्टूर खान	153	आनन्द नगर फेज-1
11	357119	चिराग गोयल	अरविन्द गोयल	28	75 बीघा
12	357030	हेमंत शर्मा	भूदेव सिंह लवानिया	37	अनुजय नगर
13	355605	श्याम सिंह	कायम सिंह	216	बजरंग नगर 75 बीघा
14	355336	प्रवीण कुमार खण्डेलवाल	कुन्दन लाल	62	75 बीघा
15	353473	पार्वती	मिट्ठू सिंह	97	स्टेडियम नगर
16	353327	सुंदर सिंह	बदन सिंह	डी 14	तिलक नगर फेज-1
17	352245	सुमन देवी	मलखान सिंह	500 ए	सूरजमल नगर
18	352244	सुमन देवी	मलखान सिंह	500	सूरजमल नगर
19	352211	महेन्द्र सिंह	खेम सिंह	50 ए	बृजनगर आरकेपूरम
20	352209	गोपाल सिंह	खेम सिंह	50	बृजनगर आरकेपूरम
21	352202	लोकेन्द्र सिंह	खेम सिंह	50 बी	बृजनगर आरकेपूरम
22	352205	श्याम सिंह	खेम सिंह	50 सी	बृजनगर आरकेपूरम
23	352153	रामो	मदनलाल सैनी	84	सूरजमल नगर
24	352151	मोहन सिंह सैनी	मल्लू राम	178	सूरजमल नगर
25	350995	गुन्जन अग्रवाल	संतोष कुमार सिंघल	30	अनुजय नगर
26	350988	मनीष कुमार सिंघल, विकास,विशाल	ओमप्रकाश सिंघल	16	अनुजय नगर
27	350984	मनीष कुमार सिंघल, विकास,विशाल	ओमप्रकाश सिंघल	35	अनुजय नगर
28	350947	राजेश कुमार	छगन लाल	43	अनुजय नगर
29	312324	कमलेश	धर्मपाल	27	संजय नगर फेज-3
30	312288	रवि कुमार	स्व. जोगेन्द्र सिंह	27-ए	संजय नगर फेज-3
31	357742	महेन्द्र सिंह	छिद्दीराम	279	आनन्द नगर फेज-3
32	350946	नेहा जैन	हितेश जैन	31	अनुजय नगर
33	350945	सीमा गर्ग	विष्णु कुमार गर्ग	103	अनुजय नगर
34	350942	ममता	वीरेन्द्र कुमार	08	जसवंत नगर
35	348834	मनोरमा जैन	राकेश कुमार जैन	15	कोठी दलवीर सिंह
36	348795	रामभरोसी	भीम सिंह	220	आनन्द नगर फेज-3
37	348156	वेजन्ती देवी	शिव लहरी शर्मा	317	75 बीघा
38	362800	भावना गुप्ता, नीलम कुमारी, रश्मि गोयल	सुनील कुमार गोयल, महेश, महेन्द्र	डी-24-ए-बी	तिलक नगर फेज-1
39	363480	भावना गुप्ता, नीलम कुमारी, रश्मि गोयल	सुनील कुमार गोयल, महेश, महेन्द्र	बी-24-ए	तिलक नगर फेज-1
40	347712	मालती	गंभीर सिंह	981, 982	गांधी नगर
41	346746	शिवलहरी शर्मा	चरन लाल शर्मा	58	75 बीघा
42	346750	शिवलहरी शर्मा	चरन लाल शर्मा	58-डी	75 बीघा
43	346752	शिवलहरी शर्मा	चरन लाल शर्मा	58-सी	75 बीघा
44	302726	सुनीता कुमारी	ललित किशोर	108	संजय नगर विकास नगर फेज-1
45	307568	सोनिया कुमारी	राजेश शर्मा	14-ए	रेलवे कॉलोनी
46	235203	शकुंतला देवी	रमेश चंद शर्मा	1171	गांधी नगर
47	332844	रामवती शर्मा, लोकेश, विष्णुदत्त,सौरभ	शिम्भु दयाल शर्मा	155	दीनदयाल नगर
48	342965	हरेन्द्र सिंह	श्यामलाल	33	संजय नगर विकास नगर फेज-4
49	345578	विक्रम सिंह	पाली सिंह	249	जगन्नाथपुरी

आयुक्त, नगर निगम, भरतपुर

राजेश पायलट गरीब, किसान और मजदूर वर्ग के कल्याण के लिये सदैव समर्पित रहे: सांवत गुर्जर

कोटपूतली। लोकप्रिय किसान नेता व पूर्व केन्द्रिय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि गुरूवार को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर जगह- जगह श्रद्धांजलि कार्यक्रमों व सेवा कार्यो का आयोजन हुआ। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व कांग्रेस नेता सांवत गुर्जर के नेतृत्व में यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविधालय स्थित राजेश पायलट की प्रतिमा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, आमजन, सामाजिक कार्यकर्ताओं व महाविधालय स्टॉफ सदस्यों द्वारा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

कोटपुतली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आमजन ने राजेश पायलट को श्रद्धांजलि दी।

■ राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर विभिन्न सेवा कार्यो व श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन

कांग्रेस नेता सांवत गुर्जर ने कहा कि राजेश पायलट गरीब, किसान और मजदूर वर्ग के कल्याण के लिये सदैव समर्पित रहे और उन्होंने हमेशा अपने सिद्धांतों पर अडिग रहकर राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि माना। उन्हें देश में किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के उत्थान के लिए मजबूत आवाज उठाने वाले नेता के रूप में देखा जाता है।

उनकी पुण्यतिथि को प्रतिवर्ष प्रेरणा दिवस के रूप में मनाते हैं और उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। वहीं दूसरी ओर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटपूतली व नारेहड़ा के संयुक्त तत्वाधान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी की अध्यक्षता में किसान नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित किये गये।

इस मौके पर पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने किसान नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि किसान, मजदूर, दलित-वंचित व अल्पसंख्यक वर्ग अपने हित चिंतक और उनकी मुखर आवाज को युगों-युगों तक याद रखेगें।

पायलट ने अपने संघर्ष, सादगी और जनसेवा के माध्यम से भारतीय राजनीति में एक नया मुकाम हांसिल किया और एक नई पहचान स्थापित की।

उन्होंने किसानों, मजदूरों, युवाओं और गरीबों के अधिकारों की आवाज बनकर समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। उनका सम्पूर्ण जीवन जनहित, सामाजिक न्याय और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित रहा।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट का संघर्ष, सादगी, जनसेवा और किसानों के हितों के प्रति समर्पण सदैव हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। उनके आदर्श एवं विचार आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

संगठन महामंत्री वी.के. नवल ने बताया कि इस दौरान पूर्व विधायक रामचंद्र रावत, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व कांग्रेस नेता सांवत गुर्जर, जगदीश मीणा, कविता टोरड़ा, मालीराम कसाणा, पं. किशोरी लाल शर्मा, जगमाल सिंह यादव समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वांछित 4 आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत पुलिस थाना निवाई द्वारा शादी कर रूपये व गहने चोरी करने वाली शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया। इस कार्यवाही में धोखाधड़ी कर रात्रि के समय घर से गहना व रूपये चुराकर एक वर्ष से फरार चल रही आरोपी दुल्हन सोनु शर्मा व शादी करवाने वाली बिचोलिया महिला संगीता राजपुत को गिरफ्तार किया गया है। निवाई थानाधिकारी घासीराम ने बताया कि थाना के लंबित चल रहे प्रकरणों में कार्यवाही करते हुए थाना पुलिस टीम ने गिरोह के सदस्यों द्वारा रूपये लेकर शादी करना व शादी के 7-8 दिन बाद मौका पाकर रात्रि के समय घरवालो को नींद की गोलिया देकर घर से गहने व रूपये चुराकर फरार होने वाली लुटेरी दुल्हन सोनु शर्मा पत्नि मनोज शर्मा उम्र 29 साल निवासी अहमदगढ पुलिस थाना अहमदगढ जिला बुलन्दशहर उत्तर प्रदेश व शादी करवाने वाली बिचोलिया महिला आरोपीया संगीता पत्नि शिवसिह राजपुत उम्र 39 साल निवासी कचनार की मढैया घरांमउ पुलिस थाना सिकन्द्रा जिला कानपुर उत्तर प्रदेश को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

दस्तावेजों के सत्यापन की अन्तिम तिथि कल

निवाई। राजकीय महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष की मेरिट व वेटिंग लिस्ट जारी कर दी गई है। प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी बघेल ने बताया कि आयुक्तालय के निर्देशानुसार ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक प्रथम वर्ष के कला व विज्ञान संकाय की मेरिट व वेटिंग लिस्ट जारी की गई है। प्रवेश नोडल अधिकारी प्रोफेसर मदनमोहन महावर ने बताया कि महाविद्यालय में दस्तावेज का सत्यापन 10 से 13 जून तक किया जाएगा। मेरिट व वेटिंग सभी विद्यार्थी ई-मित्र से बधाई पत्र निकालकार अपने सभी मूल दस्तावेज व सभी की प्रतिलिपि लेकर महाविद्यालय में 11 से 2 बजे तक उपस्थित होवें। वेटिंग लिस्ट के विद्यार्थियों को भी अभी फीस जमा करवानी है।

'भजनों की प्रस्तुति पर श्रोता झूम उठे'

राजगढ़। कस्बे के गोविंद देव जी मंदिर में तीन जून से चल रही भक्तमाल कथा में गुरवार को भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति पर श्रोता महिला पुरुष झूम उठे। कथा वाचक नरेंद्र गौड़ के भावपूर्ण कथा वाचन एवं सुदामा कृष्ण की झांकी के साथ मनोहारी भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ कमाया। इस दौरान आकर्षक झांकी सजाई गई। भक्तमाल कथा के समापन से पूर्व गुरुवार को राज ऋषि अभय समाज अलवर के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता पंडित धर्मवीर शर्मा, गोल मार्केट हनुमान मंदिर के महंत पंडित उदयभान शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण किया। कथा प्रवचन के दौरान जब "आओ आओ सांवरिया बेगा आओ" की मधुर प्रस्तुति हुई, तो श्रोता भाव-विभोर होकर नाचने लगे। ढोल एवं संगीत से ओतप्रोत माहौल में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक एवं महिलाओं ने नृत्य कर अपनी आस्था प्रकट की। वातावरण "कृष्ण-सुदामा की जय" और "राधे-राधे" के जयकारों से गूंज उठा । गोविंद देव जी मंदिर के महंत गोस्वामी दिलीप मुखर्जी ने बताया कि कथा का समापन 12 जून को होगा। गुरुवार को कथा के बाद प्रसाद वितरित किया गया। इसी दौरान मंदिर परिसर में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

सीएच वेंकटचलम बने एआईबीईए के महासचिव

निवाई। ऑल इण्डिया बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन के महासचिव के पद पर पुन: कॉमरेड सीएच वेंकटचलम को मनोनीत किया है। ऑल राजस्थान एसबीआई एम्प्लाइज एसोसिएशन के चैयरमैन महेश मिश्रा ने बताया कि एआईबीईए का कॉमरेड सीएच वेंकटचलम को पुन: महासचिव के पद पर निर्वाचित होने पर संगठन में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने बताया कि नवनियुक्त महासचिव सीएच वेंकटचलम का अनुभवी नेतृत्व, संघर्षशील सोच एवं कर्मचारियों के हितों के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणादायी है। ऑल राजस्थान एसबीआई एम्प्लाइज एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव कॉमरेड गौरव कुमार शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों को पूर्ण विश्वास है कि इनके मार्गदर्शन में एआईबीईए और अधिक सशक्त, एकजुट एवं प्रगतिशील बनेगा। इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने महासचिव सीएच वेंकटचलम के सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

टोंक में कांग्रेस जनो ने राजेश पायलट को पुष्पाजंली अर्पित कीं

टोंक। पूर्व केंद्रीय मंत्री किसान नेता राजेश पायलट की (पुण्यतिथि) प्रेरणा दिवस पर गुरूवार को जिला मुख्यालय स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के राजीव गांधी सभागार में कांग्रेस पदाधिकारिओ व कार्यकर्ताओं द्वारा राजेश पायलट के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस मौके पर पायलट की पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखकर उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर शहर ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग ने कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट कि सादगी, साहस और जनसेवा उनके व्यक्तित्व की पहचान थी, जीवनभर किसानों, वंचितों, श्रमिकों और शोषितों के अधिकारों के लिए पायलट ने संघर्ष किया तथा देशहित को अपने जीवन का सर्वोच्च धर्म माना। इस अवसर पर जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान, शब्बीर अहमद, सेवादल जिला अध्यक्ष अब्दुल खालिक, बरकत हसीन, रशीद मोहम्मद, रामलाल संडीला, युसूफ खान यूनिवर्सल, राजेंद्र बोकाण, इम्तियाज़ खान, पंकज यादव, वासिद नूर आमिर फारूक, अजमल प्रिया आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी में राजेश पायलट को याद किया।

अंधड़ से हुए नुकसान का विधायक रामसहाय वर्मा ने किया दौरा

निवाई। उपखण्ड मुख्यालय सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में आए भीषण अंधड़ से ग्रामीणों के हुए भारी नुकसान का विधायक रामसहाय वर्मा ने निरीक्षण करके जायजा लिया। विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि इस भीषण अंधड़ और बरसात के कारण क्षेत्र के लोगों को जो भारी नुकसान उठाना पड़ा है, प्राकृतिक आपदा पर किसी का बस नहीं होता, लेकिन सरकार व प्रशासन का यह फर्ज है कि वह संकट में हर नागरिक की मदद करे। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि नुकसान का उचित आकलन करवाकर सभी पीड़ित जनों को नियमानुसार जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिलवाया जाएगा। विधायक ने मौके पर उपस्थित उपखंड अधिकारी अजीतसिंह राठौड़ को निर्देश दिए कि वह पूरी संवेदनशीलता के साथ नुकसान का सर्वे करवाएं ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत एवं सहायता राशि मिल सके। इस दौरान प्राकृतिक आपदा व बरसात से हुए नुकसान को लेकर विधायक रामसहाय वर्मा ने ग्रामीणों से चर्चा की। अवलोकन के दौरान उन्होंने गांव सुनारा, बीड सुनारा, शोभागपुरा, सुनारी, प्रतापपुरा, आकोडिय़ा व भड़ंगपुरा सहित दर्जनों गांवों में भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी के साथ दौरा किया।

सार-समाचार

जरूरतमंदों को बांटी खाद्य सामग्री

कोटपूतली। लोकप्रिय किसान नेता व पूर्व केन्द्रिय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर विभिन्न सामाजिक सरोकार के कार्यों का आयोजन किया गया। इस मौके पर युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल द्वारा यहां के राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को फल एवं ज्यूस का वितरण किया गया। साथ ही अस्पताल के ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान षिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 51 यूनिट रक्त संठाहित किया गया। इस दौरान डॉ. एस. के. अग्रवाल, डॉ. एस. पी. मौर्य, डॉ. संजीव मीणा, डॉ. पिस्ता मीणा, डॉ. सुमित्रा गुर्जर, डॉ. महेश कसाना, डॉ. महेश प्रधान, डॉ. अशोक यादव, डॉ. सीना मीणा सहित चिकित्सालय स्टॉफ एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कांग्रेस नेता भीम पटेल द्वारा घुमंतू परिवारों को भोजन के पैकेट और आवश्यक खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही जरूरतमंद बच्चों को अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध करवाई गई।

स्नातक सेमेस्टर प्रथम में प्रवेश प्रक्रिया व दस्तावेज सत्यापन शुरू

कोटपूतली। यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में शैक्षिणक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक सेमेस्टर प्रथम की मुख्य मेरिट सूची व प्रतीक्षा सूची जारी कर दी गई है। कॉलेज प्रशासन ने प्रवेश से जुड़ी महत्वपूर्ण गाईडलाइंस और अंतिम तिथि की घोषणा की है। 13 जून तक दस्तावेज सत्यापन व फीस जमा करना अनिवार्य :- प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने बताया कि मुख्य सूची और प्रतीक्षा सूची में शामिल सभी अभ्यर्थियों को कॉलेज में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थियों को अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन करवाना अनिवार्य है। दस्तावेज सत्यापन के तुरंत बाद अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रवेश शुल्क ई-मित्र के माध्यम से जमा करवाकर अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। दस्तावेज सत्यापन और फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 13 जून तय की गई है। प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने स्पष्ट किया है कि अंतिम तिथि में आगे किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। साथ ही महाविद्यालय में अंतिम तिथि बीत जाने के बाद लेट फीस (विलम्ब शुल्क) के साथ प्रवेश का कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। इसलिए सभी छात्र 13 जून तक आवश्यक रूप से कॉलेज पहुंचकर अपना डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और फीस जमा कराने का कार्य पूरा कर लें। प्रवेश समिति के नोडल अधिकारी डॉ. देशराज यादव ने उन छात्रों को बड़ी राहत दी है जिनके पास फिलहाल स्कूल से मिले मूल दस्तावेज नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले ऐसे अभ्यर्थी, जिन्हें उनके विद्यालय से अभी तक मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र और मूल चरित्र प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, वे परेशान ना हों। ऐसे छात्र एक सामान्य कागज पर शपथ-पत्र प्रस्तुत करके अपने अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन करवा सकते हैं। हालांकि अभ्यर्थियों को इस शपथ-पत्र के माध्यम से यह वचन देना होगा कि वे प्रवेश की तारीख से 15 दिनों के भीतर अपनी मूल टी.सी. और सी.सी. महाविद्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करवा देंगे। नोडल अधिकारी ने चेतावनी दी है कि यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित तिथि 13 जून तक अपने दस्तावेजों का सत्यापन नहीं करवाता है और शुल्क जमा नहीं करता है, तो उसका प्रवेश स्वत: ही निरस्त मान लिया जाएगा। ऐसी स्थिति में इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को सौंपा ज्ञापन

निवाई। कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती में पदों के वर्गीकरण से संबंधित समस्याओं को लेकर विशाल जांगिड़, देवेंद्र शर्मा एवं अजय ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ज्ञापन सौंपकर विद्यार्थियों की समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल के विशाल जांगिड़ ने बताया कि कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती में पर्याप्त परिपूरक पद नहीं होने से अभ्यर्थियों को हो रही परेशानियां होने से छात्र निराश हो रहे है। उन्होंने पदों में वृद्धि करवाने की मांग की। विद्यार्थियों बताया कि वर्तमान पद वर्गीकरण के कारण जनरल, ओबीसी, ईडब्लूएस एवं एमबीसी वर्ग के कई अभ्यार्थी शत प्रतिशत अंक प्राप्त लाने के बावजूद भी चयन से वंचित रह रहे हैं। अभ्यार्थियों मंत्री दिलावर से मांग की है कि जनरल, ओबीसी, ईडब्लूएस एवं एमबीसी वर्ग के पदों में शीघ्र वृद्धि की जाए एवं परीक्षा तिथि में उचित संशोधन किया जाए, ताकि पद वृद्धि के लिए प्रयासरत युवाओं को अपनी तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके और भर्ती प्रक्रिया अधिक न्यायसंगत एवं संतुलित बन सके।

श्रद्धालुओं को शरबत बांटा

निवाई। परमा एकादशी पर इन्दिरा कॉलोनी में स्थित श्याम मंदिर के बाहर श्री राधा महिला मंडल द्वारा श्रद्धालुओं को शरबत पिलाया गया। मंडल अध्यक्ष सरोज अग्रवाल ने बताया कि भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए श्याम भक्तों एव राहगीरों के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेज धूप में मंदिर के बाहर से गुजरने वाले सैकड़ों राहगीरों एवं श्रद्धालुओं ने ठंडे शरबत का आनंद लिया और महिला मंडल के इस सेवा कार्य की सराहना की। इस दौरान शिप्रा जैन, नीलम जैन, भावना खंडेलवाल, पिंकी, अनीता अग्रवाल, वंदना शर्मा, रेखा कुमावत, इंदु जैन, रश्मि विजय, ललिता अग्रवाल, नीतू गुर्जर, कविता शर्मा, रेखा जैन, पूजा शर्मा व संजू नामा सहित महिला मंडल के कई सदस्य मौजूद थे।

विष्णु महायज्ञ का भूमि पूजन

शाहपुरा। शाहपुरा शहर के तमियां स्टेडियम के सामने स्थित श्री गोविंद देव जी मंदिर में त्रिवेणी धाम के संत रामरिछपाल दास जी महाराज वह राम रतन दास जी महाराज डाकोर धाम के सानिध्य में 15 जुलाई को आयोजित होने वाले 51 कुंडात्मक महायज्ञ का दानेश्वर दास जी महाराज चित्रकूट धाम के द्वारा महाध्वजा व भूमि पूजन किया। पंडित विकास शास्त्री फतेहपुर बांसा के द्वारा वैदिक मंत्रों के द्वारा पूजा संपन्न कराई गई। महंत मुकेश मिश्रा व पुजारी राजेंद्र मिश्रा ने बताया कि शहर में 15 जुलाई को 51 कुंडात्मक श्री विष्णु महायज्ञ तथा श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन होगा।

शहरी सेवा शिविर-2026 का आयोजन शुक्रवार से

कोटपूतली। राज्य सरकार के निर्देशानुसार नगर निकाय क्षेत्रों में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं नागरिक सेवाओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से शहरी सेवा शिविर-2026 का आयोजन शुक्रवार 12 जून से 15 जुलाई तक किया जायेगा। शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाया जायेगा। शिविरों के दौरान शहर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए साफ-सफाई, सीसी/डामर सड़कों की मरम्मत, फुटपाथ निर्माण, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, अंधेरी एवं सुनसान सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था, प्रमुख चौराहों, डिवाइडरों एवं पार्कों का सौंदर्यीकरण सहित विभिन्न कार्य करवाए जायेंगे। साथ ही शिविरों में जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, साइन बोर्ड लाइसेंस, सीवर कनेक्शन, ओएफसी एवं मोबाइल टावर एनओसी, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक सेवाओं से संबंधित कार्य किए जायेंगे। शिविरों में विभिन्न योजनाओं के तहत पट्टे जारी करने, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी करने, नालियों की मरम्मत, सीवर लाइन लीकेज की समस्या का समाधान, नामांतरण, खांचा भूमि, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति, भू-उपयोग परिवर्तन सहित लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया जायेगा। नगर निकाय द्वारा आयोजित इन शिविरों में वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन योजनाओं के लिए नए आवेदन प्राप्त कर पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही आमजन के विभिन्न परिवादों एवं समस्याओं का मौके पर समाधान करने के प्रयास किए जायेंगे।

■ आमजन को एक ही स्थान पर मिलेंगी विभिन्न नागरिक सेवायें

शिविर प्रभारी एवं सहायक प्रभारी नियुक्त : शहरी सेवा शिविरों के सफल आयोजन के लिए शिविर प्रभारी के रूप में अभिषेक सैनी, सचिव तथा शिविर सहप्रभारी के रूप में कृष्ण कुमार यादव को नियुक्त किया गया है। शिविर का समय प्रात: 09:30 बजे से सायं 06 बजे तक रहेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 जून को नगर परिषद कार्यालय में वार्ड संख्या 01 से 05, 15 जून को वार्ड संख्या 06 से 10, 16 जून को वार्ड संख्या 11 से 15, 18 जून को वार्ड संख्या 16 से 20, 19 जून को वार्ड संख्या 21 से 25, 22 जून को वार्ड संख्या 26 से 30, 23 जून को वार्ड संख्या 31 से 35 तथा 24 जून को वार्ड संख्या 36 से 40 के लिए शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा 25 जून को पंचायत भवन पनियाला में पनियाला, गोनेड़ा, कालूहेड़ा एवं केशवाना क्षेत्र के लिए तथा 29 जून को पंचायत भवन खेड़की मुक्कड़ में खेड़की मुक्कड़, सांगटेड़ा, बीजाहेड़ा, शेखपुर, मलाहेड़ा क्षेत्र के लिए शिविर आयोजित किया जायेगा। नगर परिषद प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर शिविरों में पहुंचकर आवश्यक सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

चेक बाउंस के मामले में आरोपी को 9 माह का कारावास

शाहपुरा। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिखा पुरोहित ने चैक बाउंस के एक पुराने मामले में आरोपी को 9 माह का कारावास और 8 लाख 50 हजार रुपये के अर्थदण्ड व प्रतिकर के जुर्माने की सजा सुनाई है। प्रतिकर राशि अदा नहीं करने पर आरोपी को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

प्रार्थी ख्यालीराम योगी निवासी देवन के अधिवक्ता रणवीर कपूरिया ने बताया आरोपी विनोद कुमार वर्मा निवासी बिसाकावास तहसील थानागाजी जिला अलवर ने प्रार्थी से 6 लाख 35 हजार रुपये नगद उधार लेकर रुपयों की विधिक अदायगी हेतु प्रार्थी के पक्ष में एक चैक जारी किया गया। चैक अनादरण के सम्बन्ध में 5 जनवरी को परिवाद पेश किया गया जिस पर न्यायालय द्वारा आरोपी द्वारा दिए गये तर्कों को खारिज करते हुए कहा की समाज में पक्षकारों के मध्य व्यापारिक संव्यवहारो की शुचिता को बनाए रखने के लिए चैक अनादरण के बढ़ते मामले चिंता जनक हैं। अदालत ने आदेश दिया की आरोपी को 9 माह के कारावास की सजा सुनाई।

श्रीमद्भागवत कथा आयोजित

सांभरझील (निसं)। ईश्वर की कृपा कब व किस पर हो जाए कोई नहीं जानता। जब यह एहसास हो जाता है कि यह सब परमात्मा की इच्छा से हो रहा है तो वह कभी अहंकारी नहीं हो सकता। या यूं कहें कि वर्तमान में घटित होने वाली घटना उसके प्रारब्ध से जुड़ी है इस भाव को समझने वाला ही आध्यात्मिक उन्नित का मार्ग खोज निकालता है। ऐसी ही ईश्वर की कृपा का पात्र बने सांभर के ही युवा कथा वाचक मंगल भैया उर्फ हिमांशु सुठवाल जो इन दिनों सांभर में श्रीमद्भागवत में वर्णित कथा के सार को अपनी मधुर वाणी व सरल शब्दों में व्याख्या कर बता रहे हैं कि धर्म के मार्ग पर चलकर ही मोक्ष गति को पाया जा सकता है, यह जीवन का अंतिम सत्य भी है, लेकिन माया मोह के जाल में फंसे होने के कारण आध्यात्मिक मार्ग अवरुद्ध ही रहता है। सभी कर्तव्यों के प्रति निर्लिप्त भाव से अपना कर्म करना लेकिन उसमें चित्त नहीं डालना और आत्मा से परमात्मा का जुड़ाव रखना ही जीवन की सच्ची सार्थकता है।

भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना करवाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

निवाई। परमहंस आश्रम में खाली पार्क में पूर्व निर्मित चबूतरे पर भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापित करने की मांग को लेकर राजस्थान ब्राह्मण महासभा व सकल ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष पवन कुमार शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने विधायक रामसहाय वर्मा को ज्ञापन सौंपा है। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के जिला महामंत्री रामफूल शर्मा ने बताया कि पूर्व में संत परमहंस बाबा द्वारा परमहंस आश्रम में प्रथम गणेश जी, कार्तिक जी, दुर्गा माता, सीताराम जी, हनुमान जी एवं शंकर भगवान मय परिवार सहित नौ ग्रह देवताओं की मूर्तियां स्थापित की गई थीं। परंतु मंदिर परिसर में पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण उस समय भगवान परशुराम जी की मूर्ति की स्थापना नहीं हो सकी थी। उन्होंने बताया कि परमहंस बाबा स्वयं आश्रम के खाली पार्क में चबूतरा बनवाकर इस मूर्ति की स्थापना करवाना चाहते थे। हालांकि बाद में वे अस्वस्थ हो गए और उन्हें लकवा की बीमारी हो गई थी। इसके बावजूद वे लगातार समिति के अध्यक्ष व सदस्यों को मूर्ति स्थापना के लिए प्रेरित करते रहे। ज्ञापन में बताया कि इस आश्रम में वर्षों से भगवान परशुराम की यात्रा आयोजित होती रही है। जिसमें कई कलश यात्राओं में शामिल हजारों महिला-पुरुष के लिए भोजन-प्रसादी व पानी की संपूर्ण व्यवस्था आश्रम में ही की जाती है। इन धार्मिक कार्यक्रमों में ब्राह्मण समाज के सभी संगठनों के साथ-साथ राजस्थान ब्राह्मण महासभा, सर्व ब्राह्मण महासभा, विप्र फाउंडेशन, विप्र सेना व परशुराम सेना जैसे सभी ब्राह्मण संगठन सक्रिय भूमिका निभाते हैं। यह पूरा आयोजन सकल ब्राह्मण महासभा निवाई की देखरेख में संपन्न होता आया है। इस पुनीत कार्य में गौड़ ब्राह्मण, सनाढ्य ब्राह्मण, गौतम ब्राह्मण, पारीक ब्राह्मण, चमन गौड़ ब्राह्मण, हरियाणा ब्राह्मण, वैष्णव ब्राह्मण, खण्डेलवाल ब्राह्मण, दाधिच ब्राह्मण और द्विवेदी ब्राह्मण सहित समस्त संगठनों ने भाग लिया है। साथ ही निवाई नगर के स्थानीय निवासियों एवं समस्त हिन्दू समाज के लोगों ने भी इस कार्य के प्रति गहरी इच्छा जताते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। सकल ब्राह्मण के समस्त संगठनों ने विधायक रामसहाय वर्मा से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए जल्द से जल्द भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना करवाने की मांग की है। जिस पर विधायक रामसहाय वर्मा ने शीघ्र प्रतिमा की स्थापना करवाने का आश्वासन दिया।

■ परमहंस बाबा स्वयं आश्रम के खाली पार्क में चबूतरा बनवाकर इस मूर्ति की स्थापना करवाना चाहते थे : रामफूल शर्मा

बेकाबू स्कारपियों ने सर्विस लेन पर खड़ी दो कारों व ज्यूस की रेहड़ी को मारी टक्कर

कोटपूतली। कस्बे से होकर गुजर रहे दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के डाक बंगले के बीचों बीच सड़क पर उतर रहे राजमार्ग के एलीवेटेड पुलिया की जयपुर लेन पर गुरूवार दोपहर बाद एक भीषण सड़क हादसा हो गया।

दुर्घटना में गनीमत यह रही कि तेज गर्मी के चलते सर्विस लेन पर कोई व्यक्ति या बड़ी संख्या में वाहन नहीं खड़े थे, जिससे भारी जानमाल का नुकसान तो बच गया, लेकिन एक कार में बैठे एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गये। जिनमें से एक को जयपुर रैफर किया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजमार्ग पर पुलिया से उतरते ही एक निजी अस्पताल के सामने बेकाबू एक स्कारपियों गाड़ी ने दो कारों व एक ज्यूस की रेहड़ी को टक्कर मार दी।

बताया जा रहा हैं कि राजमार्ग से स्कारपियों बेकाबू होकर सर्विस लेन पर जा घुसी, जहां कारों व सड़क किनारे खड़ी एक रेहड़ी से उसकी जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में दोनों कारों व रेहड़ी के साथ-साथ स्कारपियों भी बुरी तरह से क्षितग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद सर्विस लेन पर चीख पुकार मच गई। इसी दौरान अनियंत्रित होकर एक अन्य कार भी हाईवे किनारे लगी रेहड़ी से जा टकराई।

भिड़न्त में दोनों कारों व रेहड़ी के साथ-साथ स्कारपियों भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

■ कार सवार एक परिवार के चार सदस्य घायल, चालक गंभीरावस्था में जयपुर रैफर

मौके पर बडी संख्या में लोग एकत्रित हो गये एवं पुलिस को सूचना दी गई। सभी घायलों को बाहर निकलवाकर राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान राजमार्ग पर वाहनों की कतारें लगने से जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुये क्रेन व स्थानीय लोगों की मदद से क्षितग्रस्त वाहनों को साईड में करवाकर यातायात को सुचारू करवाया।

बताया जा रहा हैं कि स्कारपियों गाडी दिल्ली लेन की ओर से आ रही थी, जो कि डिवाईडर कूद कर सर्विस लेन की ओर अन्य वाहनों से आ टकराई। दोपहर का समय होने से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन कई मोटरसाईकिलों सहित बडी संख्या में वाहन क्षितग्रस्त हो गये।

एक जयपुर रैफर :- राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल ट्रौमा सैंटर के नर्सिंग अधिकारी श्रीराम सराधना ने बताया कि अजमेर के सुभाष नगर निवासी गौरव यादव (39) अपनी पत्नी मंजू (36) व पुत्र कबीर (10) एवं पुत्री सावी (07) के साथ कार में सवार होकर जा रहे थे, जो कि दुर्घटना में घायल हो गये। इनमें से कार चालक गौरव की हालत खराब होने पर उसे जयपुर रैफर किया गया हैं। प्राकृतिक आपदा पर किसी का बस नहीं : रामसहाय वर्मा।

भगवान विमलनाथ का गर्भ कल्याणक दिवस मनाया

निवाई। परम पूज्य गणाचार्य विराग सागर महाराज व पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज की शिष्या ज्ञानश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में श्री सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ मन्दिर में भगवान विमलनाथ के गर्भ कल्याणक दिवस पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान विमलनाथ की विधिवत पूजा अर्चना कर अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि ससंघ की नियमित दैनिक चर्या में प्रात: काल सामयिक प्रतिक्रमण, आचार्य वन्दना, देव दर्शन, शांतिधारा, माताजी के मुखारविन्द से स्वाध्याय भगवती आराधना पर प्रवचन, आहारचर्या, सामयिक, आरती, आनंद यात्रा, शंका समाधान सहित सामयिक व वैयावृत्ति सहित कई धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालु मौजूद रहते हैं।

इस अवसर पर ज्ञानश्री माताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वस्तु स्वरूप परिवर्तनशील है, तो आदमी भी परिवर्तनशील है। मिथ्या दृष्टि से सम्यक दृष्टि बन सकता है एवं पापात्मा से धर्मात्मा और अज्ञानी से ज्ञानी बन सकता है, श्रावक से मुनि बन सकता है, संसार से मुक्त हो सकता है।

■ वस्तु स्वरूप परिवर्तनशील है, तो आदमी भी परिवर्तनशील है, मिथ्या दृष्टि से सम्यक दृष्टि, पापात्मा से धर्मात्मा व अज्ञानी से ज्ञानी, श्रावक से मुनि बन सकता है, संसार से मुक्त हो सकता है : ज्ञानश्री माताजी

अत: जैसे भी हो हम अपने आप में परिवर्तन कर अपनी आत्मा को परमात्मा बनाने में सफलता प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि शहर के सभी जैन मंदिरों में भगवान विमलनाथ का गर्भ कल्याणक दिवस धूमधाम से मनाया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव पूर्वक पूजा अर्चना की। इस अवसर पर विज्ञातीर्थ कार्यअध्यक्ष सुनील भाणजा, महेंद्र चंवरिया, राजेश गिंदोडी, महेश मोटूका, राजेश बनेठा, शैलेंद्र पाटनी, विमल बगड़ी व शैलेंद्र संघी सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

खेल जगत

अपने शानदार करियर के आखिरी दौर में होने के बावजूद, वे 2026 फीफा वर्ल्ड कप के मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। 2026 के इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड संख्या में खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

– बाइचुंग भूटिया

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान, लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ सेरेना विलियम्स

दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में युगल अभियान एक मैच के बाद ही खत्म हो सकता है। इस अमेरिकी स्टार की युगल जोड़ीदार और कनाडा की विक्टोरिया एमबोको बुधवार को कैरोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ अपने एकल मुकाबले के दौरान घुटने में चोट लगने के कारण मैच के बीच से हट गईं। उन्हें यह चोट दूसरे सेट में लगी थी। सेरेना और एमबोको ने मंगलवार को अपना पहला युगल मैच जीता था जिसके साथ अमेरिकी खिलाड़ी ने खेल से लगभग चार साल दूर रहने के बाद पेशेवर टेनिस में वापसी थी।

क्या आप जानते हैं ?... आईसीसी रैंकिंग : भारतीय पुरुष टीम आईसीसी वनडे और टी–20 आई रैंकिंग में शीर्ष पर है।

फीफा विश्व कप टिकट कीमतों का इन्फैन्टिनो ने किया बचाव

यदि फीफा गलत कर रहा है तो सभी आयोजक गलत : जियानी इन्फैन्टिनो

मेक्सिको सिटी, 11 जून। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने विश्व कप 2026 के टिकटों की ऊंची कीमतों का बचाव करते हुए कहा कि यदि फीफा गलत कर रहा है, तो उत्तर अमेरिका में टिकट बेचने वाले लगभग सभी आयोजक भी गलत होंगे। विश्व कप के उद्घाटन मुकाबले से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इन्फैन्टिनो ने टिकट मूल्य निर्धारण, सुरक्षा नियमों और अमेरिका में प्रवेश से रोके गए सोमाली रेफरी के मुद्दे पर अपनी बात रखी।

विश्व कप 2026 के समूह चरण मुकाबलों के टिकट लगभग 140 अमेरिकी डॉलर से शुरू हुए, जबकि फाइनल मुकाबले के टिकटों की कीमत कई हजार डॉलर तक पहुंच गई। फाइनल के कुछ टिकटों की कीमत बाद में और बढ़ाई गई। इन्फैन्टिनो ने कहा कि यदि टिकट कम कीमत पर बेचे जाते तो वे दोबारा बिक्री बाजार और अवैध टिकट कारोबार में बहुत अधिक दाम पर बिकते और उसका लाभ फुटबॉल को नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के लिए औसत टिकट मूल्य 500 डॉलर से कम रखा गया है और यह अमेरिका के अन्य बड़े खेल आयोजनों के स्तर के आसपास है। हाल के दिनों में अमेरिका के कुछ राज्यों में टिकट बिक्री की जांच शुरू हुई है, लेकिन इन्फैन्टिनो ने कहा कि फीफा इसको लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा,हम हर जांच का स्वागत करते हैं। हमने टिकट बिक्री शुरू करने से पहले विशेषज्ञों और कानूनी सलाहकारों के साथ पूरी प्रक्रिया की समीक्षा की थी।

सोमाली रेफरी विवाद पर भी दिया जवाब

विश्व कप में पहली बार सोमालिया से रेफरी बनने जा रहे ओमर आर्टान को अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया। अमेरिकी अधिकारियों ने सुरक्षा जांच से जुड़ी चिंताओं का हवाला दिया। इस पर इन्फैन्टिनो ने कहा कि फीफा सभी चीजों को नियंत्रित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा,हम समाधान खोजने की कोशिश करते हैं। कभी–कभी थोड़ा शांत रहना भी जरूरी होता है। हर बात पर तुरंत शोर मचाने से समाधान नहीं निकलता। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और सरकारों तथा सुरक्षा एजेंसियों के निर्णयों का सम्मान करना पड़ता है।

ईरान टीम के अमेरिका आने को बताया उपलब्धि

इन्फैन्टिनो ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद ईरान की टीम को विश्व कप में खेलने के लिए अमेरिका पहुंचाने में फीफा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि फीफा को कई जटिल परिस्थितियों के बीच काम करना पड़ता है और यही उसकी जिम्मेदारी भी है। मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन होगा विश्व कप इन्फैन्टिनो ने दावा किया कि विश्व कप 2026 संभवतः मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन बनने जा रहा है। फीफा को इस प्रतियोगिता से लगभग 11 अरब डॉलर की आय की उम्मीद है। इन्फैन्टिनो ने कहा कि यदि सभी प्रसारण और सेवाएं भुगतान आधारित कर दी जातीं तो आय इससे कहीं अधिक हो सकती थी, लेकिन तब दुनिया भर के करोड़ों दर्शक विश्व कप नहीं देख पाते। 56 वर्षीय इन्फैन्टिनो वर्ष 2016 से फीफा अध्यक्ष हैं और अगले कार्यकाल के लिए भी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।

// भारत-अफगानिस्तान वनडे //

धर्मशाला पहुंची दोनों टीमें

धर्मशाला, 11 जून। आईपीएल के कुछ दिनों बाद ही धर्मशाला में एक बार फिर क्रिकेट का रोमांच लौट आया है। इस बार टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच एकदिवसीय मैच का रोमांच क्रिकेट प्रेमियों को देखने को मिलेगा। टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच खेली जाने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की सीरिज के 13 जून को पहले मैच का गवाह एचपीसीए का धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम बनने जा रहा है। इसी कड़ी में वीरवार को दोनों टीमें धर्मशाला की वादियों में पंहुच गई हैं। वीरवार को दिन में पहले भारतीय टीम धर्मशाला पंहुची जिसके बाद मेहमान टीम अफगानिस्तान भी धर्मशाला पंहुची। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गगल एयरपोर्ट से धर्मशाला स्थित होटल ब्लू रिजेंसी पंहुचाया गया। इससे पूर्व कांगड़ा के गग्गल एयरपोर्ट और होटल पहुंचने पर दोनों टीमों का पहाड़ी संस्कृति में स्वागत किया गया। वहीं एयरपोर्ट पर टीम इंडिया के खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। फैंस ने इंडिया–इंडिया के नारे लगाकर खिलाड़ियों का स्वागत किया। कड़े सुरक्षा घेरे के बीच खिलाड़ियों को उनके होटल पहुंचाया गया।

शुक्रवार को स्टेडियम में नेट प्रैक्टिस करेगी दोनों टीमें

13 जून को होने वाले इस मैच से पहले दोनों ही टीमें कल शुक्रवार को स्टेडियम पंहुचकर नेट में अभ्यास करेंगी। तय कार्यक्रम के मुताबिक मेहमान टीम अफगानिस्तान शुक्रवार को दिन में डेढ़ बजे से साढ़े चार बजे तक नेट पर पसीना बहाएगी जबकि दूसरे सेशन में शाम को साढ़े पांच बजे से साढ़े आठ बजे तक टीम इंडिया स्टेडियम में नेट प्रैक्टिस करेगी। गौरतलब है कि धर्मशाला की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, जिस पर दोनों टीमें अपनी रणनीति तैयार करेंगी।

बारिश की ठंडी फुहारों ने किया मेहमान टीम का स्वागत

दोपहर बाद गगल एयरपोर्ट पंहुची अफगानिस्तान की टीम का बारिश की ठंडी फुहारों ने स्वागत किया। मेहमान टीम जैसे ही एयरपोर्ट पर उतरी तो मौसम ने अचानक रंग बदला और तेज हवाओं के साथ बारिश की बौछार पड़ने लगी। मोहाली के गर्म मौसम का सामना करने के बाद यहां पंहुची दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने इस सुहावने मौसम का खूब आनंद उठाया।

मैच के दिन मौसम साफ रहने का अनुमान

उधर मौसम विभाग ने मैच के दिन मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है, जिससे पूरे 100 ओवर का खेल होने की उम्मीद है। वहीं अगर पिच की बात करें तो शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को स्विंग मिलने की संभावना है, लेकिन जैसे–जैसे खेल आगे बढ़ेगा, बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान हो सकता है।

पुलिस ने किए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मैच को देखते हुए जिला प्रशासन और कांगड़ा पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। स्टेडियम के चारों ओर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। दर्शकों की भारी भीड़ के मद्देनजर धर्मशाला और मैकलोडगंज के लिए ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया गया है, ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। वहीं, स्थानीय होटलों और होमस्टे में भी 90 प्रतिशत से ज्यादा बुकिंग हो चुकी है, जिससे स्थानीय पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिले हुए हैं। इससे पूर्व धर्मशाला में आईपीएल सीजन के हुए चार मैचों के दौरान भी होटल और पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने अच्छी कमाई की थी।

रॉयल, ब्रदर्स, जयपुर बॉयज फुटबॉल अकादमी जीती

जयपुर, 11 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर के फुटबॉल मैदान पर अंडर 13 के चार मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में रॉयल फुटबॉल क्लब ने जयपुर फुटसाल को 8–0 से पराजित किया। रॉयल फुटबॉल क्लब से समर प्रताप से 2 गोल, मुबीन ने 2 गोल किये, अमन ने 1 गोल, नंदिश ने 1 गोल, देवांश से 1 गोल किया, लक्ष्य ने 1 गोल किया। दूसरे मुकाबले में ब्रदर्स फुटबॉल क्लब ओर रेड स्टोन फुटबाल क्लब के बीच मुकाबला हुआ जिसमें ब्रदर्स ने मुकाबला में 8–0 विजय रहा। ब्रदर्स की तरफ़ से नकुल ने 3 गोल किये, तन्मय ने 1 गोल, दिव्यांशु ने 1 गोल ओर जीशान ने 1 गोल किया, आबास ने 1 गोल किया, हिमांशु ने 1 गोल किया। तीसरे मैच में राजस्थान फुटबॉल स्कूल और जयपुर इलीट क्लब के मध्य खेला गया जो मैच 0– 0 से बराबरी पर खत्म हुआ। आखरी मैचः जयपुर बॉयज फुटबॉल अकादमी ने एएसएल फुटबाल क्लब को 2–1 से पराजित किया। जयपुर बॉयज फुटबॉल अकादमी की तरफ से मोनू ने 1 गोल किया और एक गोल हेम ने किया। ए एस एल की तरफ से एकमात्र गोल पुनीत ने किया।

एमबी क्रिकेट अकदमी जीती

जयपुर, 11 जून। अंडर –16 समर कप में एमबी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.3 ओवर में 306 रन 10 विकेट के नुकसान

पर बनाएं। आर्यन सिंह ने 107, तुषार सिंह ने 63, राघव शर्मा ने 48 रनों का योगदान दिया। शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से अर्णव ने 4, मोहित और रोहन जैन ने 2–2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट एकेडमी 29 ओवर में 109 रन पर ऑल आउट हो गई। अर्णव शर्मा ने सर्वाधिक 29 रनों का योगदान दिया। एमबी क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य ने 3 और केशव जांगिड़ ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच आर्यन सिंह को चुना गया।

दौसा ने अलवर को 9 विकेट से हराया

जयपुर, 11 जून। आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला टी –20 चैंपियनशिप 2026–27 के दूसरे मुकाबले में तनिका शर्मा का ऑलराउंड प्रदर्शन मेजबान अलवर को 9 विकेट से दी मात। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि सीनियर महिला 20 चैंपियनशिप जिसके लीग मैच अलवर में सूरत क्रिकेट ग्राऊण्ड पर आयोजित किये जा रहे हैं दौसा का आज दूसरा मुकाबला मेजबान अलवर से हुआ जिसमें दौसा ने अलवर की टीम को 9 विकेट से परास्त किया दौसा की टीम ने आज फिर टॉस हारकर पहले गेंदबाजी की साथ ही क्षेत्ररक्षण किया दौसा की ओर से तनिका शर्मा ने 2विकेट, कृति उपाध्याय, याना वर्मा और निधि सैनी ने 1–1 विकेट लिया। दौसा की टीम ने क्षेत्ररक्षण में शानदार प्रदर्शन करते हुए कसी हुई गेंदबाजी की जिसकी बदौलत मेजबान अलवर की टीम निर्धारित 20 ओवर में 106 रन पर 6 विकेट पर रोक दिया। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए दौसा की टीम ने मात्र 15 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। दौसा की ओर से तनिका शर्मा ने ताबड़तोड़ अर्धशतक 46 बाल में 57 रन की पारी खेली तनिका के साथ याना वर्मा सलामी बल्लेबाज ने 14 बॉल पर 12 रन बनाए और तानिया शर्मा ने 30 बाल पर 26 रन बनाए। दौसा की टीम ने 15 ओवर में ही 1 विकेट पर 108 रन बना लिए और 9 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के हीरो दौसा टीम की उप कप्तान तनिका शर्मा रही जिसने ऑल राउंड प्रदर्शन किया। डीसीए सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि कल दौसा का तीसरा मुकाबला हनुमानगढ़ के साथ होगा सचिव द्वारा टीम मैनेजर श्रीमती शोभना गुर्जर ,कोच प्रेम सिंह नाथावत और सम्पूर्ण टीम को शुभकामनाएँ दी और आगे के मैचों में और अच्छा प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया।

इंग्लैंड, पुर्तगाल और अल्जीरिया की अंतिम अभ्यास मैचों में जीत के साथ तैयारियां पूरी

फीफा विश्व कप 2026

नई दिल्ली, 11 जून। फीफा विश्व कप से पहले खेले गए अंतिम अभ्यास मुकाबलों में इंग्लैंड, पुर्तगाल और अल्जीरिया ने जीत दर्ज कर अपनी तैयारियों को मजबूत किया। तीनों टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट से पहले आत्मविश्वास हासिल किया।

इंग्लैंड ने अमेरिका के फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में खेले गए मुकाबले में कोस्टा रिका को 3–0 से हराया। खराब मौसम के कारण मैच की शुरुआत एक घंटे देरी से हुई, लेकिन इंग्लैंड ने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा। नौवें मिनट में डेक्लान राइस ने एंथनी गॉर्डन के पास पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में गॉर्डन ने पेनाल्टी पर गोल दागा, जबकि मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले ओली वॉटकिंस ने तीसरा गोल कर जीत पक्की कर दी। यह इंग्लैंड की पिछले दस मैत्री मैचों में चौथी जीत रही। अब टीम अपने ग्रुप एल के पहले मुकाबले में क्रोएशिया से भिड़ेगी।

पुर्तगाल ने लीरिया में नाइजीरिया को 2–1 से हराया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो पूरे पहले हाफ में सक्रिय रहे, हालांकि वह गोल नहीं कर सके। मैच के 23वें मिनट में पेड्रो नेटो ने डियोगो डालोट के पास पर गोल कर पुर्तगाल को बढ़त दिलाई। नाइजीरिया ने पहले हाफ के अंत से पहले बराबरी कर ली, लेकिन 75वें मिनट में फ्रांसिस्को कॉन्सेसाओ के शानदार कर्लिंग शॉट ने पुर्तगाल को जीत दिला दी। इस जीत के साथ रॉबर्टो मार्टिनेज की टीम ने लगातार पांचवां मैच बिना हार के पूरा किया।

अल्जीरिया ने दिन की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए बोलिविया को 4–0 से हराया। बंद दरवाजों के पीछे खेले गए इस मुकाबले में ऐसा मांडी ने हाफ टाइम से ठीक पहले पहला गोल किया। दूसरे हाफ में अल्जीरिया पूरी तरह हावी रहा। अमीन गुइरी ने दो मिनट के भीतर दो गोल किए और फिर अनीस हदज मूसा ने चौथा गोल दागकर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। अब सभी अभ्यास मुकाबले समाप्त हो चुके हैं और ध्यान फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण पर केंद्रित हो गया है। 48 टीमों वाला यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट सह–मेजबान मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच उद्घाटन मुकाबले से शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन : सिंधु और तन्वी क्वार्टर फाइनल में

सिडनी, 11 जून। ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने प्री–क्वार्टर फाइनल में भारतीय खिलाड़ी इशारानी बरुआ को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 22–20, 21–12 से हराया। पहले गेम में कड़ी चुनौती मिलने के बाद सिंधु ने दूसरे गेम में पूरी तरह दबदबा बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीनी ताइपे की चेन सू यू से होगा।

भारतीय खिलाड़ी निखिल ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में 60 साल बाद जगह लेंगे

नई दिल्ली, 11 जून। भारत में जन्मे और वर्तमान में तस्मानिया तथा होबार्ट हरिकेन्स के लिए खेलने वाले लेग स्पिन ऑलराउंडर निखिल चौधरी को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टी–20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें आराम दिए गए ट्रैविस हेड के स्थान पर टीम में जगह मिली है।

इससे पहले 30 वर्षीय निखिल चौधरी भारत में पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं। उन्होंने 2017 से 2019 के बीच पंजाब के लिए 12 टी–20 और दो लिस्ट–ए मुकाबले खेले थे। निखिल वर्ष 2020 में अपने चाचा से मिलने ऑस्ट्रेलिया गए थे। इसी दौरान कोविड महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ बंद हो गईं और वह वहीं रह गए। फिलहाल उनके पास 2027 तक वैध अस्थायी वीज़ा है। उनके पास अभी स्थायी निवास या ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता नहीं है, लेकिन आईसीसी नियमों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में पाँच वर्ष रहने के कारण वह राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के पात्र हो गए।

ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने ग्रेड क्रिकेट से अपनी पहचान बनाई। इसके बाद तत्कालीन हरिकेन्स गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स की नजर उन पर पड़ी और उन्हें होबार्ट हरिकेन्स से अनुबंध मिला। निखिल ने पिछले तीन सत्रों में बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन किया। 2024–25 सीजन में हरिकेन्स को खिताब दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके बाद उन्होंने तस्मानिया के लिए लिस्ट–ए और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, जहाँ उन्होंने शेफील्ड शील्ड में अपना पहला शतक भी लगाया और पहली बार पाँच विकेट लेने का कारनामा किया।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मई मंथ : नेपाल, बांग्लादेश व पाक के खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई, 11 जून। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मई महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए पुरुष और महिला वर्ग की नामांकित सूची जारी कर दी है। इस सूची में नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला है। **पुरुष वर्ग के नामांकित खिलाड़ी –** पुरुष वर्ग में नेपाल के ऑलराउंडर दीपेंद्र सिंह ऐरी, बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम और अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम को नामांकन मिला है। दीपेंद्र सिंह ऐरी (नेपाल) ने यूएई के खिलाफ शतक जड़ा और पूरे महीने में 249 रन बनाए। साथ ही उन्होंने 8 विकेट भी हासिल किए। जबकि तैजुल इस्लाम (बांग्लादेश) ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 13 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं, मुशफिकुर रहीम (बांग्लादेश) ने 235 रन बनाकर सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। **महिला वर्ग के नामांकित खिलाड़ी –** महिला वर्ग में इंग्लैंड की लॉरेन बेल, पाकिस्तान की गल फरोजा और न्यूजीलैंड की मैडी ग्रीन को शॉर्टलिस्ट किया गया है। लॉरेन बेल (इंग्लैंड) ने न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 13 विकेट लिए।

राजस्थान के कुशाग्र ओझा व रजत बघेल का श्रीलंका दौरे हेतु भारतीय टीम में चयन : डॉ. मोहित

जयपुर, 11 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादवके अनुसार बीसीसीआई जूनियर चयन कमेटी ने भारतीय अंडर 19 टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए राजस्थान के युवा प्रतिभावान खिलाड़ी कुशाग्र ओझा व रजत बघेल का चयन भारतीय अंडर 19 टीम में किया है। सुशील जैन, सदस्य, एडहॉक कमेटी के अनुसार राजस्थान के कुशाग्र ओझा व रजत बघेल ने बीसीसीआई क्रिकेट सत्र 2025 –26 में राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया।। कुशाग्र ओझा व रजत बघेल को इस वर्ष बीसीसीआई के एनसीए सेण्टर ऑफ़ एक्सीलेन्स अंडर 19 प्रशिक्षण शिविर के चयनित किया गया था।

राजस्थान के कुशाग्र ओझा का चयन भारतीय अंडर 19 टीम के आगामी श्रीलंका दौरे की एक दिवसीय व टेस्ट (मल्टी डेज) दोनों टीमों में व रजत बघेल का चयन एक दिवसीय मैचों के लिए किया गया है। भारतीय अंडर 19 टीम श्रीलंका दौरे पर दिनांक 4 जुलाई, 6 जुलाई व 9 जुलाई को हम्बनटोटो में 3 एक दिवसीय मैच व दिनांक 13 –16 जुलाई को गाले में व दिनांक 20 –23 जुलाई को कोलंबो में 2 4 दिवसीय मैच खेलेगी। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य आशीष तिवाड़ी, धनंजय सिंह खींवसर, सुशील जैन, अरिष्ट सिंघवीने राजस्थान के युवा अंडर 19 खिलाडियों कुशाग्र ओझा व रजत बघेल के श्रीलंका दौरे पर भारतीय अंडर 19 टीम में चयन पर दोनों खिलाडियों को बधाई देते हुए कहा की राज्य के मानव सुथार ने जिस तरह भारतीय टेस्ट टीम में चयन पर अफगानिस्तान के विरुद्ध टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन कर देश, विदेश में अपना व राज्य का नाम रोशन किया है उसी पर राज्य के दोनों अंदर 19 खिलाडी भी भारतीय अंडर 19 टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा को प्रदर्शत करेंगे।

श्रीलंका सीरीज के लिए भारतीय महिला अंडर-19 टीम घोषित, भविका अहिरे को मिली कप्तानी

नई दिल्ली, 11 जून। भारतीय महिला अंडर–19 टीम के चयनकर्ताओं ने गुरुवार को भारत दौरे पर आने वाली श्रीलंका महिला अंडर–19 टीम के खिलाफ होने वाली शृंखला के लिए भारतीय टीमों की घोषणा कर दी है। इस दौरे में तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। दोनों प्रारूपों में विकेटकीपर बल्लेबाज़ भविका अहिरे को कप्तान बनाया गया है, जबकि महक नरवसे को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। टी20 और एकदिवसीय टीमों में अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, हालांकि एकदिवसीय टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं। यह शृंखला युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर मानी जा रही है।

भारतीय महिला अंडर–19 टी20 टीम

भविका अहिरे (कप्तान, विकेटकीपर), इरा जाधव, तनिष्का शर्मा, ईश्वरी आवसरे, अवनी चावड़ा, माहतो निधि, पूर्वा सिवाच, कुमारी पलक, महक नरवसे (उपकप्तान), काश्वी कांडिकुप्पा, मणियार मैत्री, गौरी गोयल, जानवी विकार, अनादी टागड़े, के दीक्षा (विकेटकीपर)।

भारतीय महिला अंडर–19 एकदिवसीय टीम

भविका अहिरे (कप्तान, विकेटकीपर), इरा जाधव, दीया यादव, ईश्वरी आवसरे, वी प्रतीक्षा, माहतो निधि, पूर्वा सिवाच, कुमारी पलक, महक नरवसे (उपकप्तान), काश्वी कांडिकुप्पा, विधि परमार, गौरी गोयल, जानवी विकार, अनादी टागड़े, के दीक्षा (विकेटकीपर)।

अंडर-19 पुरुष टीम घोषित, यशवर्धन होंगे कप्तान

नई दिल्ली, 11 जून। भारतीय जूनियर क्रिकेट समिति ने आगामी श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय अंडर–19 पुरुष टीम की गुरुवार को घोषणा कर दी। इस दौरे में भारतीय टीम तीन एकदिवसीय और दो बहु–दिवसीय मुकाबले खेलेगी। यशबर्धन सिंह चौहान को दोनों प्रारूपों के लिए टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। दौरे के सभी एकदिवसीय मुकाबले हम्बनटोटा में खेले जाएंगे, जबकि बहु–दिवसीय मैच गॉल और कोलंबो में आयोजित होंगे।

भारतीय अंडर–19 पुरुष वनडे टीम

सागर वीरक, लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), विनीत वी.के., अर्जुन राजपूत, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल (विकेटकीपर), अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), अनमोलजीत सिंह, वुटकुरी यशवीर गौड़, रोहित अनिल यादव, शाविन वी., काव्या परेश पटेल, मोहित उलवा, ईशान सूद।

भारत अंडर–19 पुरुष बहु–दिवसीय टीम

सागर वीरक, लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), पटेल कुश, मनल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्ण (विकेटकीपर), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपर), हेमचुदेशन जे., बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काव्या परेश पटेल, प्रियांशु सिंह, प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकट।

इंस्पायर अकादमी ने जीत हासिल की

जयपुर, 11 जून। जयपुर के स्थानीय गणपति नगर रेलवे ग्राउंड पर चल रहे 9 हाजी गनी बाबा 20 टूर्नामेंट में रेलवे क्रिकेट अकादमी और इंस्पायर अकादमी के बीच मुकाबला खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे क्रिकेट अकादमी 16.5 ओवर में 110/10 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें गौरव मीना, तुषार ने 25–25 रन व मोहम्मद कैफ ने 23 रन की पारी खेली। इंस्पायर की गेंदबाजी की ओर से हरि सिंह ने 3 विकेट व रोहित व रजत ने 2–2 विकेट लिए। जवाब में इंस्पायर अकादमी ने 11.4 ओवर में 111/3 रन बनाकर जीत हासिल की। जिसमें अमन सिंह शेखावत ने 62 रनों की पारी खेली। रेलवे की गेंदबाजी की ओर से दक्ष, शुभम व गौरव मीणा ने 1–1 विकेट लिए। इंस्पायर क्रिकेट अकादमी ने रेलवे क्रिकेट अकादमी को 7 विकेट से मुकाबला हराया।मैन ऑफ़ द मैच हरि सिंह।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय
जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान), फोन नं. 01425-254988(का.) e-mail Id : comptroller@sknau.ac.in
क्रमांक :- एफ.3( )/श्रीकनकृवि/वि.नि./ई-बिड/2026/1227 दिनांक :- 08/06/2026
बिड सूचना
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, जयपुर के विश्वविद्यालय मुख्यालय पर प्रशासनिक कार्यालय के अन्तर्गत कार्यरत इकाईयों हेतु सभी श्रेणी के श्रमिक आपूर्ति की ई–बिड आमंत्रित की गई है एवं ई–बिड से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org, www.sknau.ac.in, sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। ई–बिड की अन्तिम दिनांक 29.06.2026 समय 2.00 PM बजे तक है।
UBN : SKN2627SLOB00087
राज.संवाद/सी/26/4622 वित्त नियंत्रक

नगर विकास न्यास, पाली
डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल – uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2026/572 दिनांक :- 09/06/2026
ई-निविदा सूचना संख्या - 22/2026-27
नगर विकास न्यास, पाली की ओर न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन–लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।
यूबीएन नं. :– ITP2627WSOB00025
राज.संवाद/सी/26/4658 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ, जिला करौली (राज.)
क्रमांकः–न.प.हि./947 दिनांकः– 05.06.2026
–:: ई–निविदा सूचना वर्ष 2026–27 ::–
नगर पालिका सूरौठ की ओर से विकास/मरम्मत /निर्माण कार्यहेतु उपयुक्त श्रेणी के नगर परिषद/नगर निगमों/नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए., बी., सी., डी श्रेणियों के संवेदकों/फर्मो के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई–निविदा प्राप्त की जावेगी। ई–निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB CODE : DLB2627A2843
UBN NO. DLB2627WSOB07051, DLB2627WSOB07052, DLB2627WSOB07053
अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सूरौठ
राज.संवाद/सी/26/4591

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला–राजसमन्द(राज.)
Email: np_ntd@yahoo.co.in, nagarpalikanathdwara@gmail.com Ph. 02953-233526
क्रमांक : न.प.नाथ./निविदा/निर्माण/26/2700 दिनांक : 09.06.2026
ई–निविदा सूचना संख्या – 24/2026–27
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका नाथद्वारा द्वारा इस वित्तीय वर्ष में निम्नानुसार कार्य कराये जाने हेतु ईच्छुक पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाऐं निम्नांकित दिनांक तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पंजीकृत संवेदक/फर्म/व्यक्ति उक्त कार्यो के निविदा फार्म आनलाईन राजकीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड व अपलोड तथा http://sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर देखें जा सकते है :–

क्र.सं.	विवरण	
1.	कुल कार्य की संख्या	01
2.	निविदा अपलोड की अन्तिम दिनांक व समय	19.06.2026 समय– सांय 6:00 बजे तक
3.	निविदा खुलने की दिनांक व समय	22.06.2026 समय– दोपहर 12:00 बजे से
4.	UBN No.	DLB2627WSOB07059

राज.संवाद/सी/26/4650 आयुक्त नगरपालिका नाथद्वारा

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/6835 - 47 दिनांक :- 09/06/2026
ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 17/2026-27/02
संशोधित निविदा सूचना
भरतपुर विकास प्राधिकरण की ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या– 17/2026–27/02 दिनांक 03.06.2026 की कार्य संख्या 02 में वर्णित अधिशाषी अभियंता द्वितीय के क्षेत्र में अल्टीनेटर पम्प द्वारा पानी निकासी का कार्य में निम्न संशोधन किया जाता है।
1 निविदा में कार्य संख्या 02 पर अंकित कार्य "अधिशाषी अभियंता द्वितीय के क्षेत्र में अल्टीनेटर पम्प द्वारा पानी निकासी का कार्य" के लिए निविदादाता को न्यूनतम 3 ट्रैक्टर (अल्टीनेटर सहित) के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज (जैसे रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट इत्यादि) ऑनलाईन निविदा में अपलोड करना अनिवार्य है। स्वामित्व संबंधी दस्तावेज अपलोड न करने वाले निविदादाता को अपात्र माना जायेगा। इस शर्त को शर्त संख्या 27 के स्थान पर पढ़ा जाये।
2 प्रोसेसिंग शुल्क/निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि ऑनलाईन भुगतान एवं जमा करने की तिथि 13.06.2026 सायं 06:00 बजे के स्थान पर 19.06.2026 सायं 06:00 बजे तक पढ़ा जाए।
3 ऑनलाईन निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि 15.06.2026 सुबह 11:00 बजे के स्थान पर 22.06.2026 सुबह 11:00 बजे पढ़ा जावें।
4 शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगी।
राज.संवाद/सी/26/4618 अधिशाषी अभियन्ता - III

कार्यालय नगरपालिका, सांचौर जिला–जालौर (राज.)
(टेलिफोन नम्बर–02979–283280 व ई–मेल आई.डी. eosanchore.lsg@rajasthan.gov.in & eosanchore2010@gmail.com)
क्रमांक/न.पा.सां./ई–निविदा/2026/1370 दिनांक :– 08.06.2026
–::ई निविदा सूचना 03/2026–27
नगर पालिका सांचौर निविदा क्रमांक 1365 दिनांक 08.06.2026 द्वारा विभिन्न निर्माण का कार्य करवाये जाने हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण जरीये यूबीएन नं. से वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा में कुल कार्य	10 कार्य
निविदा प्रपत्र ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि	दिनांक 22.06.2026 दोपहर 4.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करवाने की तिथि	दिनांक 23.06.2026 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 23.06.2026 सांय 12.00 बजे से
UBN NO.	UBN NO.
DLB2627WSRC06843	DLB2627WSRC06844
DLB2627WSRC06845	DLB2627WSRC06846
DLB2627WSRC06847	DLB2627WSRC06849
DLB2627WSRC06850	DLB2627WSRC06852
DLB2627WSRC06854	DLB2627WSRC06855

राज.संवाद/सी/26/4652 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सांचौर

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विकसित राजस्थान-2047 का रोड मैप नीति आयोग में प्रस्तुत किया

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की 21वीं परिषद की बैठक में उन्होंने भाग लिया

नई दिल्ली/जयपुर, 11 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद् की 11वीं बैठक में शामिल हुए। उन्होंने राजस्थान के विकास के विजन, उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजना को प्रस्तुत करते हुए कहा कि राजस्थान विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप, राज्य सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को राज्य सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के केन्द्र में रखकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के युवाओं की शक्ति के उपयोग के मंत्र को आत्मसात करते हुए, राज्य सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का प्रमुख आधार बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के युवाओं की शक्ति के उपयोग के मंत्र को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का मुख्य आधार बना रही है।**

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 19 लाख बीमा पॉलिसियां जारी की गई हैं तथा पीएम-कुसुम योजना (कम्पोनेंट-ए) के तहत 723 मेगावाट क्षमता की 496 सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई हैं। इन दोनों क्षेत्रों में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

उन्होंने बताया कि नीति आयोग की वर्ष 2025-26 की तृतीय तिमाही रैंकिंग में नीमराना ब्लॉक ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, जबकि दौसा जिले के रामगढ़ पचवारा तथा जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ ब्लॉक ने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर तक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए ग्राम विकास रथ भिजवाए गए।

अभिषेक बनर्जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने ऐसी कोई अनुमति नहीं दी थी।

आरोप है कि विधायकों के हस्ताक्षर जाली हैं। यह एक गंभीर आरोप है और यदि यह साबित हो जाता है तो सात वर्ष तक की जेल की सजा हो सकती है। अभिषेक को चारों ओर से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और उनके खिलाफ विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस समय पार्टी के भीतर से यह आवाज तेज हो रही है कि अभिषेक बनर्जी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। आज पार्टी के वरिष्ठ नेता और अनुभवी राजनेता कल्याण बनर्जी, जो अब तक ममता बनर्जी के सबसे वफादार समर्थकों में गिने जाते थे, उन्होंने भी पार्टी छोड़ दी है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि या तो अभिषेक बनर्जी पार्टी के नेता बने रहेंगे और वे बाहर हो जाएंगे, अर्थात ममता बनर्जी को पार्टी में अभिषेक की स्थिति पर निर्णय लेना होगा और उन पुराने वफादार नेताओं के पक्ष में फैसला करना होगा, जिन्होंने वर्षों तक उनके साथ काम किया है। पहले ही 80 निर्वाचित विधायकों में से 64 विधायक पार्टी नेतृत्व की बात मानने से इनकार कर चुके हैं और वे सभी ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में एकजुट हो गए हैं। इन विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता नामित किया है। कहा जा रहा है कि और विधायक भी उनके साथ जुड़ सकते हैं। दूसरी ओर, राज्यसभा में पार्टी के एक और सदस्य ने इस्तीफा दे दिया है, जिससे पार्टी के सदस्यों की संख्या घटकर 10 रह गई है। सांसदों और विधायकों की संख्या बहुत कम हो जाने के कारण पार्टी की राजनीतिक हैसियत लगभग नगण्य रह गई है।

चुनावी हार के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ममता बनर्जी, जिन्हें पहले राष्ट्रीय राजनीति में विशेष महत्व दिया जाता था, अब मुलाकातों के लिए इंतजार करने को मजबूर बताई जा रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि विभिन्न राष्ट्रीय नेताओं को किए गए उनके फोन कॉल का भी जवाब नहीं दिया रहा है।

भारतीय राजनीति की सबसे तूफानी नेता ममता बनर्जी के पास दो ही विकल्प हैं, या तो खत्म हो जाएं या हाशिए पर चली जाएं। उन्हें अब याचक जैसी भूमिका का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में, जब भी वे दिल्ली से लौटती थीं तो राष्ट्रीय राजनीति के मुद्दों पर खुलकर टिप्पणी करती थीं, लेकिन कल कोलकाता हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। अब उनकी हालत ऐसी हो गई है कि उन्हें नौकरी की तलाश में आवेदन करना पड़ रहा है। पिछले दो दिनों में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने क्रमशः सोनिया गांधी और राहुल गांधी से कई बार मुलाकात की। बताया जा रहा है कि उन्हें अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का प्रस्ताव दिया गया है। कहा जा रहा है कि ममता और अभिषेक को अखिल भारतीय स्तर पर कुछ पद देने का आश्वासन दिया गया है। लेकिन उनसे यह भी कहा गया है कि वे अपनी पार्टी का पूरी तरह कांग्रेस में विलय कर दें और अलग राजनीतिक दल के रूप में तृणमूल कांग्रेस को भूल जाएं। यह प्रस्ताव कांग्रेस के लिए भी आकर्षक हो सकता है। ममता और अभिषेक की राजनीतिक प्रासंगिकता काफी घट चुकी है। वे अपना जनाधार खो चुके हैं और राज्य विधानसभा तथा संसद, दोनों में विधायकों और सांसदों पर उनका नियंत्रण समाप्त हो गया है। हालांकि पार्टी के पास अभी भी भारी मात्रा में धनराशि मौजूद है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के पास लगभग 3,000 करोड़ रुपये का राजनीतिक कोष है। चुनावी बॉन्ड से प्राप्त चंदे में भाजपा के बाद और कांग्रेस से आगे, तृणमूल कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी। अब पार्टी नेताओं को इस खजाने के असली हकदार के तौर पर अपनी वैधता साबित करनी होगी। अब तक पार्टी की धनराशि का नियंत्रण शीर्ष दो पदाधिकारियों, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के पास था। लेकिन अब, जब अधिकांश विधायक और सांसद एकजुट होकर स्वयं को वास्तविक तृणमूल कांग्रेस बता रहे हैं, तो इस धनराशि पर नियंत्रण का प्रश्न बड़ा विवाद बन सकता है। पार्टी फंड पर अधिकार को लेकर भविष्य में गंभीर संघर्ष होने की संभावना जताई जा रही है।

मीनाक्षी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया गया कि नटराजन का नामांकन खारिज कर दिया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं था, जिसे चुनाव कानून के तहत उजागर करना आवश्यक था। चुनाव आयोग द्वारा अपने कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जल्द ही निर्णय लेने की उम्मीद है। नटराजन मध्य प्रदेश से कांग्रेस की एकमात्र राज्यसभा उम्मीदवार थीं, और उनके नामांकन खारिज होने के कारण पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी अब कोई दूसरा उम्मीदवार खड़ा कर नहीं सकती, क्योंकि नटराजन का पर्चा नामांकन की अंतिम तिथि 8 जून के बाद खारिज किया गया। यह विवाद 2022 में तेलंगाना के एक मामले से उत्पन्न हुआ, जिसमें एक महिला ने एक कांग्रेस नेता पर उत्पीड़न और धमकियों का आरोप लगाया था। महिला ने दावा किया कि शिकायत के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व ने रेड्डी के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने यह मामला उस समय कांग्रेस संगठन से जुड़ी मीनाक्षी नटराजन के सामने भी उठाया था। कांग्रेस का तर्क है कि नटराजन किसी एफआईआर में आरोपी नहीं थीं और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था। इसलिए पार्टी का कहना है कि नामांकन हलफनामे में इस मामले का उल्लेख करने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं थी। मध्य प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार महेश केवट का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में चल रही।

अशोक गहलोत का जैसा लगाव वैभव के साथ है, वैसा ही मेरे से है - पायलट

राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर सचिन ने गहलोत को मोहब्बत का पैगाम दिया

दौसा 11 जून (निसं)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को भंडाना में किसान नेता राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर राजेश पायलट स्मारक पर हजारों लोगों की मौजूदगी में पुष्पाजंलि अर्पित की। सचिन पायलट जयपुर से अपने काफिले के साथ सभा स्थल पर साढ़े दस बजे पहुंचे।

- **इस भावुक अवसर पर स्व. राजेश पायलट की पत्नी रमा पायलट तथा सचिन पायलट के दोनों पुत्र आरान और विहान भी उपस्थित थे।**

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को भंडाना में किसान नेता राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर राजेश पायलट स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित की।

इस मौके पर कांग्रेस के महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हाल ही में मानेसर प्रकरण को दोबारा हवा दिए जाने के सवाल पर कहा कि अशोक गहलोत का जैसा लगाव और स्नेह अपने पुत्र वैभव गहलोत के साथ है, वैसा ही स्नेह और आशीर्वाद मेरे साथ भी है।

उन्होंने कहा कि आज देश के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। पायलट ने नीट परीक्षा सहित देश में लगातार हो रहीं दर्जनों परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं सहित, समाज के विभिन्न वर्गों से आए हजारों लोगों ने पायलट को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ और उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस भावुक क्षण में राजेश पायलट की पत्नी रमा पायलट और उनके पुत्र व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मौजूद रहे। साथ ही, सचिन पायलट के दोनों बेटे आरान और विहान भी दादा की पुण्यतिथि पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजस्थान कांग्रेस के कई वर्तमान व पूर्व मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बीडी कल्ला, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, जितेन्द्र सिंह, ममता भूपेश, हेमाराम चौधरी और जायदा खान मौजूद थे। इनके अलावा, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, सांसद भजनलाल जाटव, सांसद संजना जाटव, बस्सी विधायक लक्ष्मण मीणा, पूर्व विधायक रमेश मीणा, पाली विधायक भीमराज भाटी, अमीन कागजी, सुरेश मोदी, विधायक मुकेश भाकर, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा, पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, धीरज गुर्जर, प्रशांत बैरवा, इंद्राज गुर्जर, निहारिका जोरवाल, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामजीलाल ओढ , पूर्व विधायक जीआर खटाना, संदीप शर्मा, जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, जिला प्रवक्ता मुकेश राणा सहित सैकड़ों पार्टी पदाधिकारी प्रधान एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

म.प्र. से भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यसभा की तीन सीटों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। इनमें दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते की है।

इन तीनों रिक्त होने वाली सीटों पर द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवार-तरुण चुग, महेश केवट और रजनीश किया गया, जिनमें तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट शामिल हैं। रिटर्निंग अधिकारी अरविंद शर्मा ने भाजपा के तीनों निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों को निर्वाचन के प्रमाण पत्र सौंप दिए हैं।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। इनमें दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते की है।

इन तीनों रिक्त होने वाली सीटों पर द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवार-तरुण चुग, महेश केवट और रजनीश अग्रवाल तथा कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन भाजपा की आपत्ति के बाद हलफनामे में अनियमितताएं पाए जाने के आधार पर कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन गत मंगलवार को खारिज कर दिया गया था।

'कर्नाटक...

बढ़कर 2,400 रुपये प्रति टन हो गई है। जो लगभग 950 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पुरानी कचरा प्रबंधन व्यवस्था पर 30 वर्षों में लगभग 6,117 करोड़ रुपये का खर्च आता, जबकि नए अनुबंध के तहत अनुमानित लागत 39,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908